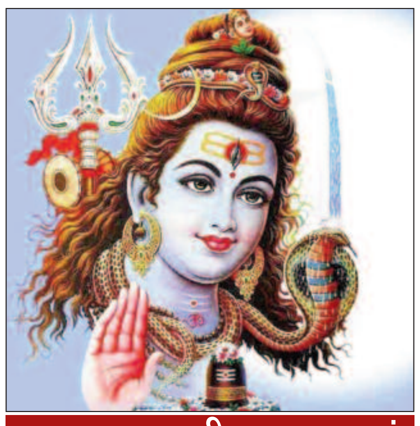

श्रावण मास की शुभकामनाएं

05 अगस्त 2024 सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

तेजस्वी ने लगाया आरोप... आरक्षण की विरोधी है केंद्र और राज्य सरकार

2

वक्फ बोर्ड की शक्तियों पर लगाम कसने की तैयारी में मोदी सरकार, जल्द पेश होगा बिल

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड से जुड़े महत्वपूर्ण बदलावों की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय कैबिनेट ने वक्फ एक्ट में 40 संशोधनों पर चर्चा की है, जिनके तहत वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित करने की क्षमता में बदलाव किए जाएंगे। केंद्र सरकार वक्फ एक्ट में इन प्रस्तावित बदलावों को लागू करने के लिए जल्द ही संसद में एक विधेयक पेश कर सकती है। इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड की भूमिका और अधिकारों में बदलाव किए जाएंगे, जिससे संपत्तियों की घोषणा और विवादों के निपटारे में पारदर्शिता और स्पष्टता सुनिश्चित की जा सकेगी। वक्फ एक्ट में प्रस्तावित ये बदलाव वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक नियंत्रित और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे वक्फ संपत्तियों की पहचान और प्रबंधन में सुधार होगा और किसी भी विवाद को हल करने में विधिक प्रक्रिया को मजबूत किया जाएगा।

वक्फ का अर्थ है खुदा के नाम पर अर्पित वस्तु, भूमि, धन

वक्फ एक अरबी शब्द है जिसका मतलब है खुदा के नाम पर अर्पित वस्तु या लोकहितार्थ दान किया गया धन। इस्लाम में वक्फ का तात्पर्य किसी संपत्ति जैसे पैसे, जमीन, मकान या अन्य कीमती वस्तु को धार्मिक या परोपकारी उद्देश्यों के लिए दान करने से है। वक्फ की संपत्तियां चल और अचल दोनों प्रकार की हो सकती हैं और इनका प्रबंधन स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक वक्फ बोर्ड और संबंधित संस्थाओं द्वारा किया जाता है। एक बार संपत्ति वक्फ हो गई तो फिर उसे मालिक वापस नहीं ले सकता है।

वक्फ बोर्ड की भूमिका

वक्फ बोर्ड का मुख्य उद्देश्य दान में प्राप्त संपत्तियों का उचित प्रबंधन करना है। यह संपत्तियां गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा व्यवस्था, मस्जिदों का निर्माण और मरम्मत और अन्य धर्मार्थ कार्यों में योगदान देती हैं। भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन वक्फ एसेट्स मैनेजमेंट सिस्टम ऑफ इंडिया के तहत 30 वक्फ बोर्डों द्वारा किया जाता है, जिनमें से अधिकांश के मुख्यालय दिल्ली में स्थित हैं। केंद्र सरकार का केंद्रीय वक्फ परिषद इन बोर्डों के साथ समन्वय स्थापित करता है। एक बार संपत्ति वक्फ हो जाने के बाद, उसे वापस लेना संभव नहीं होता।

1954 में पं.नेहरू की सरकार में पारित हुआ वक्फ एक्ट

1954 में जवाहरलाल नेहरू की सरकार के दौरान वक्फ एक्ट पारित किया गया। इस एक्ट का उद्देश्य वक्फ से संबंधित कार्यों को सरल और स्पष्ट बनाना था। इस एक्ट के तहत वक्फ संपत्तियों पर दावे, उनके रखरखाव और प्रबंधन के दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। 1964 में इस एक्ट के तहत केंद्रीय वक्फ परिषद का गठन हुआ, जो वक्फ बोर्डों की गतिविधियों पर केंद्र सरकार को सलाह देती है। 1995 में वक्फ एक्ट में संशोधन किया गया, जिससे हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्डों के गठन की अनुमति दी गई। इस संशोधन के बाद वक्फ बोर्डों की संख्या और उनकी पहुंच में वृद्धि हुई।

वक्फ बोर्ड के पास संपत्तियां: वक्फ बोर्ड के पास कुल मिलाकर 8 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन है। 2009 में यह आंकड़ा 4 लाख एकड़ था, जो अब दोगुना हो चुका है। इन संपत्तियों में ज्यादातर मस्जिदों, मदरसों, और कब्रगाहों की हैं। दिसंबर 2022 तक वक्फ बोर्ड के पास कुल 8,65,644 अचल संपत्तियां थीं। वक्फ बोर्ड को अधिकांश संपत्तियां मुस्लिम शासनकाल जैसे दिल्ली सल्तनत और मुगलों के समय में प्राप्त हुईं, और विभाजन के समय पाकिस्तान जाने वाले मुसलमानों ने भी अपनी संपत्तियां वक्फ को दान कर दी थीं। वक्फ बोर्ड के पास भारतीय सेना और रेलवे के बाद सबसे ज्यादा जमीन है। यानी, वक्फ बोर्ड देश का तीसरा सबसे बड़ा जमीन मालिक है।

एक्ट में प्रस्तावित बदलाव

संपत्ति के दावे पर वेरिफिकेशन: नए बदलावों के अनुसार, वक्फ बोर्ड अब किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं कर सकेगा बिना उसके अनिवार्य वेरिफिकेशन के। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी संपत्ति पर वक्फ बोर्ड द्वारा दावा करने से पहले उसकी सटीकता और वैधता की जांच की जाए।

विवादित संपत्तियों का वेरिफिकेशन: यदि वक्फ बोर्ड और किसी अन्य व्यक्ति के बीच संपत्ति को लेकर विवाद उत्पन्न होता है, तो इस विवाद के समाधान के लिए भी वेरिफिकेशन प्रक्रिया लागू की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि संपत्तियों के संबंध में किसी भी प्रकार की अनियमितता और विवाद को न्यायसंगत तरीके से हल किया जा सके।

मध्य प्रदेश के सागर जिले के शाहपुर में रविवार की सुबह हुआ दर्दनाक हादसा

शिवलिंग बना रहे बच्चों पर अचानक गिरी जर्जर दीवार, दबने से नौ की मौत

- मिट्टी का शिवलिंग बनाने पहुंचे थे आठ से 14 साल के बच्चे
- भारी बारिश के कारण कमजोर हो गई थी 50 साल पुरानी दीवार

एजेंसी/सागर

मध्य प्रदेश के सागर में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां शाहपुर के हरदौल मंदिर परिसर से लगी दीवार अचानक से भरभरा कर गिर गई. दीवार के मलबे में दबकर 9 बच्चों की मौत हो गई। 8 बच्चों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया है। खबर लिखे जाने तक बाकी बच्चों को भी निकालने की कोशिश जारी थी। जानकारी के मुताबिक, यहां मंदिर में शिवलिंग निर्माण एवं भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। सावन के महीने में यहां सुबह से शिवलिंग बनाए जा रहे थे। रविवार को भी शिवलिंग बनाने का काम शुरू हुआ। मिट्टी के शिवलिंग बनाने के लिए आठ से 14 साल के बच्चे भी बड़ी संख्या में पहुंचे। सुबह के समय बच्चे जब शिवलिंग बना रहे थे, तभी मंदिर परिसर के बाजू वाली करीब 50 साल पुरानी एक कच्ची दीवार भराभराकर गिर गई। यह दीवार शिवलिंग बना रहे बच्चों के ऊपर सीधी गिरी, जिससे 9 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और नगर परिषद को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीमों ने मलबे से बच्चों को निकालना शुरू किया। सूचना मिलने पर रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी मौके पर पहुंचे।

बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर के बाजू में 50 साल पुरानी यह दीवार जर्जर हो चुकी थी। इसके बाद भी इसे गिराया नहीं गया। सागर में इन दिनों भारी बारिश भी हो रही है। ऐसे में कच्चे और जर्जर मकानों को खतरा बना हुआ है। मंदिर के पास स्थित भी मिट्टी की दीवार वर्षा में गिर गई, जिससे यह हादसा हो गया।

सीएम मोहन यादव ने घटना पर जताया दुख, मुआवजे का ऐलान

सीएम मोहन यादव ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर ट्विट करते हुए लिखा कि आज सागर जिले के शाहपुर में हुई अतिवृष्टि के कारण जर्जर मकान की दीवार गिरने से 9 मासूम बच्चों के काल कवलित होने की खबर सुनकर मन व्यथित है। घायल बच्चों के उचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। भगवान से करबद्ध प्रार्थना है कि दिवंगत बच्चों की आत्मा को शांति प्रदान करें। हादसे में घायल अन्य बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। जिन परिवारों ने मासूम बच्चों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मृतक बच्चों के परिजनों को शासन की तरफ से 4 -4 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसा, सात की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इटावा में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बस और कार की टक्कर में सात लोगों की मौत की खबर है। इस हादसे में 45 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार चालक को झपकी आने की वजह से यह हादसा हुआ। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कार अनियंत्रित होकर अपनी लेन से बाहर चली गई और लखनऊ से आ रही एक बस में जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रायबरेली से दिल्ली जा रही स्लीपर बस एक्सप्रेस-वे से नीचे जा गिरी। मरने वालों की पहचान कन्नौज निवासी प्रद्युम (24 साल), मोनू (25 साल), चंदा (50 साल) के रूप में हुई है। ये तीनों कार में सवार थे जबकि बस में यात्रा कर जिन लोगों की मौत हुई है, उनकी पहचान ओम प्रकाश (50) निवासी लखीमपुर खीरी, राजू शाह निवासी अमेठी और एक अज्ञात के रूप में हुई है। इटावा के एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि हादसे में मारे गए सात में चार लोग बस में सवार थे। रात करीब साढ़े बारह बजे यह हादसा हुआ। हादसे के समय बस में 60 लोग सवार थे।

सीएम नीतीश कुमार के ऑफिस को बम से उड़ाने की मिली धमकी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। जिसके बाद पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस पूरे मामले की जांच एटीएस कर रही है। इस मामले में शुक्रवार को थानेदार संजीव कुमार के बयान पर सचिवालय थाना में केस दर्ज कराया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार गत 16 जुलाई को ही सीएम के सरकारी ईमेल आईडी पर सीएमओ को बम से उड़ा दिए जाने का मैसेज आया था। यह मैसेज अलकायदा ग्रुप के नाम से भेजा गया था। जानकारी के मुताबिक, ईमेल करने वाले ने achw700@gmail.com आईडी से मेल भेजा था। फिलहाल पुलिस संबंधित मेल आईडी के बारे में पता लगाने में जुटी है। इससे पहले पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 351(4) (3) और 66 (एफ) आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। बिहार पुलिस ने मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक ई-मेल के सिलसिले में मुकदमा दर्ज किया है। सचिवालय थाने के निरीक्षक संजीव कुमार के बयान के आधार पर दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, 16 जुलाई को ई-मेल मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया था।

विपक्ष को जो करना है करे, 2029 में भी मोदी जी आएंगे: अमित शाह

एजेंसी/चंडीगढ़

2024 में बीजेपी के 240 सीटों पर सिमटने के बाद पहली बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर खुलकर बड़ा हमला बोला है। चंडीगढ़ पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि विपक्ष को जो करना है करने दीजिए, 2029 में एनडीए आएगा, मोदी जी आएंगे। विपक्ष को पता नहीं है कि कांग्रेस को 3 चुनावों में जितनी सीटें मिली थीं, उससे कहीं ज्यादा सीटें इस चुनाव में बीजेपी ने जीती हैं। उन्होंने मनीमाजरा (चंडीगढ़) में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत बने 24 घंटा सातों दिन जल आपूर्ति परियोजना के लोकार्पण किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया है कि ये लोग जो अस्थिरता फैलाना चाहते हैं, बार-बार कहते हैं कि ये सरकार चलने वाली नहीं है। मैं उन्हें भरोसा दिलाने आया हूं कि सरकार न केवल अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि अगली सरकार एनडीए की होगी और विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहेगी और विपक्ष में ठीक से काम करने का तरीका सीखेगी। शाह का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब विपक्ष की तरफ लगातार यह दावा किया जा रहा है कि मोदी 3.0 का कार्यकाल पूरा नहीं होगा।

1 लाख लोगों को घर बैठे 24 घंटे उपलब्ध होगा पानी

प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हुए अमित शाह ने कहा, अब बहनों को पानी भरने जाने के लिए अलार्म लगाने की जरूरत नहीं होगी अब आप जब नल खोलेंगी आपको पानी मिलेगा। गृह मंत्री ने कहा, कोई टैंकर नहीं होगा, बल्कि नल से पानी मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार की इस योजना से मनीमाजरा के 1 लाख लोगों को घर बैठे 24 घंटे पानी उपलब्ध होगा। इस प्रोजेक्ट की शुरूआत मोदी सरकार ने 13 नवंबर 2021 को की थी, जिसके बाद लगातार 4 बार इस के तैयार होने की तारीख को बदला गया, जिसके बाद अब यह प्रोजेक्ट तैयार हो गया है।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पटना से मेडिकल के एक छात्र को किया गिरफ्तार

एजेंसी/पटना

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम ने रविवार को भीलवाड़ा की राजमाता विजय राजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले मेडिकल के स्टूडेंट संदीप बिश्नोई को पटना से गिरफ्तार किया है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार संदीप पर नीट पेपर सॉल्व करने का आरोप है. पटना में उसको हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, इसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई है। आरोपी संदीप को पटना सिविल कोर्ट की एक विशेष अदालत में विशेष न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी रिंकू के समक्ष पेश किया गया। कोर्ट ने सीबीआई को 5 दिनों के रिमांड की अनुमति दी है। आरोप है कि गिरफ्तार किए गए संदीप ने अन्य मेडिकल छात्रों के साथ हजारीबाग में 5 मई की परीक्षा से पहले नीट का प्रश्न पत्र सॉल्व किया था। इसी सॉल्वड पेपर को संजीव मुखिया गिरोह के रॉकी और अन्य माफिया ने बिहार-झारखंड में अपने साथियों को भेजकर अभ्यर्थियों को रटवाया था। सूत्रों के मुताबिक कई और मेडिकल छात्र अभी भी सीबीआई की रडार पर हैं।

मास्टरमाइंड का संबंध परीक्षा माफिया से

सूत्रों के मुताबिक नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया का संबंध राजस्थान के परीक्षा माफिया बलराम गुर्जर के साथ है। दोनों के पुराने संबंध रहे हैं और रॉकी भी इन दोनों से जुड़ा हुआ है। दोनों गिरोह पूर्व में भी एक साथ जालसाजी कर चुके हैं। ऐसी संभावना है कि बलराम गुर्जर की मदद से रॉकी ने राजस्थान के मेडिकल कॉलेज के छात्रों से संपर्क साधा होगा।

बांग्लादेश में हुई हिंसक झड़पों में 32 लोग मारे गए, सैकड़ो घायल

एजेंसी/नई दिल्ली

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्र आंदोलन संगठन द्वारा घोषित असहयोग आंदोलन के पहले दिन रविवार को प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ अवामी लीग समर्थकों के बीच हिंसक झड़पों में 32 लोग मारे गए तथा सैकड़ों अन्य घायल हो गए। सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम' में भाग लेने पहुंचे। अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकताओं ने उनका विरोध किया तथा फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। प्रोथोम अलो अखबार ने अपनी खबर में कहा, बांग्लादेश के 13 जिलों में हुई झड़पों में अब तक 32 लोग मारे जा चुके हैं। गृह मंत्रालय ने रविवार शाम छह बजे से देश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया। सरकारी एजेंसियों ने सोशल मीडिया मंच ह्यफेसबुक', मैसेंजर', व्हॉट्सऐप' और इंस्टाग्राम' को बंद करने का आदेश दिया है। अखबार ने बताया कि मोबाइल प्रदाताओं को 4जी इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया गया है। ह्यस्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन प्लेटफॉर्म' ने सरकार के इस्तीफे की एक सूत्री मांग के साथ आज से पूर्ण असहयोग आंदोलन का आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त हुए 2316 मकान

बाढ़ में बहे घर तो 3 करोड़ रुपये से सरकार ने पोछे आंसू

एजेंसी/लखनऊ

एक इंसान के लिए उसका घर केवल दीवारें नहीं, बल्कि सुख-दुख का साक्षी होता है, जहां वह परिवार के साथ बिताए लम्हों और यादों को अपने दिल में संजो कर रखता है। इंसान का घर ही ऐसा होता है, जो उसे हर एक खट्टे-मीठे पलों की याद दिलाता रहता है। वहीं जब बाढ़ का पानी उसके सपनों के आशियाना को बहा ले जाता है तो वह सिर्फ दीवारों को ही नहीं बल्कि उसकी खुशियां, आशाएं, महत्वाकांक्षाएं और भविष्य के सुनहरे सपनों को भी अपने साथ बहा ले जाता है। इससे वह इंसान कभी उबर नहीं पाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंसान के इस दुख को बखूबी जानते और समझते हैं। यही वजह है कि सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ में अपना घर गंवाने वाले गरीबों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध करायी जा रही है, ताकि वह फिर से अपने सपनों के आशियाने को खड़ा कर सकें।

बाढ़ के पानी से सबसे अधिक पीलीभीत में 867 मकान क्षतिग्रस्त

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बाढ़ पीड़ितों को युद्धस्तर पर सहायता पहुंचायी जा रही है। वहीं सहायता धनराशि को 24 घंटे के अंदर पीड़ितों के खातों में क्रेडिट किया जा रहा है। इसी के तहत योगी सरकार बाढ़ की चपेट में आने से अपना घर गंवाने वालों की मदद को आगे आयी है। सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ की चपेट में आने से अपना आशियाना गंवाने वाले 14 जिलों के 2316 पीड़ितों के सापेक्ष 2309 लोगों के खातों में 3,37,19,000 रुपये की धनराशि जारी की गयी है। वहीं 7 पीड़ितों को सहायता धनराशि जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें सबसे अधिक पीलीभीत में 867 मकान क्षतिग्रस्त हुए। योगी सरकार सभी को 42,58,000 रुपये की सहायता धनराशि जारी कर चुकी है। इसके बाद लखीमपुर खीरी में 593 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके सापेक्ष अब तक 588 क्षतिग्रस्त मकान के पीड़ितों को 80,77,500 रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से 14 जिलों के 138 पक्के मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये। इसके सापेक्ष अब तक 135 क्षतिग्रस्त मकान के पीड़ितों को एक लाख 20 हजार प्रति क्षतिग्रस्त मकान के हिसाब से 1,62,00,000 रुपये की धनराशि जारी की गयी है।

बिहार में डोमिसाइल लागू होना चाहिए ताकि बिहारी युवाओं को रोजगार मिल सके: पीके

केटी न्यूज/पटना

पटना के बापू सभागार में रविवार को जन सुराज की ओर से युवा संवाद का आयोजन किया गया। जनसुराज के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोग रोजी-रोटी के लिए दूसरे प्रदेशों में पलायन करने को मजबूर हैं और यहां मौजूदा सरकार दूसरे प्रदेशों के लोगों को नौकरी देकर बिहारियों को बुड़बक बना रही है। उन्होंने कहा कि बिहार और देश की सरकारों ने बिहार को न सुधरने वाला राज्य समझकर बिहारियों को अपनी किस्मत पर रोने के लिए छोड़ दिया है। अब बिहारी युवाओं की जिद है जन सुराज और जन सुराज के माध्यम से बिहार को सुधारने की जिद पर युवा शक्ति अड़ गई है। बिहार के युवाओं में बड़ी बेरोजगारी है और नौकरियां दूसरे प्रदेशों के लोग ले जा रहा है। बिहार में डोमिसाइल लागू किया जाना चाहिए ताकि बेरोजगारी का दंश झेल रहे बिहारी युवाओं को रोजगार मिल सके और पलायन कम हो सके।

प्रशांत किशोर ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि जब- जब युवा शक्ति अंगड़ाई ली है बदलाव आया है। उन्होंने युवाओं को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की और कहा कि आपके बीच से ही लोग मुखिया, जिला परिषद, विधायक आदि बनेंगे। इस भीड़ में बैठे युवाओं में से बहुतेरे विधानसभा के लिए चुन कर आयेंगे विश्वास रखिए। उन्होंने कहा कि महान दार्शनिक अरस्तू ने कहा था कि जब समाज के अच्छे लोग राजनीति से दूर हो जाते है तब कोई मूर्ख शासन करने लगता है। सभी समाज में अच्छे लोग हैं जिन्हें ढूंढ कर जन सुराज राजनीति में भागीदार बना रहा है। आपको साधन संसाधन की चिंता नहीं करनी है। उसकी चिंता अपने भाई प्रशांत किशोर पर छोड़ दीजिए।

243 सीटों पर पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगा जनसुराज

पीके ने कहा कि एक करोड़ संस्थापक सदस्यों के साथ दो अक्टूबर को जन सुराज नाम से एक पार्टी बनाई जाएगी। प्रशांत किशोर ने दुहराया कि जन सुराज आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों पर पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगा और सरकार बनाएगा। कार्यक्रम को पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा, डॉ. संजय पासवान ने भी संबोधित किया। जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने उक्त जानकारी दी।

पूछा सवाल... मुख्यमंत्री व एनडीए सरकार ने 17 सालों में इतनी नौकरियां क्यों नहीं दी?

तेजस्वी ने लगाया आरोप... आरक्षण की विरोधी है केंद्र और राज्य सरकार

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बार फिर आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते हुए भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एनडीए की केंद्र और राज्य सरकार आरक्षण विरोधी है, इसलिए बिहार में हमारी सरकार द्वारा दिए गए 65% आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं कर रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर हमला बोलते हुए नीतीश सरकार से सवाल पूछा है कि मुख्यमंत्री और एनडीए सरकार ने 17 सालों में इतनी नौकरियां क्यों नहीं दी? जातिगत गणना क्यों नहीं कराई? आरक्षण का दायरा क्यों नहीं बढ़ाया? तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में देश में प्रथम बार बिहार में जातिगत आधारित गणना तथा उसके आँकड़े प्रकाशित कराने के साथ-साथ जातिगत गणना के अनुसार आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 75% किया। भाजपा और एनडीए के लोगों ने दलितों/पिछड़ों और आदिवासियों के लिए आरक्षित 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को रुकवा दिया। एनडीए की केंद्र और राज्य सरकार आरक्षण विरोधी है इसलिए बिहार में हमारी सरकार द्वारा दिए गए 65 प्रतिशत संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल नहीं कर रही है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि आपके समर्थन, सहयोग और आशीर्वाद के साथ हम सब मिलकर बिहारवासियों की उन्नति, प्रगति और उत्थान के लिए सदैव संघर्षरत रहेंगे। सभी वर्गों को सामाजिक के साथ-साथ आर्थिक न्याय मिलें, उनका आर्थिक उत्थान हो इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

आरक्षण पर तेजस्वी को बोलने का कोई अधिकार नहीं: भाजपा

बिहार बीजेपी के अध्यक्ष और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान आरक्षण के मुद्दे पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार से ही आरक्षण मिल रहा है। आरक्षण के बारे में तेजस्वी को बोलने का कोई अधिकार नहीं है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी, तब आरक्षण की व्यवस्था की गई थी और आज भी एनडीए सरकार विकास और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अपने बुजुर्गों से पूछिए कि आपने कभी आरक्षण दिया था क्या? अटल जी की सरकार में आरक्षण दिया गया था। दिलीप जायसवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में बिहार सरकार गई कि इस पर रोक हटाई जाए, लेकिन विपक्ष रेयूमर उड़ा रहा है कि आरक्षण रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही दिलीप जायसवाल ने बताया कि पटना में कभी एकमात्र चिरौंयाटाड़ पुल हुआ करता था, लेकिन आज पटना में पुलों का जाल बिछा हुआ है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए। आज पटना में पुलों का जाल बिछ चुका है, जो कि विकास का एक बड़ा उदाहरण है।

एनडीए सरकार ने ठाना है, हर बिहारी को छठ में घर लाना है: वहीं, छठ पर्व को लेकर दिलीप जायसवाल ने नित्यानंद राय से अनुरोध किया कि रेल मंत्रालय के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर बिहारी छठ पर्व मनाने के लिए अपने घर आ सके। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने ठाना है कि हर बिहारी को छठ में घर लाना है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि बिहार के लोग विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर हों। उन्होंने विपक्ष पर झूठी अफवाहें फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता को सही तथ्यों से अवगत कराना जरूरी है।

मुजफ्फरपुर में नहाने के दौरान वाया नदी में डूबने से तीन बच्चों की मौत, मचा कोहराम

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब नहाने के दौरान तीन बच्चे एक के बाद एक वाया नदी में डूब गए। काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों का शव नदीं से बरामद करने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद मृतक बच्चों के परिजनों में कोहराम मच गया है।

घटना साहेबगंज नगर परिषद वार्ड संख्या 24 स्थित वाया नदी की है, जहां दो बच्चे वाया नदी में नहाने के दौरान अचानक डूबने लगे। वहां खड़े 17 वर्षीय अरमान की नजर जब डूब रहे बच्चों पर पड़ी तो उन्हें बचाने के लिए उसने भी नदी में छलांग लगा दी लेकिन एक के बाद एक तीनों युवक वाया नदी में समा गए। स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद वाया नदी में डूबे तीनों किशोर की डेडबॉडी को पानी से बाहर निकाला। मृतक तीनों लड़कों की पहचान 17 वर्षीय अरमान, 8 वर्षीय राजा बाबू और 8 वर्षीय रमजान के रुप में हुई है। तीनो एक ही गांव के रहने वाले थे। इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। तीन लड़कों की मौत से गांव में मातमी सन्नाटा छा गया है।

पटना के पालीगंज में तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला, मौत

- कंचनपुर बिहटा के रहने वाले थे दोनों एक ही बाइक से जा रहे थे पालीगंज
- घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाल रही है पुलिस

केटी न्यूज/पटना

पटना के पालीगंज के जलपुरा 139 सड़क मार्ग पर रविवार को तेज रफ्तार से आ रही एक हाईवा (ट्रक) ने मोटरसाइकिल सवार को कुचल दिया। बाइक पर पर दो युवक सवार थे। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाईवा का ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास गांव के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पालीगंज थाने को दी। इधर, सूचना मिलते ही पालीगंज थाने की पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दी है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को भी खंगालना शुरू कर दिया है। पालीगंज थाना प्रभारी ने बताया कि हाईवा की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों मृतक कंचनपुर बिहटा के रहने वाले थे और एक मोटरसाइकिल से पालीगंज जा रहे थे। मृतक की पहचान योगेंद्र गोप के 23 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार एवं कंचनपुर निवासी मोहम्मद अनवर के रूप में की गई है।

पालीगंज थाना के सब इंस्पेक्टर ललन कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि जलपुरा के नजदीक तेज रफ्तार हाईवे की चपेट में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों आ गए। दोनों की मौके पर मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि घटना स्थल पर पहुंचने के बाद दोनों लोगों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजी गई है। दोनों मृतक की पहचान होने के बाद उनके परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है। घटना के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा।

पूर्णिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट को साइबर अपराधियों ने किया हैक

पूर्णिया। पूर्णिया विश्वविद्यालय की ऑफिशियल वेबसाइट को साइबर अपराधियों ने हैक कर लिया है। वेबसाइट हैक हो जाने से काफी नाराजगी है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट हैक होने से वर्तमान समय में पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं का डाटा साइबर अपराधी चोरी कर सकते हैं। साइबर अपराधियों द्वारा विश्वविद्यालय के पोर्टल को करीब एक घंटे से अधिक समय से हैक कर रखा है। जानकारी के मुताबिक, इस दौरान कई छात्र-छात्राओं सहित छात्र नेता अंकुर यादव ने वेबसाइट को खोलने का प्रयास किया। लेकिन खोलने के दौरान ही स्क्रीन पर उन्हें कई तरह की चीजें दिखने लगीं। इन चीजों को देखकर हर कोई हैरान रह गया। ऐसे में विश्वविद्यालय के पोर्टल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे कि ऐसे में विभाग अपने डाटा को सुरक्षित कैसे रख पाएगा। हैक होने पर छात्र-छात्राओं ने चिंता व्यक्त करते हुए पोर्टल सिक्योरिटी बढ़ाने की मांग की है।

झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर जदयू ने खेला मास्टर स्ट्रोक

झारखंड के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री सरयू राय जदयू में शामिल, कार्यकारी अध्यक्ष ने दिलाई सदस्यता

केटी न्यूज/पटना

झारखंड के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री सरयू राय अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ आ चुके हैं। रविवार को जनता दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद संजय झा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। जदयू ज्वाइन करने के बाद जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उनका पिछले कई दशकों से व्यक्तिगत संबंध रहा है। मुझे विश्वास है कि उनके आने से झारखंड में पार्टी को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर बिहार सरकार के माननीय मंत्री एवं जदयू के झारखंड प्रदेश प्रभारी अशोक चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार, राज्यसभा सांसद सह जदयू के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो विधान पार्षद संजय गांधी और प्रदेश महासचिव मनीष कुमार मौजूद थे।

झारखंड की राजनीति के दिग्गज कहे जाने वाले सरयू राय की एक समय में भारतीय जनता पार्टी में अच्छी पकड़ मानी जाती थी। जब झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तो सरयू राय मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए थे। कुछ दिन बाद से ही उनका रिश्ता तत्कालीन सीएम रघुबर दास से बिगड़ता चला गया। 2019 के विधानसभा चुनाव में सरयू राय को बेटिकट कर दिया गया। सरयू राय के समर्थकों ने आरोप लगाया कि रघुबर दास की जिद्द के कारण उनके नेता को जमशेदपुर पश्चिमी सीट टिकट नहीं मिला। इसके बाद सरयू राय बागी हो गए और रघुबर दास के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। और रघुबर दास की सीट जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव लड़ने का घोषणा किया। चुनाव परिणाम आया तो सरयू राय भारी मतों से जीत गए। भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखर रहे हैं

सरयू राय ने ही किया था पशुपालन घोटाले का खुलासा

जदयू में शामिल हुए सरयू राय को ही बिहार का चर्चित पशुपालन घोटाले का खुलासा करने का श्रेय जाता है। उस समय झारखंड बिहार राज्य का ही हिस्सा हुआ करता था। इसके बाद सरयू राय ने ही मधु कोड़ा पर खनन घोटाले का आरोप लगाया था। मामला तूल पकड़ा तो मधु कोड़ा कोड़ा को इस्तीफा देना पड़ा। सरयू राय ने पूर्व सीएम रघुबर दास को चुनाव में हराकर भाजपा को बड़ा झटका दिया था। आलम यह हुआ कि भाजपा की सरकार नहीं बन पाई। जदयू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। ऐसे में सरयू राय के आने से झारखंड में एनडीए मजबूत होगा। झारखंड में आगामी चुनाव को लेकर जदयू का यह मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

15.36 करोड़ की लागत से चौसा स्टेशन को आधुनिक बनाने की प्रक्रिया शुरू : डीआरएम

- अमृत भारत योजना के तहत चौसा स्टेशन का हुआ है चयन
- डीआरएम ने निर्माण कार्यों का लिया जायजा

केटी न्यूज/चौसा

रविवार को दानापुर मंडल के डीआरएम जयंत चौधरी ने चौसा रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कर्मनाशा पुल का निरीक्षण भी किया। डीआरएम ने स्टेशन प्रबंधक तथा निर्माण एजेंसी को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। उनके साथ रेलवे के कई अधिकारी भी थे। बता दें कि चौसा स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन के तहत आधुनिक स्टेशन बनाने की प्रक्रिया प्रारम्भ है। लगभग 15 करोड़ की लागत से इस स्टेशन का कायाकल्प होने वाला है। डीआरएम दोपहर एक बजे चौसा पहुंचे जहां स्पेशल वैगन से उतरकर रेलवे ट्रैक का निरीक्षण किया। इस दौरान उनकी नजर लूप लाइन से मुख्य ट्रैक बदलने वाली ट्रैक पर पड़ी। तत्काल मैकेनिक दल को बुलाया बदलने वाली ट्रैकों की स्थिति देखी, हालांकि यह तकनीक सुदृढ़ थी।

इसके बाद वे 77 सी गेट पहुंचे वह कार्यरत कर्मी से पूछताछ की, जहां बैरियर व स्लाइडर बैरियर की जांच की। इससे संबंधित उनसे पूछताछ की गई। डीआरएम लगभग चौसा में एक घंटा रहे। जहां टिकट काउंटर, पैनल कक्ष, पानी की व्यवस्था से लगायत यात्रियों के अन्य सुविधाओं की जांच की। इस दौरान स्टेशन मास्टर को भी कई दिशा निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान वे स्टेशन के ऊपरी पथ व अन्य व्यवस्था का भ्रमण कर जायजा लिया। इस संबंध में कुछ आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके बाद अमृत भारत योजना के तहत गति शक्ति द्वारा निर्माण किये जा रहे नए भवन का जायजा लिया। इससे सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। इसके बाद वे कर्मनाशा रेल पुल पर पहुंचे जहा पुल के साथ ट्रैकों की जांच की गई। तकनीकी टीम को निर्देशित किया। उसके बाद वे वापस दानापुर चले गए।

डीआरएम जयंत चौधरी ने बताया कि दानापुर-डीडीयू के बीच चौसा स्टेशन अमृत भारत योजना के अंतर्गत आधुनिक स्टेशन बनने वाला है। इसके निर्माण से स्टेशन की कई यात्री सुविधा भी आधुनिक बनेगी। 15.36 करोड़ की लागत से इस स्टेशन को आधुनिक बनाने की प्रक्रिया प्रारम्भ है। उन्होंने कहा कि उन्हीं विकास कार्यों की जांच करने आये थे। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन के निर्माण से वे स्टेशन एक अमिट पहचान बनेगे। जहां नवनिर्मित स्टेशन पर अनेकों तरह की सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके पहले वे रघुनाथपुर, डुमराव व बक्सर स्टेशन विंडो जांच मुआयना की गई। इस मौके पर उनके साथ एडीआरएम, गति शक्ति के अधिकारी के अलावा कई विभागीय अभियंता व तकनीशियन आये हुए थे।

एक नजर

कार्रवाई : डुमरांव डीएसपी के निर्देश पर रांग साइड से चल रहे दो ट्रैक्टर का कटा चालान

कृष्णाब्रह्म। एनएच 922 पर आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं के पीछ रांग साइड से वाहन चलाना बड़ा कारण माना जा रहा है। बावजूद वाहन चालक अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे है। लेकिन, पुलिस अब ऐसे चालकों को सबक सिखा रही है। रविवार को एनएच 922 पर कृष्णाब्रह्म के पास रांग साइड से ट्रैक्टर चला रहे दो ट्रैक्टर चालकों से चार-चार हजार रूपए का जुमार्ना वसूला गया है। यह जुमार्ना डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के निर्देश पर लगाया गया। मिली जानकारी के अनुसार कृष्णाब्रह्म के पास एनएच पर दो चालक रांग साइड से वाहन चला रहे थे। इसी दौरान डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी उधर से लौट रहे थे। उन्होंन ट्रैक्टर चालकों को रांग साइड से ड्राइव करते देखा तो तत्काल स्थानीय पुलिस को दोनों ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले जाकर जुमार्ना लगाने का निर्देश दिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने दो ट्रैक्टर चालकों पर चार-चार हजार रूपए का जुमार्ना लगाया है। डीएसपी के इस ऐक्शन के बाद एनएच पर रांग साइड से वाहन चलाने वालों में हड़कंप मच गया। जबकि लोगों ने डीएसपी के इस पहल की सराहना की है और कहा है कि यदि पुलिस इसी तरह से संजीदा रहे तो एनएच 922 पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कम हो सकती है।

बगेन में आमने सामने टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो की मौत; तीन घायल

ब्रह्मपुर। बगेन गोला थाना क्षेत्र के पास रविवार की शाम एक भीषण सड़क हादसें में दो युवकों की मौत हो गई है, जबकि तीन गंभीर रूप से जख्मी है। जिन्हें रघुनाथपुर सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घटना दो बाइक की आमने सामने की टक्कर में हुई है। मृतकों में ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव के गुलाल शर्मा के पुत्र रवि कुमार तथा मुरार थाना क्षेत्र के चौगाईं गांव के मंजीत यादव के रूप में हुई है। जबकि जख्मियों में रघुनाथपुर के लालमोहर यादव के पुत्र चंदन कुमार तथा चौगाईं के दिलीप यादव के पुत्र सुशील समेत एक अन्य शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार रवि और चंदन एक बाइक पर सवार हो बगेन की तरफ से आ रहे थे जबकि दूसरी तरफ से एक ही बाइक पर मंजीत यादव व सुशील यादव समेत तीन युवक सवार थे। बगेन गोला थाना से महज 150 मीटर दूर दोनों बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद मंजीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अस्पताल ले जाने के दौरान रवि ने भी दम तोड़ दिया। जख्मियों की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस शव को कब्जे में ले घायलों के इलाज में जुट गई। वही, पुलिस ने ही परिजनों को भी जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के क्रंदन चित्कार से रघुनाथपुर सीएचसी परिसर में माहौल गमगीन हो गया था। पुलिस की मानें तो दोनों शवो का पोस्टमॉर्ट करा परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

सकारात्मक विचारों को करें प्रस्तुत : बीरेंद्र

केसठ/नावानगर। प्रखंड के सोनवर्षा स्थित शिवकुमारी कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर के परिसर में रविवार को विभाग स्तरीय प्रचार विभाग की बैठक हुई। बैठक का उद्घाटन मुख्य अतिथि भोजपुर विभाग के विभाग प्रमुख बीरेंद्र कुमार, विशिष्ठ अतिथि दक्षिण बिहार के प्रांत प्रचार संयोजक गिरीश कुमार द्विवेदी, रवि शंकर श्रीवास्तव, त्रिलोकीनाथ चौबे आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के अध्यक्ष डा विश्वनाथ साह ने की। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश चन्द्र राय ने व संचालन उपेंद्र कुमार पांडेय ने किया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में भोजपुर एवं बक्सर जिले में चलने वाले विभिन्न सरस्वती शिशु मंदिरों एवं विद्या मंदिरों के प्रचार विभाग के आचार्यों ने भाग लिया। इस दौरान प्रांत प्रचार संयोजक ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया की अहम भूमिका है। अपने-अपने विद्यालय के बेहतर कार्य, प्रदर्शन एवं सकारात्मक विचारों को समाज के बीच रखना है, ताकि हमारे अच्छे कार्यों को समाज देख सके।वही पत्रकारों ने प्रचार विभाग से संबंधित समाचार लिखने,भेजने समेत अन्य गतिविधियों की जानकारी विस्तार से दी। वहीं विभाग प्रमुख ने कहा कि विभिन्न प्रचार विभाग के माध्यमों का उपयोग कर अपनी बात रखनी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बैठक से कार्य में गति मिलती है।इसके अलावा विगत कार्यों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। आभार ज्ञापन विकास दूबे ने किया। मौके पर चौधरी सुदामा सिंह, ईश्वर चंद्र, नरेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

टुड़ीगंज चौगाई मार्ग पर गिरा विशाल पेड़, 18 घंटे तक ठप रहा परिचालन

डुमरांव। तेज हवा के कारण प्रखंड क्षेत्र के टुड़ीगंज चौगाई मुख्य मार्ग के सरौरा डेरा गांव के समीप महुआ का एक विशाल पेड़ बीच सड़क पर गिर गया। जिस कारण सड़क परिचालन व विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। यह घटना शनिवार शाम की है। इस कारण इस पथ पर 18 घंटे तक परिचालन ठप रहा, जबकि लोगों को बिजली आपूर्ति से भी महरूम होना पड़ा। जानकारी के अनुसार पेड़ गिरने से 11 केवीए का तार भी टूट गया था, वही कई उपकरण खराब हो गए थे। रविवार की दोपहर वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में पेड़ को काट रास्ते से हटा परिचालन शुरू कराया गया। वही बिजली कंपनी के अधिकारियों व मानवबलों ने कड़ी मशक्कत के बाद टूटे तार की मरम्मत कर आपूर्ति बहाल कराया। इस दौरान एक बड़ी आबादी को अंधेरे में ही रात बितानी पड़ी। बता दें कि इस मार्ग से दर्जन भर गांवों के लोगों का आवागमन रहता है। यह सड़क कई गांवों को टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन तथा एनएच 922 को सीधे जोड़ती है। जिस कारण इलाके के परिवहन की यह मुख्य सड़क मानी जाती है। पेड़ गिरने से हजारों की आबादी को कई किलोमीटर की दूरी तय कर अरियांव तथा डुमरांव के रास्ते से आवागमन करना पड़ा। वही, यात्री वाहनों से सफर करने वालों की परेशानी और बढ़ गई थी। उन्हें उक्त जगह पर आने के बाद कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा था। बाइक चालकों को भी परेशानी उठानी पड़ी। जबकि बिजली के अभाव में उमसभरी गर्मी से लोग परेशान रहे।

खबरें फटाफट

मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव में विवाद को लेकर मारपीट किये जाने का मामला प्रकाश में आया हैं। मारपीट की इस घटना में लाखनडिहरा गांव के रहने वाले हीरालाल के पुत्र गोविंद डोम जख्मी हो गया। जिसका इलाज अस्पताल में कराया गया। इस मामले में पीड़ित ने भुअर डोम, रवि डोम और अमर डोम के के खिलाफ नामजद प्राथमिकी स्थानीय थाने में दर्ज करायी हैं। पीड़ित ने पुलिस को दिए गये आवेदन में बताया हैं कि वह अपने दरवाजे पर बैठा था। इसी दौरान नामजदों ने कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर दिया। जब परिजन बचान आये तो उनकी भी पिटाई कर दी गयी। वहीं, पुलिस मामले को दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी हैं।

बारिश होने से धान की रोपनी में आई तेजी

बक्सर। पिछले एक सप्ताह से हो रही बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली है। बारिश होने के साथ ही धान की रोपनी तेज हो गई है। किसानों की मानें तो अभी उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हुई है। लेकिन, इस बारिश ने रोपनी की रफ्तार बढ़ा दिया है। एक अनुमान के मुताबिक लक्ष्य के पचास फीसदी से अधिक धान की रोपनी हो गई है। यदि मौसम इसी तरह अनुकूल रहा तो रोपनी का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। किसान मनोज यादव ने कहा कि बारिश होने से धान की रोपनी तेज हो गई है।

ग्रामीण इलाकों में चरमराई विद्युत आपूर्ति

डुमरांव। पिछले तीन दिनों से ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है। अनुमंडल के स्थानीय प्रखंड के अलावे सिमरी, नावानगर, चौगाई, केसठ के अलावे सभी प्रखंडों में पिछले तीन दिनों से बिजली संकट बढ़ गया है। सिमरी के विजयानंद दूबे, चक्की के मनोज यादव, केसठ के संजय उपाध्याय आदि ने बताया कि पिछले तीन दिनों से उनके गांव में बिजली के दर्शन बहुत कम हुए है। शनिवार व रविवार को आंधी के दौरान तो पूरे दिन आपूर्ति ठप रही। वही कई जगहों पर पूरी रात बिजली नहीं आई। बिजली कंपनी के एई राकेश दूबे ने बताया कि आंधी पानी के कारण कुछ जगहों पर आपूर्ति प्रभावित हुई थी। जिसे ठीक करा लिया गया है।

केसठ के वार्ड पांच में एक साल से नहीं आया लोगों के घरों में नल का जल, मचा हाकाकार

हर घर नल योजना फेल, आक्रोशित ग्रामीणों ने बर्तन के साथ किया प्रदर्शन

- पिछले वर्ष ही वार्ड सदस्य ने बीडीओ को आवेदन दे लगाई थी गुहार
- ग्रामीणों ने लगाएं बीडीओ मुर्दाबाद के नारे

केटी न्यूज/केसठ

पीने के पानी की समस्या से परेशान केसठ गांव के वार्ड 5 के लोगों ने रविवार को पीएचईडी और प्रखंड प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि उनके वार्ड में पिछले एक साल से नल का जल नहीं आया है। जिस कारण उन्हें पीने के पानी के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है तथा बाल्टी तथा अन्य बर्तन लेकर दूसरे वार्डों में भटकना पड़ता है।

वहीं, सबसे खराब स्थिति गांव के उक्त वार्ड में उन घरों की है, जिनके घर के पुरूष सदस्य नौकरी या मजदूरी के लिए बाहर रहते है। उनके घर की महिलाओं या बच्चियों को पीने के पानी के लिए नया बाजार या अन्य जगहों पर जाना पड़ता है। जिस कारण उन्हें शर्मसार होनापड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार पीएचईडी विभाग तथा प्रखंड प्रशासन से जलापूर्ति बहाल करने की गुहार लगाई गई। बावजूद अभी तक किसी भी स्तर से इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से विद्युत आपूर्ति भी ध्वस्त हो गई है। जिस कारण पेयजल का जुगाड़ मुश्किल हो गया है।

डीएम का आदेश भी बेअसर

बता दें कि गर्मियों की शुरूआत में ही जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने जिले के सभी प्रखंडों में जलापूर्ति सुधारने तथा खराब पड़े चापाकलों के मरम्मत का सख्त निर्देश दिया था। बावजूद इसके केसठ प्रखंड के स्थानीय गांव के वार्ड पांच में जलापूर्ति पहुंचाने की व्यवस्था नहीं करवाई गई और न ही चापाकल ही दुरूस्त हो सकें। जिस कारण वार्ड पांच में पेयजल की समस्या गंभीर हो गई है।

उंचाई के कारण आ रही है दिक्कत

ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड 5 का इलाका उंचा है। वहीं, जहां पानी टंकी लगाया गया है वह जगह थोड़ा नीचे है। उंचाई के कारण ही वार्ड पांच तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जिस कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए फजीहत झेलनी पड़ रही है।

पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने चक्का जाम करने की दी चेतावनी

ग्रामीणों ने कहा कि अगर जल्द वार्ड में पीने के पानी की सप्लाई को बहाल किया जाए नहीं तो आने वाले दिनों में चक्का जाम किया जाएगा। प्रदर्शन कर रहे मुन्ना सिंह शिक्षक, नंदजी यादव, भीम तिवारी, रिंकू सिंह उर्फ कल्लू, सोनू खां, मुन्ना सिंह, नीतीश शाह आदि ने कहा कि पिछले कई वर्षो से हम लोगों के घरों में पीने का पानी नहीं आ रहा है। जिस कारण से कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड रहा है और नया बाजार या इधर उधर से पीने का पानी लाना पड़ रहा है। क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या को दूर करने के लिए एक बार नहीं कई बार पीएचईडी के अधिकारियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को भी अवगत करवाया गया है, लेकिन इस संबंध में अभी तक कोई भी कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिस कारण दिन ब दिन हम लोगों को पीने के पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे शिक्षक मुन्ना कुमार एवं अन्य ने कहा कि अगर जल्द से जल्द क्षेत्र में पीने के पानी की सप्लाई को बहाल नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में जोरदार प्रदर्शन और चक्का जाम किया जाएगा।

बोले वार्ड सदस्य...

वार्ड सदस्य शिवजी उपाध्याय ने बताया कि वर्ष 2023 में लिखित आवेदन बीडीओ को दिया गया था, लेकिन उनके द्वारा केवल आश्वासन ही दिया गया है। समस्या का निदान नहीं होने से लोगों को पीने के पानी के लिए पानी पानी होना पड़ रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि कई बार इस समस्या को लेकर प्रखंड प्रशासन और वरीय पदाधिकारी को मौखिक और लिखित रूप से सूचित किया गया, लेकिन उनके द्वारा भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग हाय हाय...,जल मंत्री हाय हाय...,बीडीओ मुदार्बाद की नारे लगाते हुए लोगो ने जम कर प्रदर्शन किया। बिहार सरकार की ये नल जल योजना पूर्णत: विफल नजर आ रही है।

शीघ्र होगा समाधान...

“ केसठ के वार्ड पांच में पेयजल की समस्या का समाधान शीघ्र कराया जाएगा। इसके लिए पीएचईडी के कनीय अभियंता को निर्देश दिया गया है। जल्दी ही उस वार्ड के लोगों को सुचारू रूप से पानी मिलने लगेगा।

– मिथिलेश बिहारी वर्मा, बीडीओ, केसठ

अनुमंडल क्षेत्र में अपराधियों एवं अपराध नियंत्रण पर फोकस करें थानेदार: डीएसपी

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार को डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने अपने कार्यालय कक्ष में अनुंडल क्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों के साथ क्राइम मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने थानाध्यक्षों से अपराध नित्रंण करने, शराब तस्करी पर लगाम लगाने, फरार शराब तस्करों, अपराधियों तथा वारंटियों को गिरफ्तार करने का निर्देश थानाध्यक्षों को दिया।

वहीं, डुमरांव एसडीपीओ ने बारी-बारी से सभी थानाध्यक्षों से उनके थाना में लंबित कांडो की समीक्षा की तथा कांडो के त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। क्राइम मीटिंग के दौरान डीएसपी ने थानाध्यक्षों को अपराध नियंत्रण के लिए पब्लिक के साथ मैत्री बढ़ाने तथा पुलिस गश्त तेज करने को कहा। उन्होंने कहा कि बिना आम जनता के सहयोग से शराब तस्करी तथा अपराध पर नियंत्रण स्थापित नहीं किया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि सभी थानाध्यक्ष पुलिस पब्लिक फ्रैंडली को धरातल पर उतारने का प्रयास करें। क्राइम मीटिंग के दौरान डुमरांव थानाध्यक्ष शंभु कुमार भगत, नया भोजपुर ओपी प्रभारी मनीष कुमार, कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार, कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार, मुरार थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय, नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार, ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद, नैनीजोर के मो. फिरोज आलम, चक्की ओपी के संजय पासवान समेत अनुमंडल के सभी थानों के थानाध्यक्ष मौजूद थे।

नैनीजोर में आर्मी का लोगो लगी कार से अंग्रेजी शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

नैनीजोर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान आर्मी का लोगों लगे एक स्वीफ्ट डिजायर कार से अंग्रेजी शराब की खेप के साथ तीन कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। कार से मैकडोवेल ब्रांड की 5.5 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

गिरफ्तार तस्करों में ब्रह्मपुर के ललनजी के डेरा गांव निवासी स्व. नगीना गोंड का पुत्र भोला कुमार तथा उत्तर प्रदेश के वाराणसी के यमुना प्रसाद के पुत्र करन गोंड तथा रामेश्वर गोंड के पुत्र मोहन गोंड शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार नैनीजोर थाने के एएसआई अरविंद कुमार दूबे कोईलवर तटबंध के त्रिमुहानी मोड़ के पास वाहन चेकिंग अभियान चला रहे थे। तभी यूपी के बेयासी की तरफ से एक स्वीफ्ट डिजायर कार आती दिखाई दी। उस पर आर्मी का लोगों लगा था। पुलिस ने जब उक्त कार को रोकने का इशारा किया तो उसमें सवार लोगों की घबराहट बढ़ गई। इसके बाद पुलिस ने जब आर्मी के लोगों के संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि इसमें से न तो कोई आर्मी है और न किसी के परिजन ही आर्मी के जवान है। पुलिस ने इसके बाद कार की तलाशी ली तो उसमें छिपाकर रखा गया मैकडोवेल ब्रांड का 5.5 लीटर अंग्रेजी शराब मिला। जिसके बाद पुलिस सभी को गिरफ्तार कर थाने लाई तथा उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। नैनीजोर थानाध्यक्ष मो. फिरोज आलम ने इसकी पुष्टि की है।

छात्र शक्ति के गंगा सफाई अभियान में शिरकत हुए केन्द्रीय मंत्री, बोले- गंगा की निर्मलता कायम रखना है लक्ष्य

मोक्षदायिनी ही नहीं अर्थदायिनी भी है गंगा: राजभूषण निषाद

- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने बक्सर जिले के सभी गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण का संकल्प दुहराया

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को छात्रशक्ति द्वारा आयोजित मां गंगा के संकल्पित अभियान हर रविवार, युवा पुकार, मां गंगा किनार के तहत गंगा सफाई अभियान के 510 वे रविवार कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय जलशक्ति मंत्री राजभूषण निषाद ने श्रमदान किया। श्रमदान के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मां गंगा की अविरल धारा तथा स्वच्छ किनारा लोगों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करता है। उन्होंने नारा देते हुए कहा कि निर्मल गंगा संकल्प हमारा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मां गंगा केवल मोक्षदायिनी ही नहीं बल्कि अर्थदायनी भी है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गंगा लाखों परिवारों के रोजी रोटी का जुगाड़ करती है। इस नदी की पवित्रता बनाए रखना हम सबका कर्तव्य है।

इस अवसर पर जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक व भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने बताया कि छात्रशक्ति हर रविवार रामरेखा घाट पर सफाई अभियान चलाती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से यह अभियान अनवरत जारी है। गंगा की निर्मलता के लिये 3 घंटे का श्रमदान युवाओं की टोली करती है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के 510 वे रविवार पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री राजभूषन निषाद ने श्रमदान कर पूरी टीम का उत्साहवर्द्धन किया है।

सौरभ तिवारी ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री को गंगा नदी में गिरने वाले ताड़का नाला व रामरेखा घाट की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। जिसपर उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से बात कर समाधान सुनिश्चित करने को कहा और बताया कि प्रधानमंत्री के हृदय में मां गंगा का विशेष स्थान है। गंगोत्री से गंगासागर तक सरकार की बहुआयामी योजनाएं सरकार द्वारा संचालित हो रही है। जिसका लाभ बक्सर समेत पूरे बिहार को मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि छात्रशक्ति व गंगा सफाई अभियान से जुड़े हर समाज के युवा बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि युवा विश्व की रफ्तार बदलने की कूवत रखता है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने का काम करेंगे। अंत में केन्द्रीय मंत्री ने गंगा स्नान कर रामेश्वर नाथ महादेव का पूजन किया।

कार्यक्रम में राहुल दुबे, रोहित मिश्रा, विकास राय, चन्दन ओझा, बलिराम केशरी, आशु राय, लाला बाबा, आकाशदीप, ओमप्रकाश सिंह, कौशल सिंह, पवन पाण्डेय समेत अन्य युवा उपस्थित रहे।

बक्सर के लिए स्वीकृत हुई हैं सिंचाई की दो बड़ी परियोजनाएं: केन्द्रीय मंत्री

♦ केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने बक्सर में आयोजित की प्रेस वार्ता

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण निषाद, एमएलसी जीवन कुमार तथा बक्सर के सांसद प्रत्याशी सह बिहार भाजपा के प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी ने प्रेस वार्ता आयोजित किया। प्रेस वार्ता जिला अतिथि गृह में आयोजित किया गया। जिसकी शुरूआत भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने संक्षिप्त

परिचय कराकर किया।

केन्द्रीय राज्यमंत्री राज भूषण ने बताया कि मिथिलेश तिवारी के अथक प्रयास से बक्सर के सिंचाई के लिए दो बड़ी परियोजनाएं स्वीकृत किया गया है, जिसमें एक बक्सर शाखा नहर एवं इससे निरूपित वितरण प्रणालियों का पुनर्स्थापना कार्य है जो दावत, सूर्यपुरा, सासाराम, नोखा, संझावली, राजापुर, दिनारा, नवानगर, इटाढ़ी एवं डुमरांव प्रखंड के किसानों को लाभ मिलेगा। दूसरी सिंचाई परियोजना डुमरांव शाखा नहर एवं इससे निरूपित वितरण प्रणालियों का पुनर्स्थापना कार्य है। इससे दावथ, नवानगर, केसठ, ब्रह्मपुर, डुमरांव, काराकाट, बिक्रमगंज, तरारी, नासरीगंज एवं सूर्यपुरा प्रखंड के किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन परियाजनाओं के पूर्ण होने के बाद बक्सर के किसानों की सिंचाई की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए मिथिलेश तिवारी ने कई बार उनसे आग्रह किया, जिसके बाद ये परियोजनाएं बक्सर के लिए स्वीकृत की गई है।

वहीं, रात में केन्द्रीय मंत्री ने बक्सर के प्रशासनिक पदाधिकारीयों के साथ बैठक कर जलशक्ति मंत्रालय के द्वारा कराए जा रहे हैं कार्यों की गहन समीक्षा की और कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बक्सर के गंगा घाटों का सौन्दर्यीकरण कराया जाएगा। उन्होंने ब्रह्मपुर के दियारा क्षेत्र में स्थित गोकुल जलाशय के विषय में भी आश्वासन दिया कि जल्द ही इसके लिए भी मंत्रालय द्वारा आदेश निर्गत कर योजना को पूर्ण कराया जाएगा। प्रेस वार्ता में उपस्थित एमएलसी जीवन कुमार ने भी बक्सर के विकास के लिए हर समय हर कार्य के लिए उपस्थित रहने की बात कही। उन्होंने ने कहा कि बक्सर के विकास के लिए योजनाओं का चयन किया जा रहा है। जबकि मिथिलेश तिवारी ने भी बक्सर के विकास के लिए अपने को वचनबद्ध बताया और कहा कि मैं भले ही सांसद तो नहीं बन पाया, लेकिन अपने आप को सड़क का सांसद घोषित किया हूं। बक्सर के विकास के लिए जिस किसी से भी मदद मांगनी पड़ेगी मांगूंगा। उन्होंने बक्सर के ताड़कानाला पर हो रहे अतिक्रमण के संबंध में कहा कि इस पर भी काम हो रहा है और यह योजना बक्सर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

एक नजर

डुमरांव नगर परिषद में कार्यरत सफाई कर्मियों ने बैठक कर प्रदर्शित की एकजुटता

डुमरांव। रविवार को डुमरांव नगर परिषद के जुड़े सफाई कर्मियों की एक बैठक आयोजित हुई। यह बैठक पुराने मांगों के समर्थन में आगामी आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए आहूत की गई थी। जिसमें सभी सफाईकर्मी शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार राज्य निकाय कर्मचारी महासंघ यूनियन के नेता शंकर तिवारी ने कहा कि सरकार सभी तरह के मजदूरों के अधिकारों की कटौती कर उन्हे पंगु बना देना चाहती है। हम उनके इस मंसूबे को अपनी एकता के जरिए ध्वस्त कर देंगे। यूनियन के ही नेता भगवान दास ने कहा कि पिछले दिनों समझौता के तहत एक माह का समय लिया गया है अगर इस पर नगर परिषद बोर्ड पहल नही करती है तो आगे आने वाले दिनों में हम सभी सफाई कर्मियों कोबिहार राज्य स्थानीयनिकाय कर्मचारी महासंघ के बैनर तले एक बड़े जनांदोलन के लिए तैयार रहना होगा। इस पर सभी सफाई कर्मियों ने एक स्वर से समर्थन किया। बैठक को को सर्वेश पांडेय ने संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी सफाई कर्मियों कि एकजुटता ही आपकी ताकत है। आप एकजुट रहेंगे तो कोई भी लड़ाई जीत सकते हैं। बैठक के दौरान एक पंद्रह सदस्यीय कमिटी बनाई गई। जिसमें शंकर तिवारी, श्रीभगवान पासवान, लाखो देवी, मीरा देवी, दीपक बासफोर, राजेश डोम, मिथलेश राम, सरोज राम, मुकेश राम, ओमप्रकाश राम, चंदन राम, मुन्ना राम, अजय पासवान, राजेश राम और पिंटू राम समेत कई अन्य शामिल रहे।

11 को मनाया जाएगा नगर देवी मां काली का वार्षिकोत्सव, तैयारी शुरू

डुमरांव। नगर देवी मां काली का वार्षिकोत्सव पूजन आगामी 11 अगस्त को बड़े ही धूमधाम के साथ मनेगा। वार्षिकोत्सव पूजन की तैयारी अंतिम दौर में हैं। इसके पूर्व पांच अगस्त से नगरवासी आस्था के महामंदिर में जल अर्पण की शुरूआत करेंगे। श्रद्धालुओं की भीड़ और आराधना को लेकर समिति के सदस्य पूरे दिन मंदिर परिसर में डटे रहते है। इस बार वार्षिकोत्सव पूजन ऐतिहासिक होगा। वार्षिकोत्सव पर पांच रंगों के फूलों से मां का

दरबार सजाया जायेगा। यह फूल कोलकाता और बनारस से मंगायी जायेगी। मां काली आश्रम पूजा समिति के सदस्य दो माह पूर्व से ही इसकी भव्यता को लेकर जुट जाते है। समिति ने बनारस, लखनऊ, कलकत्ता के फूल मंडियों के आढ़त से सजाने के लिए संपर्क साधा है। काली आश्रम पूजा समिति के अध्यक्ष भगवानजी वर्मा, संतोष गुप्ता, अशोक चंद्रवंशी, दिलीप कुमार, रोहित केशरी, सुजीत कुमार आदि ने बताया कि करीब दो सौ वर्ष पुराने इस मंदिर की महिमा गाथा डुमरांव अनुमंडल के सैकड़ो गांवों में इस कदर है कि नगर पंचित मां काली की वार्षिकोत्सव पूजन में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इस समारोह में जिलेभर के आलाधिकारियों की टीम मां के दरबार मे पहुंच कर चौखट पर माथा टेक अपने जीवन के मंगलकामना की मन्नत मांगते है।

खबरें फटाफट

जिला पार्षद ने सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

काराकाट। जिला पार्षद रितेश कुमार सिंह ने शनिवार की देर शाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र, गोड़ारी का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण में डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी ऑन ड्यूटी मिले। जिला पार्षद द्वारा निरीक्षण के क्रम में इमरजेंसी के हालात, सीएचसी के डॉक्टर, एएनएम व कर्मी ड्यूटी पर है या नहीं इसकी पड़ताल की गई। सभी प्रकार की दवा उपलब्ध है या नहीं उसकी भी जांच पड़ताल की गई। निरीक्षण के समय ड्यूटी पर मौजूद डॉ. खालिद अंसारी, एएनएम विजेता वर्मा, फूलमती कुमारी तथा स्वास्थ्यकर्मी व सुरक्षा गार्ड ऑन ड्यूटी पाये गये। बताया गया कि सीएचसी का निरीक्षण इसलिए किया गया कि सूचना मिल रही थी कि रात्रि में डॉक्टर व एएनएम ड्यूटी पर नहीं रहते है लेकिन औचक निरीक्षण में सभी ड्यूटी पर तैनात मिले। उन्होंने निरीक्षण की सूचना विभाग के वरीय अधिकारियों को दी।

तीन उपभोक्ताओं पर नीलामवाद दर्ज

बिक्रमगंज। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत सभी प्रशाखाओं में राजस्व वसूली को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बकायेदार उपभोक्ताओं के विरुद्ध विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। बकायेदार उपभोक्ता जो विद्युत विपत्र की राशि जमा नहीं किए हैं। उनपर नीलामवाद की कार्रवाई की गई है। बिक्रमगंज शहरी क्षेत्र के मोहम्मद हामिद पिता हाफिज मो. हासिम पर बकाया राशि 3 लाख 42 हजार 196, नंदन कुमार पिता विनोद कुमार वर्मा पर 6 लाख 22 हजार 411 एवं मो. महंगू खान पिता स्व. बदरु खान पर 73 हजार 950 रुपए बकाया राशि जमा नही करने के कारण बिहार और उड़ीसा लोक मांग वसूली अधिनियम 1914 के तहत नीलामपत्र पदाधिकारी के यहां नीलामवाद दायर कर दिया गया है।

श्रीरामनवमी शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे आरा

सनातन धर्म को अपनाने से होगा कलियुग का अंत: देवराहा शिवनाथ

♦ शिवनाथ दास जी महाराज बोले... एक दिन रामनवमी मनाने से हम रामभक्त नहीं कहा सकते

केटी न्यूज/आरा

श्रीरामनवमी शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमपूज्य त्रिकालदर्शी परमसिद्ध संत श्री देवराहा शिवनाथ दास जी महाराज के सान्निध्य में आज सम्भावना उच्च विद्यालय मंझौवा झांकी सदस्य सम्मान समारोह एवं प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। वहीं सम्मान समारोह के पूर्व रामभक्तों को संबोधित करते हुए त्रिकालदर्शी परमसिद्ध संत श्री देवराहा शिवनाथ दास जी महाराज ने कहा कि एक दिन रामनवमी मनाने से हमलोग रामभक्त नहीं कहा सकते। भगवान राम सबके है और सभी भगवान राम के। राम व्यापक ब्रह्म है। जब तक हमलोग राम को अपने हृदय में धारण नहीं करेंगे तब तक रामराज्य की

कल्पना करना केवल बेईमानी होगी। संतश्री ने आगे कहा कि कलियुग का अंत तभी होगा जब हमलोग पूर्णरूपेण सनातन धर्म को अपना लेंगे। वहीं रामलीला समिति की अध्यक्षा अर्चना सिंह ने कहा कि नित्य प्रति सभी को श्रीरामचरितमानस का अध्ययन करना चाहिए, जिससे कि हमलोगों को यह ज्ञान होगा कि हमारा रहन-सहन और खान-पान विशुद्ध होगा। आज लोग विदेशों में हमारे भारतीय संस्कृति को अपना रहे हैं और हम भारतीय पाश्चात्य संस्कृति को अपना कर अपने दुख को स्वतः निमंत्रित कर रहे हैं।

विदेशी लोग हमारे वस्त्रों को धारण कर अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं : रामलीला समिति की अध्यक्षा अर्चना सिंह ने आगे कहा कि हमारे देश में आज आधुनिक बनने के लिए लोग फटे हुए वस्त्र को धारण कर रहे हैं और विदेशी लोग हमारे वस्त्रों को धारण कर अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं। मैं अपने देश की सभी माता बहनों से अपील करते करती हूं कि अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को अपनाएं। वहीं समिति के महासचिव शंभू प्रसाद चौरसिया ने कहा कि इतिहास में पहली बार हमलोगों पूरे जिले के विभिन्न प्रखंडों में निकलने वाली श्रीरामनवमी शोभायात्रा के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष को श्रीरामनवमी शोभायात्रा समिति भोजपुर के द्वारा सम्मानित किया जा रहा है।यह पल हमलोगों के लिए ऐतिहासिक और यादगार होगा। वहीं श्रीरामनवमी के झांकी प्रमुख शंभू सिंह ने कहा कि कुछ कारणवश श्रीरामनवमी शोभायात्रा समिति शोभायात्रा में शामिल झांकियों को सम्मानित नहीं कर पाये थे। इसके लिए हमें खेद है।

वहीं इस दौरान संभावना स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर कुमार द्विजेंद्र जी, एसके सिंह, विश्व हिन्दू परिषद के दक्षिण बिहार के प्रांतीय अध्यक्ष रामबालक प्रसाद, श्रीरामनवमी शोभायात्रा समिति के महासचिव श्री शंभू प्रसाद चौरसिया, कोषाध्यक्ष गोकुल सिंह, वीरेंद्र सिंह, सुरक्षा प्रमुख राजेश्वर पासवान,राजेंद्र सिंह जी, नवीन सिंह, हर्ष राज मंगलम, बादल जालान, सचिव सुधीर कुमार, सन्नी पांडेय, हरिओमजी, अखंडानंद जी, मेजर राणा प्रताप सिंह, सहित समिति के सभी सदस्य मौजूद थे।

भोजपुर में बदमाशों ने सब्जी दुकानदार को मारी चाकू

आरा। जिले के अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अगिआंव बाजार गांव स्थित नहर पुल के समीप बदमाशों ने दुकान बंद कर वापस घर लौट रहे एक सब्जी दुकानदार को चाकू मार दी। जख्मी दुकानदार को छाती एवं पीठ पर चाकू मारी गई है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए पीरो रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी दुकानदार अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अगिआंव बाजार गांव निवासी रजुली साह का 22 वर्षीय पुत्र मनजीत साह है। वह पेशे से सब्जी दुकानदार है एवं अगिआंव बाजार स्थित हाई स्कूल के बगल में सब्जी का दुकान लगता है। इधर जख्मी दुकानदार के भाई गोरख साह ने बताया कि वह प्रतिदिन की भांति आज भी अपना सब्जी का दुकान बंद कर घर वापस लौट रहा था। लौटते क्रम में गांव में ही स्थित बीच रास्ते में नहर पुल के पास चार-पांच की संख्या में रहे बदमाशों ने उसे घेर लिया और उसके पास रहे पैसे को छिनने लगे। जब उसने इसका विरोध किया तो उनके द्वारा उसे चाकू मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए पीरो रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया।

बिक्रमगंज बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने गोपनीयता की ली शपथ

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को शपथ दिलाया गया। सब जज प्रथम सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम सह प्रभारी न्यायाधीश व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज सुजीत कुमार ने बार एसोसिएशन बिक्रमगंज के पदाधिकारियों और सदस्यों का शपथग्रहण कराया। गौरतलब हो कि बार एसोसिएशन बिक्रमगंज के पदाधिकारियों का निर्वाचन 26 जुलाई को निर्वाचन पदाधिकारी अधिवक्ता रामनरेश सिंह ने कराया था।

जिसमें निर्वाचित अध्यक्ष गोपाल कृष्ण भारद्वाज, उपाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह एवं दिनेश कुमार सिंह, महासचिव रविरंजन सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, अंकेक्षक कुमार ब्रजेश इत्यादि सभी पदाधिकारियों का व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज के प्रांगण में पद और गोपनीयता का शपथ दिलाया गया। शपथग्रहण के पश्चात वर्तमान अध्यक्ष गोपाल कृष्ण भारद्वाज ने पूर्व

अध्यक्ष केदारनाथ सिंह एवं उमेश प्रसाद मिश्रा को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर सब जज द्वितीय सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी द्वितीय राजीव कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लिए सभी अधिवक्ता समान हैं। हमारी कोशिश हमेशा यहीं रहती है कि आम लोगों को कैसे सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराया जा सके। हम हमेशा अधिवक्ताओं के सुख दुःख के सहभागी हैं और हमेशा रहेंगे। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी, कर्मी और काफी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे।

बक्सर पहुंचा पर्यावरण संरक्षण का कारवां, लगाए फलदार व छायादार पौधे

धनसोई से बक्सर तक पदयात्रा आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के धनसोई से बक्सर तक चल रहे पर्यावरण संरक्षण बचाओ पदयात्रा दूसरे बक्सर पहुंच गया। इससे पहले सुबह में इटाढ़ी से प्रारंभ हुए इस यात्रा के दूसरे चरण में पद यात्रियों ने संयुक्त रूप से फलदार एवं छायादार पौध का रोपण कर अभियान की शुरूआत की। बक्सर शहर में समाजसेवी उर्मिला सेवा संस्थान के संस्थापक मकरध्वज सिंह विद्रोही ने इन पर्यावरण के सेनानियों को सम्मानित करते हुए कहा कि बदलते मौसम एवं जलवायु परिवर्तन से पूरी दुनिया त्रस्त है। लोगों को जगाने के लिए पौधरोपण किया जा रहा है। पदयात्रा का कार्य काफी सराहनीय है। इनके अभियान में सभी को सहयोग करने की जरूरत है।

पदयात्रा में चल रही भारत ज्ञान विज्ञान समिति की सचिव अनीता यादव ने कहा कि जीवन के लिए हरियाली लाना जरूरी है। बढ़ते आबादी एवं घटते जंगल से जंगली

जानवर भी अब भूखे प्यासे बस्ती की ओर आ रहे हैं, यह हमारे लिए चुनौती है। अगर हम इसी तरह जंगल को साफ करें तो आने वाले कल में हमें जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए लड़ना पड़ेगा तथा सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की कमी हो जाएगी। जिसका संकेत हमें कोरोना काल ने दे दिया है। हमें उनके आश्रय स्थलों को बचाना होगा। पर्यावरण प्रहरी डॉ धर्मेंद्र ने कहा कि इस धरती को बचाने के लिए सरकार एवं अन्य संस्थाओं के तरफ से हर साल पृथ्वी दिवस, धरती दिवस व अन्य दिवस मनाया जा रहा है। फिर भी इसका परिणाम हमारे अनुकूल नहीं आ रहे हैं। जैव विविधता पर दिन प्रतिदिन खतरा बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान से दुनिया जूझ रही है। उन्होंने लोगों से सावन के महीना में धर्म के साथ प्रकृति धर्म का पालन करने के लिए प्रेरित किया। सत्यशोधक संस्थान के शिव प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि धरती का श्रृंगार ही हरियाली है। अगर हम इन आंखों से हरियाली को ना देखे तो मानव जीवन के लिए बेचैनी बढ़ जाती है। इसलिए हमें इस धरती को बचाने के लिए पौधरोपण करना होगा। पदयात्रा के समापन के पश्चात विचार गोष्ठी भी की गई, जिसकी अध्यक्षता पर्यावरण सुरक्षा के राज्य संयोजक विपिन कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि इस पदयात्रा के माध्यम से अबतक एक हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके है।

इस यात्रा में शिक्षक नेता डॉ सुरेंद्र सिंह, डॉ मनीष कुमार शशि, लोक कलाकार सुनील सरला, उर्मिला सेवा संस्थान के संजय कुमार, पत्रकार आलोक कुमार, सुरेंद्र प्रताप सिंह, निर्मल कुमार सिंह, सरोज कुमार सिंह, रामाकांत राम, शालीग्राम पाल, ऊषा मिश्रा, शिव कुमार प्रजापति, अखिलेश्वर प्रसाद सिंह, सरिता कुमारी, उर्मिला कुमारी, बृजेश सिंह, अनिल कुमार, टोडरमल प्रसाद, विजय लाल शर्मा, रमेश चंद्र, राजीव रंजन, राकेश रंजन पाठक, योगाचार्य अजय कुमार, बबन सिंह, नंदन सिंह, अमित दुबे, विकास कुमार, आनंद प्रकाश, ललन सिंह, विकास कुमार, झूलन सहित अन्य लोग शामिल रहे।

बलिया में खाकी के सामने खादी बेदम! श्रद्धांजलि देकर निकल जा रहे राजनेता

♦ श्रद्धांजलि देने वालों में डिप्टी सीएम सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई कद्दावर नेता

तिलक कुमार/बलिया

जनपद में खाकी के सामने खादी एकदम से बेदम हो गई है। खादी का काम अब सिर्फ मूर्तियों और फोटो पर फूल चढ़ाना रह गया है। ये खादी सिर्फ आश्वासन देते हैं, सांत्वना देते हैं और फिर सरकारी गाड़ी में बैठकर चल देते हैं। ताजा उदाहरण बांसडीह कोतवाली गेट के सामने रोहित पांडेय की नृशंस हत्या के मामले में देख लीजिए। क्या पक्ष क्या विपक्ष सभी खादी पहुंचे, लेकिन किसकी मजाल है जो बांसडीह कोतवाल संजय सिंह के खिलाफ कार्रवाई करवा दें। ऐसे में यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि बलिया में खाकी के सामने खादी बेदम हो गई है। वह भी एक जमाना था जब ऐसी घटनाओं पर सीधे तौर पर गाज जिले के एसपी और डीएम के उपर गिरती थी। लेकिन अब बीते जमाने की बात हो गई है। आज तो कोतवाली के सामने पुलिस की मौजूदगी में दिनदहाड़े खींचकर युवक की धारदार हथियार से हत्या की जाती है और घटना के 15 दिन बीत जाने के बाद भी कोतवाल अपनी कुर्सी पर पर बने हुए हैं। जबकि इसे लेकर बीते दिनों सांत्वना देने आए प्रभारी मंत्री दयाशकर मिश्र दयालु के इशारा भी किया था। बावजूद कोतवाल का अपनी कुर्सी पर बने रहना खादी पर खाकी के हावी होने को दशार्ता है। आम लोगों में चर्चा भी होने लगी कि ये खादी बस आते हैं अपना लाव लश्कर लेकर, बड़ी-बड़ी डींग हांकते हैं। फिर चल देते हैं। इनके बस का कुछ नहीं रह गया है।

फ्लैशबैक : रोहित पांडेय हत्याकांड

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते 20 जुलाई की सुबह बांसडीह कोतवाली गेट के ठीक सामने दिनदहाड़े रोहित पांडेय की धारदार हथियार से निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई थी। इस दौरान बचाने आए एक दोस्त को भी हौसलाबुलंद बदमाशों ने नहीं बख्शा और घायल कर दिया। मामले में अब तक कई आरोपी की गिरफ्तारी होने के साथ मुख्य आरोपी कोर्ट में आत्मसमर्पण कर चुका है। जबकि मामले में नामजद एक आरोपी के उपर इनाम घोषित न होना, गिरफ्तारी न होना मामले में पुलिस की भूमिका को संदिग्ध कर दिया है।

इन खादी वालों का अब तक हो चुका आगमन

भाजपा से क्षेत्रीय विधायक केतकी सिंह रोज पहुंच रही है। जबकि इनके अलावा भाजपा के कद्दावरों में प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक। कांग्रेस से पूर्व विधायक जगदीश राय के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल। सपा से चेयरमैन नीरज सिंह गुड्डू मौके पर पहुंचकर सांत्वना दिए हैं। जबकि सांसद सनातन पांडेय फोन से हालचाल लेकर पीड़ित को हर संभव मदद करने का भरोसा दिया है।

एक नजर

वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर आमने-सामने हुई टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल

गाजीपुर। रविवार की दोपहर आमने-सामने हुए सड़क दुघर्टना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वाराणसी - गोरखपुर फोरलेन पर गलत लेन से आ रही बोलेरो मारी कार में जोरदार टक्कर। वाहनों के उड़ गए परखच्चे। थाना क्षेत्र के हैदरगंज गांव के सामने गाजीपुर की तरफ से गोरखपुर जा रही कार को सामने से मऊ की तरफ से गाजीपुर की ओर गलत लेन से आ रही बोलेरो के चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे कार चालक सतीश मिश्रा 45 वर्ष के गोरखपुर एवं बोलेरो चालक राजेश कुमार (40) वर्ष निवासी कोड़री थाना मरदह गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरदह लाया गया, जहां से स्थिति गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। दुर्घटना के समय दोनों वाहनों में सिर्फ अकेले चालक ही सवार थे। हादसे में वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मटेहु चौकी की पुलिस द्वारा रोड से हटवाकर आवागमन प्रारंभ कराया गया।

विद्युत विभाग के वर्कशॉप का जेई सस्पेंड

बलिया। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी के प्रबंध निदेशक शम्भू कुमार ने बलिया वर्कशॉप का निरीक्षण किया। ट्रांसफार्मर रिपेयर मे लापरवाही पर एक जेई को सस्पेंड कर दिया। बता दें की जिले में जले ट्रांसफार्मर को बदलने में काफी लापरवाही बरती जा रही थी। इसकी शिकायत पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी तक पहुंची थी। एमडी ने वर्कशॉप के निरीक्षण के दौरान जेई की लापरवाही मान कार्रवाई की।

नदी में बहती मिली अधेड़ की लाश

मऊ । जनपद के कोपागंज थाना क्षेत्र के शहरोज गांव के पास तमसा / छोटी सरयू नदी में शनिवार की शाम एक अज्ञात व्यक्ति का बहता हुआ शव देखने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगो ने पुलिस को सूचना दी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसके पहचान में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक शनिवार की शाम नदी से बहता हुआ करीब 40वर्षीय व्यक्ति का शव जब ग्रामीणों ने देखा तो हो हल्ला मचाने लगे। देखते ही देखते वहां सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसी बीच शव मिलने की सुचना किसी ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह घटनास्थल पर पहुंच गये। और नदी में से किसी तरह शव को बाहर निकलवाया। शव काफी दिनों के होने के साथ दुर्गन्ध आ रहा था। वह लाल टी शर्ट पहने हुआ था। हालांकि कि पुलिस ने शव को पहचानने की काफी कोशिश की लेकिन पहचान नहीं हो पाई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई।

जिला स्तरीय ट्रायल का आयोजन 09 अगस्त को

मऊ । जिला कीड़ा अधिकारी डी0पी0 सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा राज्य कर्मचारियों के कल्याणार्थ उनके खेल के विकास तथा शारीरिक सम्बर्धन की ओर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में खेल निदेशालय, उ0प्र लखनऊ द्वारा वर्ष 2024-25 में राज्य कर्मचारियों के लिये निर्धारित खेलों में आयोजित होने वाली जिला / मण्डल / प्रदेश स्तरीय चयन/ट्रायल्स का आयोजन डॉ0 भीम राव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम , मऊ किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत जिला खेल कार्यालय, मऊ द्वारा टेनिस, वालीबाल, तैराकी, बास्केटबाल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एण्ड वेस्ट फिजिक, एथेलेटिक्स,फूटबाल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती पावरलिफ्टिंग, हांकी, क्रिकेट खेलों के जिला स्तरीय ट्रायल का आयोजन दिनांक 09 अगस्त, 2024 को स्पोर्ट्स स्टेडियम, मऊ में प्रातः 10:00 बजे किया जायेगा। उक्त चयन/दायल्स में आटोनांमस बाडी, जैसे परिषद / बोर्ड / नगर निगम / पंचायत / पुलिस विभाग के कर्मचारी/ अध्यापक-सहायक अध्यापक आदि को छोड़कर अन्य सभी राज्य कर्मचारी भाग ले सकते है। सिविल सर्विसेज के चयन/ट्रायल्स में पूर्णरूप से सरकारी कर्मचारी ही भाग लेंगे। उन्होंने ने बताया यह भी बताया कि सरकारी विभागों के कार्यालयाध्यक्षों से अपेक्षा है कि इसका विशेष ध्यान देते हुए ही उपरोक्त चयन / ट्रायल्स में भाग लेने हेतु इच्छुक अपने सम्बन्धित अधिकारियों / कर्मचारियों को कार्यमुक्त करते हुए उपरोक्त चयन / ट्रायल्स में भाग लेने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें। सिविल सर्विसेज चयन / ट्रायल्स में भाग लेने वाले सरकारी अधिकारियों/ कर्मचारियों को अपने विभाग द्वारा जारी किये गये कार्यमुक्त सम्बन्धी प्रमाण पत्र चयन / ट्रायल्स में भाग लेने से पूर्व अवश्य प्रस्तुत करना होगा।

खबरें फटाफट

विद्युत करेंट की जद में आने से बालक झुलसा

गाजीपुर। विद्युत करेंट की जद में आने से एक बालक गंभीर रूप से झुलस गया। इस बीच ग्रामीणों की सक्रियता से किसी तरह जान बच पाई। थाने के? गोविंदपुर कीरत मठिया राजभर बस्ती निवासी गुड्डू राजभर का 12 वर्षीय पुत्र प्रिंस राजभर रविवार की सुबह सो कर जगने के बाद घर से सिवान की तरफ शौच करने जा रहा था कि इसी दौरान बगल के विद्युत पोल से गुजर रहे 440 वोल्ट के दौड़ते हुए बिजली का तार शार्ट-सर्किट से टूट कर अचानक गिर पड़ा। जबतक वह कुछ समझ पाता की उसके हाथ से बिजली का तार सट गया। अगल-बगल के लोगों की जैसे ही उस पर नजर पड़ी वह लाठी- डंडे से तार पर पीटकर बालक को मुक्त कराया। झुलसे बालक को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां इलाज चल रहा है। इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश प्रसाद ने बताया कि बिजली करेंट से झुलसे बालक खतरे से बाहर हैं।

नि:शुल्क खाद्यान्न का वितरण 07 से 21 तक

मऊ । जिला पूर्ति अधिकारी विकास गौतम ने बताया कि जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत माह अगस्त 2024 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का नि:शुल्क वितरण माह अगस्त, 2024 में दिनांक 07 अगस्त 2024 से 21 अगस्त 2024 के मध्य कराया जाएगा।
उन्होंने बताया कि संबंधित उचित दर विकेतागण अपने-अपने दुकान के उक्त आशय की सूचना, सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेंगे। जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थी उक्त दिवस पर अपने उचित दर विक्रेता के यहां से उपरोक्तानुसार आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकते हैं।

बांसडीह हत्याकांड: पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे बृजेश पाठक व अन्य नेता

आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई होगी, सरकार पीड़ित परिवार के साथ है : डिप्टी सीएम

♦ मृतक के पिता दीपनारायण पाण्डेय उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से लिपटकर रोने लगे और हत्या का मामला बताया

केटी न्यूज/बांसडीह

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक रविवार को बांसडीह कोतवाली गेट के सामने हुए नृशंस हत्याकांड में मृत रोहित पाण्डेय के घर पहुंचे। यहां उप मुख्यमंत्री ने मृतक के फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना प्रकट किया। इस दौरान मृतक के पिता दीपनारायण पाण्डेय उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से लिपटकर रोने लगे। रो-रोकर अपने इकलौते पुत्र की हत्या का मामला उपमुख्यमंत्री को बताया। कहा कि इस घटना के बाद डर से कोई वकील हमारा केस भी लड़ने को तैयार नहीं है, हमें न्याय कैसे मिलेगा। इस पर उप मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि आप को न्याय जरूर मिलेगा। फोन से ही कई वकीलों से बात कर पीड़ित परिवार का केस लेने का अनुरोध किया। कहा कि हत्याकांड के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई होगी, सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। मौके पर उपमुख्यमंत्री के साथ मौजूद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपए के आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ है।

ग्राम प्रधान पर चाकू से जानलेवा हमला, गंभीर

केटी न्यूज/बलिया । बैरिया थाना क्षेत्र के चिरैचा मोड़ व मखदुमपुर मार्ग पर शनिवार की देर शाम हथियारबंद बदमाशों ने जगदेवा ग्राम पंचायत के प्रधान सतेंद्र यादव उर्फ सतन यादव पर चाकू से जानलेवा हमला कर लहुलुहान कर दिया। आसपास के लोगों ने घायल प्रधान को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सक ने वाराणसी रेफर कर दिया। भाई ने गांव के ही कुछ लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दिया। जिसके बाद पुलिस छानबीन में जुट गई। बता दें कि बैरिया थाना क्षेत्र के मिश्र गिरि के मठिया (पांडेयपुर) निवासी जगदेवा ग्राम प्रधान सतेंद्र यादव उर्फ सतन यादव शनिवार की शाम अपने रिश्तेदार विद्या यादव निवासी मधुबनी थाना बैरिया के घर से मिलकर उनके लड़के करन यादव के साथ अपने गांव आ रहे थे। कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर चाकू से जान से मारने की नियत से हमला कर लहूलुहान कर दिया।

हत्यारों को संरक्षण देना सपा का पुराना काम

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि रोहित पांडेय की दुखद हत्या से हम सभी दुखी है। हम विश्वास दिलाते हैं कि इस मामले में न्याय मिलेगा। श्री पाठक ने समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बाद जिस तरह से समाजवादी पार्टी के आशीर्वाद से गुंडे और असामाजिक तत्व पनपे हैं और भोली भाली जनता पर कहर बरपा रहे है, समाजवादी पार्टी को उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। बलिया हो या अयोध्या हो, घटनाओं ने मन को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है। समाजवादी पार्टी जब-जब पावर में रही है, तब तब अराजकता और गुंडई हुई है। हमारी सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। समाजवादी पार्टी के डीएनए में गुंडई है। अराजकता है। हत्यारों और बलात्कारियों का संरक्षण देना समाजवादी पार्टी का पुराना काम रहा है। अखिलेश यादव हो या समाजवादी पार्टी का कोई नेता सभी अपराधियों के समर्थन में रहते हैं। उन्हीं के बल पर सरकार बनाने का असफल प्रयास करते हैं। इसलिए कभी सफल नहीं हो पाते हैं। कहा कि प्रदेश में जो भी पीड़ित है, उसके साथ सरकार खड़ी है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हमारी सरकार सुनिश्चित करेगी।

एसपी के आश्वासन के बाद धरना हुआ समाप्त

♦ 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी व कार्रवाई नहीं होने पर भीम सेना ने आंदोलन की दी चेतावनी

केटी न्यूज / बलिया

सिकंदरपुर थाने में करीब साढ़े चार घण्टे बाद अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अनिल कुमार झा द्वारा कार्रवाई के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। एसपी ने कहा कि 24 घंटे के अंदर जो भी आरोपी होगा वह गिरफ्तार होगा और दोषियों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उधर भीम सेना के नेताओं ने चेताया कि अगर 24 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो हम कार्यकर्ता सिकंदरपुर चौराहे पर धरना दर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। बता दे कि शनिवार की शाम सिकंदरपुर थाना के खरीद दरौली घाघरा नदी के किनारे एक माह से लापता नवीन राम का कंकाल, आधार कार्ड, कपड़ा व चप्पल जैसे ही मिला वैसे ही सैकड़ों की संख्या में भाटी गांव के महिला व पुरुष के साथ ही भीम आर्मी के नेता, बसपा के नेता थानाध्यक्ष सिकंदरपुर, हल्का दारोगा व सिपाही के ऊपर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी व निलंबित करने की मांग को लेकर करीब साढ़े चार घंटे तक प्रदर्शन किया। अंततः अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अनिल कुमार झा द्वारा गिरफ्तारी व कार्रवाई के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया।

सर्वेश सिंह सहर ने काव्य संग्रह, ख्वाबों का दरीचा जिलाधिकारी को किया सप्रेम भेंट

केटी न्यूज / मऊ

रतनपुरा प्रखंड के भुड़सुरी ग्राम पंचायत के निवासी एवं जूनियर हाई स्कूल भुड़सुरी के प्रधानाध्यापक सर्वेश सिंह ने अपनी कविताओं का संग्रह 'ख्वाबों का दरीचा' जिलाधिकारी प्रवीण मिश्रा को सप्रेम भेंट किया। ख्वाबों का दरीचा मतलब सपनों की खिड़की। सर्वेश सिंह सहर युवा कॉल में ही अपनी रचना को मूर्त रूप देना शुरू किया। जिसमें उनकी जिंदगी के कुछ खास मुकाम उनकी रचनाओं से प्रस्फुटित हो रहे हैं। जो पढ़ने लायक है। किसी भी रचनाकार को उसकी रचना पर जब संदेशे मिलते हैं, टिप्पणियां मिलती हैं, तो उसे अपनी रचना का महत्व समझ में आता है। उन्होंने अपनी काव्य संग्रह को मुंबई से प्रकाशित कराया है।

बलिया वसूली कांड के आरोपियों से हुई पूछताछ

♦ सीएचसी नरही में सभी का कराया मेडिकल, फिर पुलिस ले गई वाराणसी

♦ वाराणसी से 55 घंटे की रिमांड पर बलिया आए थे आरोपी

केटी न्यूज / बलिया

जिले की चर्चित अवैध वसूली कांड में गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों से पुलिस टीम ने पूछताछ की और शनिवार को सीएचसी नरहीं पर मेडिकल कराया गया। इसके बाद पुलिस अस्पताल से सीधे लक्ष्मणपुर, भरौली, भांवरकोल, गाजीपुर होते हुए वाराणसी के लिए निकल गई। भरौली से गुजरते समय आरोपियों ने वाहन से हाथ हिला टाटा बाय बाय करते निकले। बता दें की 24 जुलाई की रात एडीजी वाराणसी पीयूष मोर्डिया व आजमगढ़ डीआईजी वैभव कृष्ण की संयुक्त छापेमारी में मौके से 16 दलाल एवं दो पुलिसकर्मी पकड़े गए थे। इसके बाद अवैध वसूली नेटवर्क का खुलासा करने के लिए एसओजी टीम गठित कर अवैध वसूली, गोवध तस्करों, शराब तस्करों अवैध खनन करने वालों की खोजबीन शुरू की गई। जिसमें टीम ने कुछ जगहों पर दबिश भी दिया। इस बीच थाना के फरार एसओ पन्नेलाल एवं हेड कांस्टेबल विष्णु यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। फिर टीम ने सभी आरोपियों को वाराणसी से 55 घंटे की रिमांड पर लिया। जिससे संगठित गिरोह बनाकर कर वसूली करने वालों के तह तक पहुंचा जा सके। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की, लेकिन इस बाबत जानकारी बाहर नहीं आई है। शनिवार को सीएचसी नरही में मेडिकल कराने के बाद टीम सीधे वाराणसी के लिए निकल गई। बता दे कि बज्र वाहन में 19 आरोपी और निलंबित एसओ पन्नेलाल को पुलिस की दूसरी गाड़ी में ले जाया गया। भरौली चौराहा से वाहनों के गुजरते समय सभी आरोपी हाथ हिला टाटा बाय-बाय करते नजर आए।

मुख्यमंत्री ने कुशीनगर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, दिया भरोसा

आपदा में आपकी सुरक्षा और सहायता के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सीएम योगी

- छितौनी-भैंसहा तटबंध का सीएम ने किया निरीक्षण
- नारायणी और गंडक की बाढ़ से बचाव के लिए सरकार ने खर्च किये हैं 600 करोड़ रुपए

केटी न्यूज / कुशीनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिले में नारायणी और गंडक नदी के बाढ़ से बचाव के लिए बीते सात साल में बड़े स्तर पर प्रयास किये गये हैं। करीब 600 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च करते हुए बाढ़ से बचाव के विभिन्न प्रबंध करने का ही परिणाम है कि 83 गांव की 1,16,000 की आबादी और 20 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि सुरक्षित हुई है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि वह नारायणी नदी पर पक्का पुल बनाने के लिए सर्वे का काम जल्द से जल्द शुरू करें। उन्होंने कहा कि नारायणी के उस पार करीब 20 हजार की आबादी को इस पुल से बहुत फायदा मिलेगा, ऐसे में बाढ़ का पानी उतरते ही नदी पर कहां पुल बनाया जाना है, इसका सर्वे कराकर रिपोर्ट शासन को भेजी जाए। उन्होंने कहा कि आपदा में सरकार 24 घंटे अपने नागरिकों की सहायता और सुरक्षा के लिए खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सभा तुर्कहा में बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की और राहत सामग्री का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले भैंसहां-छितौनी तटबंध का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और विद्यार्थियों में टैबलेट वितरित किया। साथ ही बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया। साथ ही टॉफी देकर उनको दुलार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 7 साल में समय पर बाढ़ से बचाव के उपाय करने का परिणाम है कि बड़े पैमाने पर जनधन की हानि को रोकने में मदद मिली है। अकेले कुशीनगर में करीब 3 लाख की आबादी को बाढ़ से बचाने में भी मदद मिली। इसी का परिणाम हे कि न केवल हम यहां सुरक्षित और निश्चिंत हैं, बल्कि प्रदेश के अन्य जनपदों में भी बाढ़ से बचाव को लेकर कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर हिमालय की तलहटी में होने के कारण यहां नदी का करंट यहां बहुत तेज होता है, फिर भी यहां काफी राहत है। सात साल पहले छितौनी तटबंध पर जो लोग काम करते थे उनकी निर्मम हत्या होती थी। इस क्षेत्र में माफिया हावी थे, सूर्य अस्त के बाद लोग आना जाना बंद कर देते थे। आज आतंक, अराजकता और गुंडागर्दी का अंत हो गया है।

सीएम योगी ने कहा कि महात्मा बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली के रूप में पूरी दुनिया इसे शांति की भूमि के रूप में देखती है। इसे दुनिया की आस्था का केंद्र बनाने के लिए सरकार की ओर से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। कभी यहां के बच्चे इन्सेफेलाइटिस से प्रभावित होते थे। आज इस बीमारी को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। कुशीनगर में आज मेडिकल कॉलेज बन रहा है। कृषि की आधुनिक तकनीक यहां के लोगों को मिल सके, इसके लिए नया कृषि विश्वविद्यालय कुशीनगर को उपलब्ध कराया गया है। यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण भी कर दिया गया है। कुशीनगर की सड़कों पहले ऐसी थीं कि पता ही नहीं लगता था कि सड़क है या गड्ढा।

बताया गया है कि नारायणी नदी पर पक्का पुल बनना चाहिए। यहां 15-20 हजार की आबादी रहती है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को निर्देशित करते हुए कहा कि पीएम गति-शक्ति के माध्यम से पुल का सही लोकेशन देखा जाए, जिससे लोगों को फायदा हो। बरसात समाप्त होने के बाद सर्वे का कार्य शुरू कर दिया जाए। सीएम योगी ने कहा कि छितौनी-भैंसहां तटबंध के पिच के कार्य को भी तेज गति से आगे बढ़ाया जाए, जिससे आवागमन में आराम हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके सुख में आपके साथ सुखी होना चाहती है, मगर आपको कभी दुःख न उठाना पड़े, सरकार इसके लिए समय से उपाय करती है, फिर भी आपदा आती है तो सरकार आपकी मदद के लिए प्रभावी कदम उठाती है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सांसद विजय कुमार दुबे, विधायकगण विवेकानंद पांडेय, विनय गौड़, मनीष जायसवाल, मोहन वर्मा, सुरेन्द्र कुशवाहा, असीम राय, जिला पंचायत अध्यक्ष सावित्री जायसवाल, बिजेपी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, राजेश्वर सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

विद्युत आपूर्ति न होने से गुस्साये नगरवासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष का फूंका पुतला

जौनपुर। नगर पंचायत कजगांव में विद्युत आपूर्ति न होने को लेकर गुस्साये नगर वासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष का पुतला दहन फूंका और कहा कि नगर पंचायत में जब तक कुद्दुपुर फिटर से विद्युत आपूर्ति होती थी, तो लोगों को बराबर विद्युत मिलता रहा लेकिन जब से नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा नगर पंचायत के विद्युत का शहरी विद्युतीकरण कराया गया है, तब से नगर पंचायत के लोग विद्युत आपूर्ति ठीक ढ़ग से न होने के कारण विद्युत के लिये परेशान नजर आ रहे हैं। नगर पंचायत वासियों ने बताया कि 24 घंटे से अधिक का समय बीत गया है लेकिन अभी तक विद्युत नहीं आयी है। इसी बात को लेकर गुस्साये नगरवासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष का पुतला फुका इस दौरान राहूल सिंह,अनवर,गोलू सिंह,राजकुमार शर्मा,दिलीप गुप्ता,गुड्डू मौर्या,पप्पू गौतम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मुकेश साहनी के पिता की श्रद्धांजलि सभा अयोजित

जौनपुर। प्रेमा देवी निषाद साइकिल स्टैंड दीवानी न्यायालय गेट के सामने पूर्व मत्स्य मंत्री बिहार मुकेश साहनी के पिता स्वर्गीय जीतन सहनी की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें लोग उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सत्य प्रकाश नागर ने कहा कि जब इस देश मे हाई प्रोफाइल व्यक्ति सुरक्षित नहीं है तो आम जनता की सुरक्षा कैसे होगी। श्रद्धांजलि सभा में नंदलाल निषाद, श्रीमती प्रेमा देवी निषाद शोभनाथ निषाद जिला उपाध्यक्ष विकासशील इंसान पार्टी ,मनोज कुमार नागर, संदीप कुमार निषाद, सुरेंद्र निषाद आदि शामिल थे।

चोरी की बिजली जला रहे चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

केटी न्यूज / चंदौली

बिजली चोरी को लेकर बिजली विभाग काफी सख्त हो गया है। शनिवार को क्षेत्रीय अवर अभियंता और विद्युत निगम की विजिलेंस टीम ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के कनेक्शन की जांच की। इस दौरान टीम ने चार स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। इसके बाद टीम ने एक स्थान पर कनेक्शन के गलत तरीके से इस्तेमाल का मामला पकड़ा। बाद में टीम ने चार लोगों के विरूद्ध बिजली चोरी का मुकदमा पंजीकृत किया। वहीं एक अनियमितता में जुमार्नें की कार्रवाई की। क्षेत्रीय अवर अभियंता आरके निषाद ने विजिलेंस की टीम के साथ सहजौर रोड, काली महाल, कसाब महाल, लाठ नंबर दो आदि क्षेत्रों में व्यापक बिजली चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने लोगों के घरों में बिजली कनेक्शन की जांच की। टीम ने क्षेत्र में चार स्थानों पर बिजली चोरी का मामला पकड़ा। वहीं टीम ने एक स्थान पर घरेलू कनेक्शन के व्यवसायिक उपयोग का मामला पकड़ा। इसके बाद उस पर जुमार्नें की कार्रवाई की। जेई आरके निषाद ने बताया कि जांच के दौरान पकड़ी गई बिजली चोरी के मामले में चार लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

मारपीट कर दंपति को किया घायल

चंदौली। बबुरी थाना क्षेत्र के चुरमुली गांव में रविवार को पुराने विवाद में कुछ लोगों ने दंपति को मार पीट कर घायल कर दिया।इस मारपीट में दोनों गंभीर रूप घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलावस्था में दोनों को उपचार के लिए पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बताते हैं कि चुरमुली गांव निवासी रामविलास साहनी 60 वर्ष अपनी पत्नी पूनम देवी 55 वर्ष को लेकर खेत पर काम करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पहले से योजना बनाएं कुछ लोगों ने दंपति के ऊपर लाठी-डंडे से लैस होकर हमला कर दिया। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

सुभाषितम्

सही राह पर होने के बाद भी यदि आप वहां बैठे ही रहोगे तो कोई गाड़ी आपको कुचलकर चली जायेगी। -विल रोजर्स

पाक के नापाक इरादे

बीती 26 जुलाई को देश ने कारगिल विजय दिवस मनाया। जाहिर है, इस मौके पर उन शूरवीरों को देश ने भारी मन से और कृतज्ञता के भाव से याद किया, जिन्होंने देश के लिए अपनी जानों का नजराना दिया था। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर बीते शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लद्दाख में 1999 की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। वे कारगिल वॉर मेमोरियल भी गए। करीब 20 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री जी ने कहा- पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर के जरिए चर्चा में बना रहना चाहता है। उन्होंने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। अतीत में आतंकवाद को लेकर उनके हर प्रयास विफल रहे। मैं जहां खड़ा हूं, वहां से आतंक के आकाओं तक मेरी आवाज पहुंच ही रही होगी। उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्द परमाणु युद्ध के खतरे के साये में लड़ा गया था। अब यह स्थापित हो चुका है कि जनरल परवेज मुशर्रफ की अगुवाई में पाकिस्तानी सेना ने भारत को युद्ध में धकेला था। उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के कारगिल क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर चुपके से कब्जा भी कर लिया था, जबकि दोनों देशों के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व शांति स्थापना के प्रयासों में जुटे थे। इसमें फरवरी 1999 में लाहौर घोषणा पर हस्ताक्षर भी शामिल था। तमाम जटिल बाधाओं के बावजूद, भारतीय सेना और वायु सेना ने एक ऐसा अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों के वेश में पाकिस्तानी नियमित सैनिकों को खदेड़ दिया गया। भारतीय सैनिकों ने बलपूर्वक अपनी एक-एक इंच जमीन को भी वापस लिया। जबकि, वायु सेना ने दुश्मन की लॉजिस्टिक सुविधाओं और पहाड़ी किलों को निशाना बनाया। कारगिल में बुरी तरह मार खाने के बाद भी पाकिस्तान सुधरा नहीं। पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कारगिल से मिले सबक का इस्तेमाल अन्य अपरंपरागत अभियानों को अंजाम देने के लिए किया, जिसमें 2008 के मुंबई हमले, 2016 में पठानकोट और उरी में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला भी शामिल हैं। इन हमलों में पाकिस्तान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों की भूमिका साफ नजर आ रही थी। कारगिल और उसके बाद के घटनाक्रमों से साफ था कि पाकिस्तानी सेना ही अपने राजनेताओं द्वारा किये जा रहे शांति के प्रयासों को विफल कर रही है। कारगिल युद्ध के बाद ही परवेज मुशर्रफ राजधानी दिल्ली आए। वे पाकिस्तान की संभवतः पहली बड़ी शख्सियत थे, जो महात्मा गांधी की समाधि राजघाट में पहुंचे थे। यह 17 जुलाई, 2001 की बात है। वे जब भारत आए तब उन्हें सारा भारत कारगिल की जंग की इबारत लिखने वाला ही मानता था। जाहिर है कि इसी कारण उनसे देश नाराज था। बेशक, मुशर्रफ ने अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं को परवान चढ़ाने के लिए कारगिल का युद्ध छेड़ा था। उस समय वह पाकिस्तान आर्मी के चीफ थे। अपनी आत्मकथा 'इन द लाइन ऑफ फायर' में उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तानी सेना कारगिल युद्ध में शामिल थी। हालांकि, इससे पहले पाकिस्तान इस तथ्य को छिपाताऔर झुठलाता ही रहा था। दिल्ली में 1943 में जन्में मुशर्रफ ने हार की शर्मिंदगी से बचने के लिए पूरी जिम्मेदारी तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर डाल दी थी। चूंकि दिल्ली उनका जन्म स्थान था, इसलिए उनकी उस पहली भारत यात्रा को लेकर जिज्ञ-ासा का भाव भी था। वे जब इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर उतरे तो राजधानी दिल्ली में झमाझम बारिश हो रही थी। उनका राजधानी में पहला अहम कार्यक्रम राजघाट में जाकर महात्मा गांधी को श्रद्लांजलि देना था। वे जब राजघाट पहुंचे तब भी बारिश ने उनका पीछा नहीं छोड़ा था। खबरि?ा चैनलों से दिखाई जाने वाली तस्वीरों से साफ लग रहा था कि वे राजघाट में बेहद तनाव में थे। उन्होंने वहां पर विजिटर्स बुक में लिखा- ह्लमहात्मा गांधी जीवनभर शांति के लिए कोशिशें करते रहे ह्व कुछ ग्राफोलोजिस्ट (हैंड राइटिंग के विशेषज्ञों) ने परवेज मुर्शरफ की हैंड राइटिंग का अध्ययन करने के बाद दावा किया था कि मुशर्रफ के राजघाट पर विजिटर्स बुक पर लिखते वक्त हाथ कांप रहे थे और वे तनाव में थे।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है। मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

महुआ मोइत्रा के साहस की जितनी तारीफ की जाए कम है

-सनत जैन

गौतम अडानी अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती कर रहे हैं निशिकांत दुबे की व्यक्तिगत लड़ाई में अडानी की सोने की लंका दांव पर महुआ मोइत्रा के चरित्र हनन की इस लड़ाई का अंजाम अडानी और भाजपा को भारी नुकसान इन दिनों सोशल मीडिया पर महुआ मोइत्रा के बहुत सारे चित्र और वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिसमें महुआ को चरित्रहीन बताया जा रहा है। सोशल मीडिया की ट्रोल आर्मी के माध्यम से महुआ मोइत्रा को चुप करने की जो कोशिश की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी और अडानी समूह की यह सबसे बड़ी गलती साबित होगी। महाभारत के युद्ध में जिस तरह से द्रोपती का चीर हरण किया गया था। ठीक उसी तरह का चीरहरण महुआ मोइत्रा का करने की कोशिश की जा रही है। इसका नुकसान महुआ मोईत्रा को जो भी होगा, वह व्यक्तिगत चारित्रिक स्तर पर हो सकता है। लेकिन इसका सबसे बड़ा नुकसान अदानी समूह और भाजपा को होने जा रहा है। अदानी ने पिछले एक दशक में जो सफलताएं प्राप्त की हैं। वह इस लड़ाई में दांव पर लगती हुई नजर आ रही हैं। जिस तरह से सीता मॉ के अपहरण के कारण रावण का अंत हुआ। द्रोपती के कारण दुर्योधन और कौरव वंश का अंत हुआ। अब महुआ मोइत्रा के कारण अदानी समूह भी उसी रास्ते पर जाता हुआ दिख रहा है। महुआ मोइत्रा का जन्म पश्चिम बंगाल में हुआ। उनकी उच्च शिक्षा अमेरिका के सबसे टॉप होलीओक गर्ल्स कॉलेज मे हुई। इस कॉलेज में मेधावी छात्राओं को ही प्रवेश मिलता है। महुआ मोईत्रा पढ़ाई के दौरान इस कॉलेज की सर्वश्रेष्ठ छात्राओं में से एक थी। पढ़ाई के दौरान ही अमेरिका के सबसे बड़े, जेपी मॉर्गन बैंक में इन्हें नौकरी मिल गई। कुछ ही वर्षों में वह जेपी मॉर्गन बैंक की उपाध्यक्ष बन गई। कुशाग्र बुद्धि की मेहनती, हंसमुख और हर चैलेंज को स्वीकार करने वाली महुआ मोइत्रा कुछ ही वर्षों में सफलता के ऊंचे मुकाम पर पहुंच गई। नौकरी के दौरान इन्होंने डेनमार्क के अपने एक दोस्त के साथ शादी की। यह शादी ज्यादा समय तक नहीं चली। 35 साल की उम्र में उनका तलाक हो गया। उसके बाद वह नौकरी छोड़कर भारत लौटकर आ गई। महुआ मोइत्रा का बचपन पश्चिम बंगाल में बीता। बचपन में जो बंगाल के संस्कार थे, वहां का खानपान संस्कृति का असर आज भी महुआ मोइत्रा में है। लंबे समय तक अमेरिका और यूरोप के कई देशों में रही हैं। इसका असर भी उनकी निजी जिंदगी में पड़ा। वह अपनी जिंदगी को बिंदास तरीके से जीती हैं। सबसे बड़ी खासियत यह है, कि महुआ जैसी होती है, वैसा ही प्रदर्शित करती हैं। जिसके कारण वह हमेशा चचाओं में बनी रहती हैं। जब वह भारत आई, उन्होंने राजनीति में कदम रखा। 2016 में वह टीएमसी की टिकट पर पश्चिम बंगाल में विधायक निर्वाचित हुई। 2019 में लोकसभा के लिए निर्वाचित हो गई। युवा अवस्था से लेकर तलाक तक वह अमेरिका और यूरोप के देशों में रही। वहां पर उनका खाने-पीने रहने और जीने का तरीका पश्चिमी संस्कृति पर आधारित था। भारत आने पर भी वह अपनी निजी जिंदगी को अपने हिसाब से जीती है। अपने राजनीतिक जीवन को जिनके बीच में वह राजनीति करते है। उनके अनुसार जीवन शैली में ढल जाती हैं। भारत में उनके एक मित्र बने। जिनका नाम जय अनंत शाह है। वह सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट हैं। उनके साथ जब वह दिल्ली में होती थी। उनके साथ ही रहती और ज्यादा समय गुजराती थी। उनके साथ निजी और अंतरंग संबंध भी थे। किसी मामले में उनका जय अनंत शाह से मतभेद हुआ। उनके साथ महुआ ने अपने संबंध तोड़ लिये। महुआ मोइत्रा ने सांसद निशिकांत दुबे की फर्जी डिग्री को लेकर सवाल उठाए थे। जिससे उनकी व्यक्तिगत अदावत निशिकांत दुबे से हो गई। निशिकांत दुबे अडानी के साथ एसोसिएट थे। सांसद निशिकांत दुबे भी महुआ के साथ दोस्ती करना चाहते थे। सफल एवं मेधावी महुआ ने निशिकांत दुबे को कभी पसंद नहीं किया। इसी बीच महुआ मोईत्रा का संबंध हीरानंदानी से बना। हीरानंदानी समूह और अडानी समूह के बीच में अदावत चल रही थी। इसका मोहरा महुआ मोइत्रा कब बन गई, इसका उन्हें तब पता चला। जब उनके ऊपर संसद में पैसे लेकर अदानी समूह के खिलाफ प्रश्न लगाने के आरोप में घेरा गया। संसद के अंदर यह भी कहा गया कि उन्होंने अपना सांसद का पासवर्ड हीरानंदानी को दे दिया था। इस आरोप में महुआ मोइत्रा की सदस्यता चली गई। महुआ मोइत्रा के व्यक्तित्व का आकलन करने में भारतीय जनता पार्टी, उनके सांसद निशिकांत दुबे, यहां तक की अदानी समूह असफल रहा है। जिस तरह का महुआ मोइत्रा का व्यक्तित्व है। उसमें सरलता है, सहजता है, लड़ने का सार्मथ्य है। यदि उन्हें कोई अकारण दबाने का प्रयास करता है, तो उनका विद्रोही स्वरूप उभरकर सामने आ जाता है। पश्चिमी सभ्यता में युवास्था में पली और बढी महुआ इस तरह के चरित्र हनन के प्रयास से डरने वाली नहीं है। सत्यता के साथ अपने रिश्ते को स्वीकार करती हैं। जीवन जीना उनका निजी अधिकार है। भारत के लोगों को दोहरे जीवन जीने की आदत है। महुआ उन नेताओं में से नहीं है जो कहते कुछ और है, करते कुछ और है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उनके संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं ने उन्हें भारी मतों से चुनाव जिताकर संसद में भेजा है। वह अच्छी बंगाली बोलते हैं। मतदाताओं के साथ प्रभावी संवाद करती हैं। उनके मतदाता जो अपेक्षा उनसे रखते हैं। उनको पूरा करने के लिए पूरी ताकत के साथ लड़ती हैं। वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को लेकर भी जिस तरह से बोलती हैं। उनको सारी दुनिया में सुना जाता है। वह उच्च धनाढ्य परिवार से आती हैं। उनका रहना, खाना पीना, पहनना, पश्चिमी सभ्यता पर आधारित है। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। महुआ जैसी है, वैसे ही लोगों को दिखाती हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और मोनिका लेवन्सकी के बीच यौन संबंध थे। 1998 में इसको लेकर अमेरिका में बहुत बड़ा हंगामा हुआ। बात महाभियोग तक पहुंच गई। अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहे थे। जैसे ही मोनिका के साथ राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपने यौन संबंधों को स्वीकार किया। अमेरिका के नागरिकों, सांसदों ने उन्हें तुरंत माफ कर दिया। अमेरिका की संस्कृति में इस तरह के संबंधों को गलत नहीं माना जाता है। महुआ मोइत्रा व्यस्क हैं, वह अपनी इच्छा से किसी के साथ भी रह सकती हैं। यह उनका निजी मामला है। जिस तरह से उनकी निजी जिंदगी में हस्तक्षेप करके उनके चरित्र हनन का प्रयास उनके विरोधियों द्वारा किया जा रहा है। उसके कारण महुआ अब शेरनी की तरह लड़ने के लिए मैदान में है। इस लड़ाई में महुआ को कुछ खोना नहीं है। जो भी खोना है, वह भारतीय जनता पार्टी, उनके सांसद निशिकांत दुबे और अडानी समूह को ही खोना है। केंद्र में अभी पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं है। सारे विश्व में राजनीतिक एवं आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है।

गैर-सरकारी संगठन में खत्म होते उद्देश्य

- संजय गोस्वामी

गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) को आमतौर पर गैर-लाभकारी संगठन भी कहा जाता है। ये संगठन आम तौर पर सामाजिक कल्याण, सामाजिक विकास और अन्य धर्मार्थ उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए बनाए जाते हैं।भारत में, इस तरह के संगठन को ट्रस्ट, सोसाइटी या सेक्शन 8 कंपनी के रूप में स्थापित किया जा सकता है। ध्यान रखें कि ये एक जैसे नहीं हैं। संगठन की स्थापना के माध्यम से आप क्या हासिल करना चाहते हैं, इसके आधार पर उनके अलग-अलग उद्देश्य और उपयोग होते हैं। इस ट्रस्ट में वैज्ञानिक संस्थान भी स्थापित किया जा सकता है। हिन्दी विज्ञान साहित्य परिषद मुम्बई का गठन अनुसन्धान केन्द्र में कार्यरत कुछ वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों के सामूहिक प्रयास से पूर्व सन 1968 में हुआ था। इसका गठन राष्ट्रभाषा प्रेम, जनसामान्य तक वैज्ञानिक साहित्य को पहुंचाने, वैज्ञानिक साहित्य की रचना तथा प्रसार के काम को सुसंगठित रूप में चलाने के उद्देश्य से हुआ था।ह्यपरिषद की गतिविधियों में सबसे मुख्य एवं स्थाई गतिविधि त्रैमासिक पत्रिका वैज्ञानिक का अनवरत प्रकाशन रही है। जो आज भी चल रही है हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई का उद्देश्य विज्ञान को हिंदी में पहुंचाने का कार्य हिंदी में रूचि रखने वाले सदस्यों के आम सभा में कार्यकारिणी की चुनाव में चयनित लोगों द्वारा संपन्न किया जाता था पहले आम सहमति से परिषद की कार्यकारिणी समिति का गठन किया जाता था बाद में इसमें लोगों की रूचि बढ़ि और एक पद के लिए उससे ज्यादा उम्मीदवार हो गए और चुनाव का पहला क्रम 2016 में 2016-18 हेतु आम सभा में नियमानुसार चुनाव हुआ और सभी ने कमिटी के गठन में सहयोग दिया और परिषद अपने रफ़्तार से चल पड़ी और पुनः इसी क्रम में 2018 में 2018-20 हेतु चुनाव आमसभा में हुई और पुनः कुछ नए पुराने लोगों ने मिलकर काम किया जब 2020 में कोविड का प्रकोप आया तो चुनाव को टाला गया क्योंकि प्रशासन की अनुमति ही नहीं मिली थी लेकिन चुनाव का जोड़ इस तरह पकड़ा की कोरोना की लहर 2021 में थमी की सेमिनार को रद्द करना पड़ा और इसी क्रम में सेमिनार के खर्चा को लेकर आपसी विवाद इस तरह बढ़ा कि आनन फानन में 28मार्च 21 को सचिव ने एक ऑनलाइन आम सभा बुलाकर चंद लोगों द्वारा मुद्दे को दबाकर एक चुनाव अधिकारी को नियुक्त किया गया लेकिन वो सर्वमान्य नहीं था क्योंकि ऑनलाइन में लोगों की संख्या बहुत ही कम थी जब इलेक्शन को 14 अगस्त 21 को जबरदस्ती कराया गया तो मुझे बहुत गुस्सा आया क्योंकि जो अध्यक्ष का पद होता है वो एक गरिमामयी पद होता है और उस पद के लिए दो लोगों ने नामांकन किया जिसमें एक उम्मीदवार अस्पताल में भर्ती था और बाई पास सर्जरी होने वाला था इसका लाभ दूसरे उमीदवार ने उठाया और सारे नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए मनमानी और गलत तरीके से चुनाव में जीत की घोषणा चुनाव अधिकारी ने की, इतना भी समझते नहीं है कि मानवता को मार कर इलेक्शन जीत कर भी दूसरों का दिल को नहीं जीत पाएं ऐसे पद भी मिल जाए तो मैं इंसान नहीं हैवान हो जाऊंगा अतः जो समझदार थे वो एक एक कर किनारा कर लिया और अब भी लगता है कि मैं अध्यक्ष हूँ ऐ भूल है इंसान इंसान के काम ना आ सके तो जीने का मतलब ही क्या? यदि आप सही में ईमानदार और सच्चे हैं, तो इसका अभिमान न करें। कभी-कभी पद के लालच में लोग अव्यावहारिक होकर कठोर बन जाते हैं और इन्सानियत की धुन में अपनी दया, करुणा एवं सहयोग की भावना को खो बैठते हैं तथा दूसरों पर संदेह करने, दूसरों से घृणा करने लगते हैं। एनजीओ आज ठीक नहीं है इन्सानियत होने के अतिरिक्त उचित सहायता-सहयोग देने के लिए सदैव प्रस्तुत रहने की भावना होना मनुष्य को स्वस्थ और संतुलित रखता है, मानव को मानव बनाये रखता है। कभी-कभी लालच की धुन मनुष्य को वहमी बना देती है। व्यावहारिता और यथार्थ का धरातल कभी न छोड़ें। गैर-सरकारी संगठन का उद्देश्य मानव हित होता है तथा सीमा से परे जाने पर सिद्धान्त अमानवीय हो जाते हैं।यदि आप ईमानदार है, तो दूसरों से प्रशंसा की आशा कदापि न करें, क्योंकि इस संसार में बेईमान अथवा ईर्ष्यालु लोग प्रायः बिना संकोच ईमानदार आदमी पर झूठे आरोप लगाया करते हैं। दूसरों के मुख पर कालिमा पोतने से पूर्व ईर्ष्यालु के हाथ काले हो जाते हैं। दूसरों को फँसाने के लिए बिछाया हुआ जाल अवश्य एक दिन जाल बिछानेवाले को ही फँसा देता है। दूसरों के लिए गड्ढ़ा खोदनेवाला स्वयं ही उसमें गिर पड़ता है। यह प्रकृति का नियम है। यदि हमारा अन्तःकरण स्वच्छ है, आत्मा प्रबल है और ईश्वर के दैवी न्याय एंव सामर्थ्य पर भरोसा सच्चा है, तो अकारण द्वेषी हमारी हानि नहीं कर सकता है, अपना ही सब कुछ खो बैठेगा। लोभ यानी लालच ऐसी बुराई है, जिसकी वजह से हमारे दूसरे सभी गुणों का महत्व खत्म हो जाता है। लालच की वजह से व्यक्ति कभी भी संतुष्ट नहीं हो पाता है और धनवान होते हुए भी गरीब बना रहता है। किसी व्यक्ति के प्रति मन में घृणा और क्रोध नहीं बसा लेना चाहिए तथा घृणा और क्रोध से प्रेरित होने के बजाय न्याय एवं सत्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। हम समाज-हित में, न्याय के समर्थन में, संघर्ष करें तथा दुष्ट को दण्ड दें, किंतु घृणा अथवा बदले की भावना से किसी को नष्ट करने के लिए उतारु न हो जाएँ।संघर्ष में अपराध-वृत्तिवाले (क्रिमिनल) दुष्टों का सहारा लेकर विजय पाने पर भी आपको एक दिन पराजय का मुँह देखना पड़ेगा; क्योंकि वे अंत में आपको भी शिकार बनाये बिना न रह सकेंगे। ईश्वर जिसे आयु और आजीविका प्रदान करता है, हमें मूर्खतावश उसके साथ एक क्षणभर में ही उकताहट हो जाती है। जिसे प्रभु जीवन का अवसर दे रहा है, हमें उससे घृणा करने का अधिकार नहीं है। विरोध एवं संघर्ष करते हुए भी हम इंसानिय न खो बैठे तथा संघर्ष एवं विरोध का दायरा सीमित ही रखें।धीरे-धीरे जब मनुष्य विचार-क्षेत्र में ऊँचे स्तर पर आ जाता है, तब वह जीवन में अधिक उदात्त होकर तथा अधिक ऊँची वस्तुओं में रुचि लेकर तुच्छ प्रकार के संघर्ष करना छोड़ देता है तथा अधिक उपयोगी दिशा में संघर्ष करना प्रारंभ कर देता है। यह पलायान नहीं, बुद्धिमता होती है, जीवन में स्वस्थ मोड़ होता है।

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

- ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरू हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है। संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको सम्मान की प्राप्ति होगी।	**तुला** आज दिन लाभ से भरा होगा और कुछ खास फैसले आपको लाभ प्रदान कर सकते हैं।
वृषभ आज दिन सफलता से भरा होगा और आप अपने विरोधियों को छोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।	**वृश्चिक** कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।
मिथुन क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी और बिजनस में नए आइडिया पर काम करेंगे तो आपको लाभ होगा।	**धनु** धनु आज घर में धन धान्य की वृद्धि होगी और मित्रों से धन का लाभ होगा।
कर्क आपके द्वारा लिए गए निर्णय लाभप्रद होंगे। आपका जन संपर्क बढ़ने से आप प्रफुल्लित रहेंगे।	**मकर** आज धन वृद्धि होगी और आपको विजय प्राप्त है। सत्पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी।
सिंह आज भाग्य हर मामले में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा।	**कुंभ** आज कर्म फल के मामले में फायदा होगा। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है।
कन्या आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करनी चाहिए तो आपको लाभ होगा।	**मीन** आज धन में वृद्धि होगी। आय के नये स्रोत सामने आएंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा।

विशेष

राहुल गांधी को जेल भेजने की तैयारी?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जेल भेजने की तैयारी हो रही है। ईड़ी को राहुल गांधी के यहां छापा डालने और गिरफ्तार करने की जिम्मेदारी सोंपी गई है। इसकी जानकारी स्वयं राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए दी। इसके बाद पक्ष और विपक्ष के बीच में वाद विवाद शुरू हो गया। राहुल गांधी द्वारा कहा गया, लोकसभा में उनके द्वारा चक्रव्यूह पर जो भाषण दिया गया था। वह प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को बड़ा नागवार गुजरा है। जिसके कारण उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है। राहुल गांधी गिरफ्तार हों या ना हों। राहुल गांधी जरूर चचाओं में आ गए हैं। वहीं सरकार को बचाव की मुद्रा में आना पड़ रहा है।

सरकार किसी को भी चुप कर सकती है?

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन लंबे समय से जेल में बंद है। पिछले दो वर्षों में जमानत के लिए जिस तरह से ट्रायल कोर्ट,हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, फिर ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट,सुप्रीम कोर्ट के बीच में सांप सीढ़ी का खेल खेला जा रहा है। सीबीआई-ईड़ी नए-नए रूप में नए आरोप लेकर सामने आ जाती है। जमानत के मामले में जब मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जमानत नहीं मिल पा रही है। इसको देखते हुए ईड़ी और सीबीआई का खौफ उद्योगपति कारोबारी राजनेताओं और आम जनता के बीच में बैठ गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1600: स्काटरलैंड में लार्ड गावरी और उनके भाई अलेक्जैंडर रूथवेन ने शासक जेम्स छठवें को बंदी बनाया. 1776: सेवाय के राजकुमार यूजीन ने तुर्की के सैनिकों को पेट्रोवार्डिन रूस में पराजित किया. 1840: नेपोलियन बोनापार्ट ने फ्रांस में आयात की जाने वाली वस्तुओं पर कर लगाया. 1858: अटलांटिक के आर-पार केबल बिछाने का काम पूरा हुआ. 1930: चांद पर उतरनेवाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग का जन्म. 1949: इक्वाडोर में भूकंप से छह हजार से अधिक लोग मारे गए. 1962 :अमरीकी अभिनेत्री मर्लिन मुनरो को लास एंजेल्स में मृत पायी गई. 1976 :सुडान में असफल क्रांति में भाग लेने वाले कमांडर और 46 अन्य को मौत के घाट उतारा 1992: दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने लाखों लोगों के साथ श्वेतों का शासन समाप्त करने के लिए प्रदर्शन किया.

दैनिक पंचांग

5 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2024 वर्ष का 218 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास श्रावण पक्ष शुक्ला
तिथि प्रतिपदा 18.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 15.22 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 10.38 बजे को समाप्त।
करण बव 18.04 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय		
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.26 बजे से	चन्द्रायु 0.5 घण्टे
चंद्र	कर्क में	कन्या	08.38 बजे से	रवि क्रान्ति उत्तर 16° 53'
मंगल	वृष में	तुला	10.49 बजे से	सूर्य दक्षिणायन
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.03 ब.से	कलि अहर्गण 1872062
गुरु	वृष में	धनु	15.20 बजे से	जूलियन दिन 2460527.5
शुक्र	सिंह में	मकर	17.25 बजे से	कलियुग संवत् 5125
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.11 बजे से	कल्पारंभ संवत् 1972949123
राहु	मीन में	मीन	20.44 बजे से	सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
केतु	कन्या में	मेष	22.14 बजे से	वीरनिर्वाण संवत् 2550
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	23.55 बजे से	हिजरी सन् 1445
		मिथुन	01.53 बजे से	महीना मोहर्रम
		कर्क	04.06 बजे से	तारीख 29
				विशेष तृतीय श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सोयाबीन के प्रमुख कीट एवं नियंत्रण

तना मक्खी (स्टेम फ्लाई)

सक्रियता : जुलाई से अक्टूबर।

प्रकोप का समय : अंकुरण से लगभग 30 से 60 दिनों तक।

पहचान

वयस्क कीट चमकदार काले रंग की लगभग 2 मि.मी. आकार की मक्खी होती हैं। इसकी इल्ली जो तने में, सुरंग बना कर रहती है, फसल को हानि पहंचाती हैं। इसका रंग हल्का पीला एवं लम्बाई 3-4 मि.मी. होती हैं।

नियंत्रण

- बोवनी के समय 10 किलोग्राम फोरेट 10 जी को मिट्टी में मिलायें। जिन स्थानों पर तना मक्खी का प्रकोप अधिक होता हैं वहां फफूंदनाशक से बीज उपचारित करने के अलावा बीज को थायोमिथोक्साम 70 डब्ल्यू. एस. से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। कीट के लक्षण दिखने पर अथवा सुरक्षात्मक रूप से फसल की 7-10 दिन की अवस्था पर निम्नलिखित में से किसी एक कीटनाशक की दर्शाई गई मात्रा को 500 ली. पानी में घोल बनाकर कोन नोजल से प्रति हेक्टर छिड़काव करें। द्य थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू जी 100 ग्राम प्रति हे. द्य ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. प्रति हे.
- प्रोफेनोफास 50 ई.सी. 800 मि. ली. प्रति हे.

सभी दवाओं के लिये 500 ली. प्रति हेक्टर पानी की मात्रा में घोल बनाकर कोन नोजल से छिड़काव करें।

चक्रभृंग (गर्डल बीटल)

सक्रियता : जुलाई से अक्टूबर

प्रकोप का समय : फसल की 30 से 75 दिन की अवस्था।

पहचान

वयस्क कीट 8-10 मिमी. गहरे पीले रंग के होते हैं जिनके पंखों का निचला भाग काला होता हैं, इल्लियां पीले रंग की होती हैं एवं उनके शरीर पर छोटे-छोटे उभार होते हैं।

नियंत्रण

- घनी बोवनी न करें। प्रारंभिक अवस्था से ही कीट की निगरानी करें। यदि खेत में पौधों की ऊपरी पत्ती मुरझा रही है तो पास जाकर पत्ती के डंठल एवं तने को देखें। यदि गर्डल बीटल द्वारा बनाये गए दो चक्र दिखें तो नीचे के चक्र से एक इंच से डंठल या तने को काट कर पॉलिथिन की थैली में इकट्ठे कर खेत के बाहर जला दें अथवा गड्ढे में गाढ़कर नष्ट कर दें।
- नत्रजन उर्वरकों का संतुलित उपयोग एवं पोटाश उर्वरक का उपयोग करने से कीट का प्रकोप कम होता है।
- गर्मी में मोल्ड बोर्ड प्लाऊ (मिट्टी पलट हल) से गहरी जुताई करें। गहरी जुताई के पश्चात मिट्टी के बड़े ढेलों को जून के प्रथम सप्ताह में हल्का पाटा लगाकर तोड़ देना चाहिए तथा जुताई किये हुए खेत में गर्मी की धूप लगने देना चाहिए।
- कटाई उपरांत जहां तक हो सके फसल को पक्के खलिहान में रखें ताकि यदि फसल में गर्डल बीटल का प्रकोप हो तो उसे छिपने के लिये खेत की दरारें उपलब्ध न हो।
- बोवनी के समय फोरेट 10 जी10 कि.ग्रा.प्रति हे. की दर से मिट्टी में अवश्य मिलावें।
- फसल पर प्रकोप दिखते ही ट्राईजोफास 40 ई.सी. की 800 मिली./हे. या प्रोफेनोफास 50 ई.सी. की 1.5 ली. /हे. को 600 ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

हरी अर्द्धकुंडलक इल्ली (ग्रीन सेमीलूपर)

सक्रियता : जुलाई के आखिरी सप्ताह से अगस्त तक।

प्रकोप का समय : फसल की 35-40 दिन की अवस्था तक।

पहचान

वयस्क कीट के अग्र पंखों पर दो रुपहले धब्बे होते हैं इल्लियां पीलापन लिए हरे रंग की होती हैं जिनके शरीर के पृष्ठ तल पर एक नीली लम्बवत रेखा व दोनों ओर एक-एक सफेद धारी होती हैं। खास पहचान इनके कूबड़ बनाकर चलने से होती हैं।

नियंत्रण

- इल्ली की प्रारंभिक अवस्था में निम्बोली के चूर्ण का 5 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- सोयाबीन फसल के बाहरी किनारों पर ट्रैप क्रॉप जैसे उड़द, मूंग, लोबिया इत्यादि लगाया जाना चाहिए जिससे इस कीट के प्रकोप की दशा में इन्हीं फसलों पर उसका दबाव रहेगा और मुख्य फसल पर दबाव कम रहेगा।
- कीट की प्रारंभिक अवस्था में ही निम्नलिखित में से किसी एक दवा का छिड़काव करने से कीट का नियंत्रण हो सकता हैं, अतः इस कीट के नियंत्रण हेतु कीट के आक्रमण के शुरू में ही छिड़काव करना चाहिए क्योंकि कीट की बड़ी अवस्था में कीटनाशक दवाओं का असर कम होता हैं अतः कीट का नियंत्रण नहीं हो पाता हैं।
- क्विनालफास 25 ई.सी. (1.5 लीटर/हे.) या ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. /हेक्टेयर या प्रोफेनाफास 50 ई.सी. 1 ली./हे. या मिथोमिल 40 एस.पी. 1 किलोग्राम/हे. को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करें।

तम्बाकू की इल्ली (टोबैको कैटरपिलर)

सक्रियता

अगस्त से सितम्बर (इस कीट का आक्रमण अगस्त माह में अधिक देखा गया है)।

प्रकोप का समय

फसल की 40-75 दिन की अवस्था तक।

पहचान

वयस्क पतंगों के अगले पंख सुनहरे भूरे रंग के सफेद धारियां लिए होते हैं, पिछले पंखों पर भूरे रंग की शिराएं होती हैं इल्लियां मटमैले हरे रंग की होती हैं, जिनके शरीर पर पीले, हरे, नारंगी, रंग की लम्बवत धारियां होती हैं एवं उदर के प्रत्येक खंड के दोनों ओर काले धब्बे होते हैं।

नियंत्रण

- समेकित कीट प्रबंधन अपनायें व खेतों के आस-पास प्रकाश-प्रपंच, फैरोमेन ट्रेप स्थापित कर लगातार मॉनीटरिंग करके वयस्क कीटों को एकत्रित कर उन्हें नष्ट करें।
- इल्लियां शुरू की छोटी अवस्था में खेत से ऐसी पत्तियों को तोड़कर नष्ट करने से प्रकोप कम किया जा सकता हैं।
- कीट की प्रारंभिक अवस्था में ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मिली/ हे. या क्विनालफास 25 ई.सी. 1.5 ली. प्रति हेक्टेयर को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।

सोयाबीन के रोग

सोयाबीन के रोग एवं नियंत्रण

सोयाबीन में लगने वाले रोगों के कारण इसकी उपज में 15 से 20 प्रतिशत तक की हानि होती है। रोग मुख्यत : फफूंद, जीवाणु, विषाणु एवं सूत्रकृमि द्वारा होता है। इसके साथ ही कुछ तत्वों की कमी से भी ये रोग उत्पन्न होते हैं. भारत में सोयाबीन पर 40 से अधिक रोग पाये गये हैं, लेकिन इनमें कुछ फसल को अधिक क्षति पहुंचाते हैं।

बीज एवं बीजांकुर के रोग

बीज विवर्णन : रोगी बीज के ऊपर राख या भूरे रंग के धब्बे पाये जाते हैं। रोगी बीज प्रायः सिकुड़े, छोटे एवं क्रांतिहीन हो जाते हैं।

बीज सड़न : बीज मुलायम होकर सड़कर नष्ट हो जाते हैं सड़े हुए बीजों पर हरे, नीले, काले एवं सफेद रंग की फफूंद दिखाई देती है। जीवाणु भी सोयाबीन में सड़न उत्पन्न करती है।

बीजांकुर विगलन

ग्रसित बीज अंकुरित तो हो जाते हैं और भूमि के ऊपर आने के पूर्व या निकलने के बाद उनके मूलांकर गहरे भूरे रंग के होकर विगलित होने लगते हैं और नष्ट हो जाते हैं।

बीज पत्रों के धब्बे : बीज पत्रों पर गोलाकार या अनियमित आकार के हल्के भूरे काले रंग के धब्बे बनते हैं। जिससे बीज पत्र गिर जाते हैं और पौधे की बढ़वार रुक जाती है।

रोकथाम : रोगी नियंत्रण हेतु स्वस्थ बीज बोना चाहिये क्योंकि संक्रमित बीज बोने पर बीज सड़न, बीजांकुर विगलन एवं बीज पत्र के धब्बे जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। भंडारण पूर्व भली-भांति सुखाकर, अच्छे बीज छांटकर बोने पर रोग नियंत्रण में लाभकारी रहता है। बोने के पूर्व बीजों को थीरम, कार्बेन्डाजाइम (2:1) अथवा थीरम, केप्टान (1:1) से उपचारित करना चाहिए।

जड़ एवं तने के रोग

फफूंद रोग :

पीथियम जड़ सड़न एवं आर्द्रपतन : बोनी के बाद लगातार वर्षा होने से तापमान घटने पर बीज या बीजांकुर सड़न होता है. आरंभ में रोगग्रस्त पौधे छोटे समूह में दिखाई देते हैं तथा पत्तियों के मुरझाने पर अंगमारी या उकटा जैसे लक्षण दर्शाते हैं. जड़े गल जाती हैं. वे खींचने पर टूट जाती हैं।

रोकथाम - बीजोपचार द्वारा रोका जा सकता है पारायुक्त फफूंदनाशक अधिक प्रभावशाली होते हैं, लेकिन इसका राइजोबियन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिये केप्टान या थीरम 0.25 प्रतिशत 2 ग्राम प्रति कि.ग्रा. से बीजोपचार करना चाहिये। अच्छा जल निकास प्रकोप कम करता है।

चारकोल सड़न

यह रोग अधिक तापमान (35-40 डिग्री सेंटीग्रेड) व भूमि में नमी की कमी के कारण उग्र रूप धारण करता है, जबकि 40 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर रोग में कमी आती है।

रोकथाम : मुख्य रूप से भूमि जनित रोग हैं। अतः गर्मी में गहरी जुताई, पौध अवशेष नष्ट करना तथा फसल चक्र अपनाना लाभदायक होता है। सिंचाई करने से पानी की कमी वाली स्थिति में रोग प्रसार रोक सकते हैं।

जीवाणु जनित रोग

जीवाणु जनित स्फोट : रोग मुख्य रूप से पत्तियों पर प्रकट होते हैं, तथा प्रारंभ में जीवाणु जनित झुलसा रोग जैसे दिखाई देता है। पहले पत्तियों पर छोटे-छोटे सरसों के दाने जैसे 1 मि.मी. व्यास के पीले धब्बे दिखाई देते हैं, जो बीच में कत्थई भूरे रंग के होते हैं। कुछ समय बाद पत्ती की निचली सतह पर धब्बे के मध्य में उभरा हुआ फफोला बन जाता है। रोग की इस अवस्था पर फफोले की उपस्थिति और धब्बे के चारों ओर जलसिक्तों का अभाव द्वारा इसको झुलसा से अलग पहचाना जा सकता है। इसके छोटे-छोटे धब्बे मिलकर अनियमित आकार के बड़े गहरे भूरे रंग के धब्बे बनाते हैं।

रोकथाम : रोग रहित स्वस्थ बीज का उपयोग करें, बोने से पूर्व बीज को एग्रीमाइसन या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (100-200 पी.पी.एम.) 100-200 मि.ग्रा. प्रति लीटर उपचारित करें। उस पर आक्सीक्लोराइड की 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर) तथा एग्रीमाइसिन या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का मिश्रण घोल अधिक लाभकारी होता है।

फफूंद जनित रोग

किट्ट रोग : यह भारत में सर्वप्रथम 1980 में पंतनगर में महामारी के रूप में प्रकट हुआ। हालांकि इसके पहले 1965 में पूना में वर्णन मिलता है। इसके साथ ही सन् 1995, 1996, 1997 में मध्यप्रदेश में इसका आक्रमण अधिक हुआ था। रोग का आक्रमण प्रायः मध्य सितम्बर से अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक अधिक नमी व कम तापमान पर होता है।

रोकथाम

- रोग उत्पन्न होते ही जिनेब या मेन्कोजेब को 2.5 ग्राम/ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।
- सोयाबीन की गेरूआ सहनशील किस्में जैसे - पी.के. 1029, पी.के. 1024, जे.एस. 80-21 एवं इंदिरा सोया 9 की काश्त करें।
- रोग की शुरूआत की अवस्था में ग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट करें और फसल पर हेक्जाकोनाझोल (कन्टॉफ) या प्रोपीकोनाजोल (टिल्ट) 800 मिली. या ट्रायाडिमेफान (वेलेटान) 800 मिली. को 800 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टेयर में छिड़काव करें। रोग की अधिकता पर दूसरा छिड़काव 15 दिनों बाद करें।
- इसके अलावा फसल चक्र अपनावें। फसल चक्र में मक्का, ज्वार, अरहर या कपास ले सकते हैं।
- ग्रीष्मकाल में खेत की गहरी जुताई करें।
- मक्का एवं तिल की फसल को मिश्रित फसल के रूप में सोयाबीन के साथ लें।

विषाणु जनित रोग

सोयाबीन मोजेक या सामान्य मोजेक : भारत में सर्वप्रथम 1956 में देखा गया था। सिंचित क्षेत्र में प्रकोप अधिक दिखाई देता है तथा 25 डिग्री सेंटीग्रेड पर लक्षण अधिक दिखाई देता है जबकि 30 डिग्री सेंटीग्रेड पर लक्षण छिप जाता है।

पौधे के किसी भी अवस्था पर संक्रमण हो सकता है। रोगी पौधे छोटे इंटरनोड एवं पर्णवृन्त वाले छोटे पौधे होते हैं। पत्तियां छोटी, पतली, गहरे रंग के धब्बे वाली ऐंठी एवं मुड़ी हुई होती है। जिनके किनारे अंदर की ओर मुड़े हुए होते हैं। फलियां छोटी, चपटी, मुड़ी हुई, कम दाने वाली एवं संख्या में कम होती हैं। संक्रमण फूल आने के पहले होने पर विषाणु बीजों को संक्रमित कर चितकबरा कर देता है, जबकि फूल आने के बाद संक्रमण होने पर अधिकांश बीज विषाणु मुक्त होते हैं। एक ही फली में रोगी एवं स्वस्थ दोनों प्रकार के बीज हो सकते हैं। रोगी बीज का अंकुरण 12-35 प्रतिशत कम हो सकता है।

प्राथमिक संक्रमण मुख्यत

बीज से होता है। विषाणु बीज में 2 वर्ष तक उत्तर जीवित रह सकता है। फसल में विषाणुओं का द्वितीय संचारण रोगी पौधे के रगड़ने से तथा एफिड्स (माहू) के द्वारा होता है। विषाणु कीट में चार घंटे तक जीवित रह सकता है. प्रति पौधा 5 कीट अधिक संक्रमण करता है।

रोकथाम

स्वस्थ बीज का उपयोग करना चाहिये। रोगी पौधों को शीघ्र निकाल देना चाहिये एवं जमीन में दबा देना चाहिये। माहू के नियंत्रण के लिये कीटनाशक का उपयोग करना चाहिये।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु में फ्लैट का किराया 43 हजार और डिपॉजिट 2.5 लाख रुपये, यूजर बोले– ब्लैक मार्केट में शरीर के अंग बेचने पड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय बेंगलुरु में प्रॉपर्टी के रेट काफी महंगे हैं। यहां किराए पर फ्लैट लेना एक तरह से अपनी सैलरी का एक बड़ा हिस्सा देने जैसा है। यहां सामान्य फ्लैट का किराया ही करीब 20 हजार रुपये है। ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जिसमें लोगों ने 80 हजार रुपये महीने में भी बेंगलुरु में फ्लैट किराए पर लिया है। हाल ही में एक महिला की एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। लीशा अग्रवाल नाम की महिला ने एक्स पर पोस्ट की है। इसमें महिला ने कहा है कि वह अपना 2ब्ण्ाय फ्लैट किराए पर देना चाहती है। यह पूरी तरह फर्निश्ड फ्लैट है जो बेंगलुरु के कोरमंगला में है। इसका किराया 43 हजार रुपये महीने है। हालांकि डिपॉजिट के रूप में 2.5 लाख देने होंगे। महिला ने अपनी पोस्ट में फ्लैट की चार फोटो शेयर की हैं। पोस्ट में लिखा है, हम कोरमंगला में अपना 2 बीएचके फ्लैट खाली कर रहे हैं और हमें किसी ऐसे शख्स की तलाश है जो इसे लेने में दिलचस्पी रखता हो। जिस किसी को यह फ्लैट किराए पर चाहिए उसे 43 हजार रुपये किराया देना होगा। इसके साथ 2.5 लाख रुपये डिपॉजिट के तौर पर देने होंगे। इसके अलावा घर में मौजूद सभी फर्नीचर की लागत अलग से देनी होगी। सोशल मीडिया पर लोगों ने किराए से ज्यादा डिपॉजिट रकम पर आश्चर्य जताया है। एक यूजर ने लिखा है कि इतनी रकम देने के लिए ब्लैक मार्केट में शरीर के अंग बेचने होंगे।लीशा की पोस्ट पर कुछ यूजर्स ने कोरमंगला में फ्लैट के इस रेंट पर सवाल भी उठाए हैं। एक ने कहा है कि कोरमंगला में इतना किराया काफी ज्यादा है। बता दें कि कोरमंगला बेंगलुरु के पॉश इलाकों में से एक है। यहां 3ब्ण्ाय फ्लैट का औसतन किराया 75 हजार रुपये महीने है। हालांकि पिछले कुछ समय से यहां रेंट की कीमत में कमी आई है। इसका कारण है यहां की महंगी प्रॉपर्टी। महंगे किराए की वजह से यहां कम लोग रहते हैं। इसी कारण मकान मालिकों ने रेंट में 10 से 15 हजार रुपये की कटौती की है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग यहां रहने आ सकें।

डेरिवेटिव ट्रेडिंग से दूर रहें छोटे निवेशक... स्टॉक एक्सचेंज की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की रिकॉर्ड तेजी के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई के एमडी आशीष कुमार चौहान ने छोटे निवेशकों से एक अहम अपील की है। उन्होंने छोट निवेशकों को 'डेरिवेटिव' में कारोबार करने से दूर रहने का आग्रह किया। चौहान ने कहा कि सुबह खरीदना और शाम को बेचने को निवेश समझने की भूल न करें। इसके साथ ही उन्होंने सही नियमन और अनुपालन की वकालत की। वहीं, सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने स्पष्ट किया कि सेबी का डेरिवेटिव पर प्रतिबंध लगाने का कोई इरादा नहीं है।

क्या है डेरिवेटिव ट्रेडिंग

बीते कुछ समय से डेरिवेटिव ट्रेडिंग का चलन बढ़ रहा है। यह एक फॉर्मल फाइनेंशियल कॉन्ट्रैक्ट है। इसके तहत एक इन्वेस्टर को फ्यूचर डेट के लिए एसेट खरीदने या बेचने की अनुमति मिल जाती है। निवेशकों के पास स्टॉक, कमोडिटी, करेंसी जैसे अलग-अलग तरह के डेरिवेटिव में ट्रेड करने का विकल्प होता है। इस बीच, सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने बताया कि आईपीओ मंजूरी में तेजी लाने के लिए एक सिस्टम बनाया जाएगा। बुच ने कहा कि सेबी तेजी से मंजूरी के लिए कंपनियों द्वारा दाखिल किए जा रहे आईपीओ दस्तावेजों की जांच के लिए एक् ढ्ढ टूल विकसित कर रहा है। यह् ढ्ढ टूल दिसंबर तक उपलब्ध हो जाना चाहिए।

चीनी कंपनियों के निवेश से बदलेगी भारत की सूरत!

▶▶ अभी कई चीनी कंपनियों को भारत ने निवेश करने से रोक दिया गया है ▶▶ चीन के साथ व्यापार घाटा कम करने के लिए चीनी निवेश जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर इस वर्ष के आर्थिक सर्वेक्षण में चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से एक बड़े लेकिन लंबे समय से लंबित नीति परिवर्तन का सुझाव दिया गया है। इस सर्वेक्षण की देखरेख मुख्य आर्थिक सलाहकार कर रहे हैं। कई अर्थशास्त्री, जिनमें मैं भी शामिल हूं, खुश होंगे। लेकिन इस प्रस्ताव को सुरक्षा प्रतिष्ठान के कड़े प्रतिरोध को पार करना होगा। आर्थिक और सुरक्षा आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाना हमेशा मुश्किल होता है।

अमेरिका भारत से भी ज़्यादा चीन से नाराज है और उसने बीजिंग की सैन्य मदद करने वाले हाई तकनीक उपकरणों के निर्यात को रोक दिया है। लेकिन ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने 'हाई फेंस, स्मॉल यार्ड' की नीति तैयार की है। यानी, अमेरिका उन क्षेत्रों की पहचान करेगा जहां चीन के साथ संबंध सुरक्षा को नुकसान पहुंचाएंगे और इसे व्यापक रूप से

परिभाषित करने के बजाय संकीर्ण रूप से परिभाषित करेगा। यह 'स्मॉल यार्ड' होगा। इसके चारों ओर उच्च टैरिफ और पूर्ण प्रतिबंध होंगे यानी 'हाई फेंस'। बाकी सब खुला रहेगा।

सुरक्षा प्रतिष्ठानों से किया है चीनी एफडीआई का विरोध

तार्किक रूप से, भारत को भी इसी तरह की नीति का पालन करना चाहिए। अफसोस, व्यवहार में, भारत के 'स्मॉल यार्ड' का मतलब 'हर एक यार्ड' लगता है। कोई निर्दिष्ट लक्ष्मण रेखा नहीं है। भारत के सुरक्षा प्रतिष्ठान ने लंबे समय से चीनी एफडीआई का विरोध किया है। उनका कहना है कि इससे चीन को गलत संकेत मिलेंगे, जिसने लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया, जिसके कारण 2020 में सैन्य झड़प हुई जिसमें 20 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए। इसके बाद सुरक्षा प्रतिष्ठान ने कहा, चीन के साथ आर्थिक संबंध हमेशा की तरह नहीं हो सकते। अब किसी भी चीनी निवेश को अन्य देशों के लिए उपलब्ध स्वचालित मार्ग के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाती है। सभी चीनी आवेदनों को इतनी अस्वीकृति के साथ स्क्रीनिंग प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इससे संदेश स्पष्ट है- आपका यहां स्वागत नहीं है। हमेशा की तरह कोई व्यवसाय नहीं अब कोई व्यवसाय बिल्कुल भी नहीं बन गया है।

दूसरे क्षेत्रों की तरह ऑटो में अपनाएं वही दृष्टिकोण

भारत ने ऑटो क्षेत्र में हर देश के निवेशकों को प्रवेश की अनुमति दी। सभी वैश्विक कंपनियां आईं। हमारी सहायक कंपनियों के साथ बातचीत की। अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाया। अनुसंधान एवं विकास केंद्र शुरू किए और अंतत: भारत को छोटी कारों और ऑटो सहायक उपकरणों का विश्व केंद्र बना दिया। हमें ई–व्हीकल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए राजी करें, जिनमें चीनी कंपनियां भी शामिल हैं। चीन प्लस वन की अवधारणा का तात्पर्य कई वैश्विक निवेशकों के चीन से बाहर अन्य विकासशील देशों में विविधीकरण करने के उद्देश्य से है। यह ठीक है, लेकिन चीन खुद अन्य गंतव्यों में विविधता लाना चाहता है। आर्थिक सर्वेक्षण में एक अतिरिक्त तर्कसंगतता है। चीन से एफडीआई पर ध्यान केंद्रित करना अमेरिका को भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अधिक आशाजनक लगता है। जैसा कि अतीत में पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं ने किया था।

व्यापार घाटा कम करने के लिए चीनी निवेश जरूरी

सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत का चीन के साथ बड़ा व्यापार घाटा है। प्रवाह को उलटने का एक तरीका भारत में चीनी निवेश होगा। बाहर जाने वाले डॉलर वापस आएंगे। उम्मीद है कि निर्यात–उन्मुख क्षेत्रों जैसे एप्पल की मूल्य श्रृंखला में निवेश करके और भी अधिक डॉलर कमाए जाएंगे। सरकार को अपने सुरक्षा यार्ड की सटीक सीमाएं घोषित करनी चाहिए और वहां ऊंची बाड़ लगानी चाहिए। बाकी सब कुछ दुनिया के लिए खुला होना चाहिए, जिसमें चीन भी शामिल है।

इन्हें नहीं मिली निवेश की अनुमति

कुछ साल पहले ऑटो निर्माता ग्रेट वॉल मोटर कंपनी ने भारत में एक अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा था। इसे मंजूरी नहीं मिली। हाल ही में दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार कंपनी बीवायडी ने एक और अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इसमें अत्याधुनिक ब्लेड तकनीक वाला एक मेगा-बैटरी प्लांट शामिल था। लेकिन इसे भी मंजूरी नहीं मिली। बीवायडी की कारों की बिक्री टेस्ला से अधिक है। लक्सशेयर एप्पल वैल्यू चेन जैसी सबसे बड़ी चीनी कंपनियों में से एक है। यह एप्पल की घड़ियां और एयरपॉड्स की तरह उपकरण बनाती है। इसने एप्पल की एक प्रमुख स्थानीय आपूर्तिकर्ता बनने के लिए 750 करोड़ रुपये का निवेश करने का प्रस्ताव दिया था। तमिलनाडु सरकार के मजबूत समर्थन के बावजूद मंजूरी नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया, सच कहूं तो एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला का एक बड़ा हिस्सा चीन से आता है। इसलिए अगर हम उन सभी को मना करते रहेंगे तो हम यहां कभी निर्माण कैसे कर पाएंगे कई वर्षों तक भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने के बाद, लक्सशेयर ने कथित तौर पर अपना निवेश वियतनाम में स्थानांतरित कर दिया है।

क्या इससे भारत की सुरक्षा में सुधार होगा

क्या इससे वास्तव में भारत की सुरक्षा में सुधार होगा या लद्दाख में झड़पें कम होंगी सुरक्षा प्रतिष्ठान या तो इस तथ्य से अनजान हैं या इसे अनदेखा करने के लिए दृढ़ हैं कि चीन अब दुनिया में निवेश योग्य बचत का सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसी ही भूमिका एक बार अमेरिका ने निभाई थी। चीन के पास कुछ बेहतरीन वैश्विक तकनीकें भी हैं जो ई–व्हीकल, बैटरी, सौर पैनल और विंड मिल्स (पवन चक्कियों) में नंबर एक है।

170 के पार जाने वाला है टाटा स्टील का शेयर, 75 प्रतिशत बढ़ गया कंपनी का प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के बीच टाटा ग्रुप के भी कुछ शेयर दबाव में नजर आए। इस दौरान टाटा की कंपनी टाटा स्टील के शेयर भी क्रैश हो गए। करीब 17,300 करोड़ रुपये की आकस्मिक देनदारी की चिंताओं के बीच टाटा स्टील लिमिटेड के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। हालांकि, टाटा स्टील के शेयर पर एक्सपर्ट काफी हद तक पॉजिटिव हैं। टाटा स्टील के शेयर की गुरुवार की क्लोजिंग 163.05 रुपये थी। वहीं, शुक्रवार को यह शेयर 154.60 रुपये के निचले स्तर तक गिर गया। कारोबार के अंत में यह शेयर करीब 3 फीसदी टूटकर 158.20 रुपये बंद हुआ। 18 जून 2024 को यह शेयर 184.60 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। नवंबर 2023 में शेयर 114.25 रुपये के स्तर पर था, जो 52 हफ्ते का लो है।

एक्सिस सिक्योरिटीज ने टाटा स्टील के शेयर पर 175 रुपये का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही एक्सिस सिक्योरिटीज ने कहा- आकस्मिक देनदारियों का मामला तब तक लटका रहेगा जब तक कि भविष्य में केंद्र सरकार द्वारा एमएमडीआर अधिनियम में संशोधन करके एक सीमा नहीं ला दी जाती।

जून तिमाही के नतीजे

टाटा स्टील का जून, 2024 को समाप्त तिमाही में नेट प्रॉफिट 75 प्रतिशत बढ़कर 918.57 करोड़ रुपये हो गया। खर्चों में कमी की वजह से कंपनी अधिक मुनाफा दर्ज कर पाई है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने 524 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी की कुल आय घटकर 55,031 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले समान तिमाही में यह 60,666.48 करोड़ रुपये रही थी।

1 पर 1 शेयर फ्री देगी पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड के शेयरहोल्डर्स के लिए अच्छी खबर है। कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 1रू1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यानी हर एक शेयर पर कंपनी के एक शेयर अतिरिक्त दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत चढ़कर 15.92 रुपये पर बंद हुए।

शेयरों के हाल

पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड के शेयर आज 15.92 रुपये है। पिछले पांच दिन में यह शेयर 8 प्रतिशत और एक महीने में 25 प्रतिशत गिर गए थे। सालभर में यह शेयर 50 प्रतिशत तक चढ़ गए। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 35.82 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 10 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 43.90 करोड़ रुपये है।

कंपनी का कारोबार

पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है जो मुख्य रूप से सोलर एनर्जी छत स्थापना करती है। कंपनी पूरे भारत में औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक और फ्लोटिंग सोलर रूफटॉप सिस्टम की स्थापना के लिए एंड-टू-एंड ईपीसी सेवाएं और संपूर्ण

एनर्जी मैनेजमेंट समाधान प्रदान करती है। कंपनी के पूंजी आधार में वृद्धि से विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विभिन्न निविदाओं और बोली प्रस्तावों के लिए अर्हता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। कंपनी केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न रूफटॉप सौर योजनाओं का लाभ उठा रही है और ऐसे लाभ कम लागत और सर्वोत्तम क्वालिटी वाले कंपोनेंट्स के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जा रहे हैं। घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच सत्रों से जारी तेजी का दौर शुक्रवार को थम गया। वैश्विक स्तर पर बिकवाली के दबाव में बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी भारी गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 885.60 अंक यानी 1.08 प्रतिशत फिसलकर 80,981.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 998.64 अंक गिरकर 80,868.91 अंक तक आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 293.20 अंक यानी 1.17 प्रतिशत गिरकर 24,717.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 324.05 अंक फिसलकर 24,686.85 पर आ गया था।इसके साथ ही शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने लगातार नए रिकॉर्ड स्तरों को हासिल किया।

अब बैंक अकाउंट में बना सकेंगे 4 नॉमिनी, सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को बैंकिंग कानून से जुड़े कई अहम संशोधनों को मंजूरी दी है। इनमें सबसे खास है बैंक खातों के लिए 4 नॉमिनी का ऑप्शन। बैंकिंग कानून में बदलाव के बाद बैंक खातों के भी एक से अधिक नॉमिनी हो सकेंगे। इससे अकाउंट होल्डर की मौत के बाद खाते के पैसे जॉइंट अकाउंट होल्डर या वारिस को आसानी से मिल सकेंगे। ह्लक्ष्ड संग समझें कि इस नियम की क्यों पड़ी जरूरत और इससे लोगों को क्या सहूलियत होगी।

मार्च के अंत तक वैसे अकाउंट की संख्या बढ़कर 78 हजार करोड़ हो गई, जिनके लिए कोई क्लेम करने वाला नहीं है। इसका एक

बड़ा कारण यह भी है कि अब तक अकाउंट में एक ही नॉमिनी का ऑप्शन है। ऐसे में यदि किसी दुर्घटना में नॉमिनी की भी मौत हो जाती है तो उसके बाद क्लेम में कई परेशानियां आती हैं। सरकार अनक्लेम्ड अकाउंट की संख्या कम करना चाहती है।

क्या फायदा होगा

एक से अधिक नॉमिनी होने से अनक्लेम्ड अकाउंट की संख्या घटेगी और परिजन को उनके पैसे मिल सकेंगे। मान लीजिए कि पति ने पत्नी को और पत्नी ने पति को नॉमिनी बनाया, लेकिन किसी दुर्घटना में दोनों की मौत हो गई। लेकिन, यदि नॉमिनी नंबर 2, 3, 4... होंगे तो इस तरह के हादसों के बाद भी दावेदार बचे रहेंगे और अकाउंट होल्डर के नॉमिनी को पैसे मिल सकेंगे। इसलिए, हर अकाउंट के नॉमिनी की संख्या 4 करने पर विचार किया जा रहा है।

अभी क्या है नियम

अभी आप जब बैंक अकाउंट खुलवाते हैं तो आपको नॉमिनी तय करने का ऑप्शन होता है। अकाउंट होल्डर की मौत के बाद खाते में जमा पैसे को नॉमिनी को देना होता है। अभी शेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट में एक ही नॉमिनी तय करने का ऑप्शन है।

कहां से आया कई नॉमिनी का आइडिया

इंश्योरेंस और हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली अकाउंट में अभी एक से अधिक नॉमिनी तय करने की सहूलियत है। 4 नॉमिनी का आइडिया सरकार को यहीं से मिला है। बदलाव को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस विधेयक को संसद में पेश करेंगी। पब्लिक प्रॉविडेंट फंड के लिए भी कई नॉमिनी पर विचार हो रहा है, हालांकि पूरी जानकारी संसद में विधेयक पेश होने पर ही मिल सकेगी।

अनक्लेम्ड पैसे का क्या होगा

नए बदलाव के तहत यदि किसी अकाउंट में शेयरों का बोनस (डिविडेंड) या बॉण्ड का पैसा पड़ा है और उसके लिए कोई क्लेम नहीं आया तो उसे इन्वेस्टर एजुकेशन प्रोटेक्शन फंड आइइपीएफ में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। फिलहाल, केवल बैंकों के शेयर ही आइइपीएफ में ट्रांसफर होते हैं।

बारिश ने फिर बिगाड़ा किचन का बजट, दिल्ली-एनसीआर में सब्जियों के दाम बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में सब्जियों के रेट फिर से आसमान छूने लगे हैं। कारण है उत्तर भारत समेत कई राज्यों में हो रही भारी बारिश। इससे किचन का बजट गड़बड़ाने लगा है। बारिश के कारण दिल्ली की सब्जी मंडियों में सब्जियों की आवक घट गई है। व्यापारियों का दावा है कि दो से तीन दिनों के अंदर सब्जियों के दाम और बढ़ जाएंगे। वहीं, हिमाचल प्रदेश में ज्यादा बारिश होने के चलते सेब की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। जिससे उसके दाम तेज होने की आशंका बनी हुई है।

दिल्ली में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों से सब्जियों की सप्लाई होती है। लेकिन बीते कुछ दिनों से इन इलाकों में लगातार हो रही बारिश के चलते यहां गोभी, शिमला मिर्च, भिंडी समेत कई सब्जियां

खराब हो गई हैं। इससे इनकी आवक मंडी में घट गई है। आवक कम होने के कारण इनकी कीमतों में उछाल आ गया है।

सप्लाई पर पड़ा असर

व्यापारियों के मुताबिक, आजादपुर सब्जी मंडी में शनिवार को शिमला मिर्च की महज 6 गाड़ियां ही आईं, जबकि सामान्य दिनों में करीब 30 गाड़ियां आती थीं। वहीं, पत्ता गोभी की शनिवार को 2 गाड़ियां आईं, जबकि सामान्य दिनों में छह गाड़ियां आती थीं। भिंडी की शनिवार को महज 2 गाड़ियां आईं, जबकि चार दिन पहले 10 गाड़ी आई थी।

कितनी बढ़ गई कीमत

आजादपुर सब्जी मंडी के वेजिटेबल ट्रेडर्स असोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल मल्होत्रा ने बताया शनिवार को मंडी में गोभी का थोक रेट 60 रुपये प्रति किलो था, जबकि चार दिन पहले इसी गोभी की कीमत 35 से 40 रुपये, शिमला मिर्च की कीमत शनिवार को 55 रुपये प्रति किलो रही, जबकि चार दिन पहले 40 रुपये, भिंडी 50 रुपये किलो में बिकी, जबकि चार दिन पहले 14 रुपये किलो थी।

टमाटर का उत्पादन भी प्रभावित

बारिश के कारण टमाटर के उत्पादन पर काफी असर पड़ा है। कई जगह टमाटर का उत्पादन बंद हो गया है। कुछ समय पहले टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो को पार कर गई थी। लोगों को राहत देने के लिए दिल्ली-एनसीआर में राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ की ओर से 60 रुपये प्रति किलो की दर पर टमाटर बेचा गया था। लेकिन बारिश के बाद फिर से टमाटर की कीमतें बढ़ा दी हैं। कुछ जगह टमाटर का उत्पादन बंद होने से इसकी कीमतें और बढ़ सकती हैं। वहीं अभी सब्जियों की कीमत में नरमी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही। अगले कुछ दिन और भारी बारिश हो सकती है। ऐसे में न केवल सब्जियों के आवक कम हो जाएगी बल्कि कीमत भी बढ़ जाएगी।

स्कूल ड्रॉपआउट ने 19 की उम्र में शुरू की कंपनी, 23 में करोड़पति, सीबीआई और रिलायंस क्लाइंट!

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी मेहनत और लगन से त्रिशनीत अरोड़ा तेजी से कामयाबी की ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। 23 साल की उम्र में ही वह करोड़पति बन गए थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज, गूगल, बीएसई, एनएसई, एयरटेल जैसी बड़ी कंपनियों के साथ सीबीआई सरीखे संस्थानों को अपना क्लाइंट बनाकर उन्होंने भारत के सबसे कम उम्र के सफल उद्यमियों में अपनी जगह बनाई। त्रिशनीत अरोड़ा टीएसी सेक्यूरिटी के संस्थापक हैं। 2013 में इसकी नींव उन्होंने 19 साल की उम्र में रखी थी। आइए, यहां त्रिशनीत अरोड़ा की सफलता के बारे में जानते हैं।

त्रिशनीत अरोड़ा की टीएसी सेक्यूरिटी रिस्क और वल्नरेबिलिटी मैनेजमेंट के क्षेत्र में दुनियाभर में जानी जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके यह कंपनी सिस्टम में कमजोरियों का पता लगाती है। साथ ही उन्हें दूर करने में मदद करती है। यह कंपनी फॉर्च्यून 500 कंपनियों और दुनियाभर की सरकारी एजेंसियों सहित कई ग्राहकों को डेटा सुरक्षा सेवाएं प्रदान करती आई है। उसके ग्राहकों की फेहरिस्त में रिलायंस इंडस्ट्रीज, गूगल जैसी दिग्गज कंपनियों के अलावा सीबीआई जैसे सरकारी संस्थान शामिल रहे हैं। त्रिशनीत अरोड़ा के नेतृत्व में टीएसी सेक्यूरिटी ने भारत के बाहर भी अपनी पहचान बनाई है। यह कंपनी अब दुनियाभर के विभिन्न उद्योगों और सरकारी एजेंसियों को अपनी सेवाएं दे रही है। इसने क्रिटिकल डेटा और इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में अपनी प्रतिष्ठा मजबूत की है। त्रिशनीत का प्रभाव उनकी अपनी कंपनी की सफलता तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने पंजाब और गुजरात की राज्य सरकारों के लिए ढ्ढञ्ज सलाहकार के रूप में भी काम किया है। त्रिशनीत अरोड़ा ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करके इन राज्यों में साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने में मदद की है। दिलचस्प यह है कि त्रिशनीत ने हाईस्कूल में ही पढ़ाई छोड़ दी थी। कंपनी का रेवेन्यू 136 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। यह टीएसी सेक्यूरिटी के तेजी से विकास और त्रिशनीत अरोड़ा के बिजनेस कौशल का प्रमाण है।

संक्षिप्त समाचार

स्टार्टअप यात्रा गाड़ी का रांची में स्वागत

रांची, एजेंसी। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ), नयी दिल्ली के तत्वावधान में एमएसएमइ और स्टार्टअप यात्रा आयोजित की जा रही है. इसका उद्देश्य एमएसएमइ और स्टार्टअप के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सरकार की ओर से मिल रही सुविधाओं की जानकारी देना है. इसके तहत 100 दिनों तक 100 कार्यक्रम 100 शहरों में किया जा रहा है. इसी क्रम में स्टार्टअप यात्रा गाड़ी का रांची में स्वागत किया गया.साथ ही रांची शाखा की चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बागला, पूर्व अध्यक्ष सीए पंकज मक्कड़, सीए निशांत मोदी, सीए राधेश्याम अग्रवाल, सीए विनय विभाकर, सीए आदित्य शाह, सीए विकास पोद्दार, सीए आनंद जैन, सीए हर्षित गोयल, सीए तनुज जालान और सीए हर्ष अग्रवाल ने गाड़ी को झंडा दिखाकर रांची से रवाना किया. सीए श्रद्धा बागला ने कहा कि देश के विकास में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमइ) और स्टार्टअप का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. संस्थान ने पिछले 27 जून से बेंगलुरु से 100 दिन की यात्रा शुरू की है.

नयी शिक्षा नीति के तहत पुस्तकों का किया जा रहा प्रकाशन : डॉ शांडिल्य

रांची, एजेंसी। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के कुलपति कक्ष में पर्यावरण अध्ययन की एक पाठ्य पुस्तक का विमोचन शनिवार को कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने किया. यह पाठ्य पुस्तक डॉ नमिता लाल द्वारा संपादित, अनुशील द्वारा लिखित और पर्यावरण अध्ययन विभाग के सदस्यों (डॉ देबू मुखर्जी, डॉ अमृता लाल, सोनी कुमारी व संदीप प्रसाद) द्वारा तैयार की गयी है. यह पुस्तक नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए लिखी गयी है.इस मौके पर कुलपति ने कहा कि कुछ दिनों के अंतराल पर डीएसपीएमयू में विवि के शिक्षकों द्वारा लिखित कई उपयोगी पुस्तकों का लोकार्पण किया गया है. इन सभी पुस्तकों के प्रकाशन की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि ये सभी पुस्तकें नयी शिक्षा नीति को ध्यान में रखकर संबंधित विभागीय शिक्षकों द्वारा लिखी गयी हैं. विवि के पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आनेवाले दिनों में इसी प्रकार की अन्य पुस्तकों का प्रकाशन किया जायेगा.

महिला के एकाउंट से 25 हजार रुपये की ठगी

देवघर, एजेंसी। कुंडा थाना क्षेत्र के कुंडा मोड़ के समीप निवासी एक महिला के एसबीआइ एकाउंट से 25 हजार रुपये की साइबर ठगी होने का मामला सामने आया है. इस संबंध में कुंडा मोड़ निवासी प्रियंका पांडेय शिकायत देने शनिवार दोपहर बाद साइबर थाना पहुंची. उसने बतायी कि उसे न ही कोई कॉल आया और न ही कोई मैसेज या लिंक आया, बावजूद उसके बिना कुछ बताये उसके एकाउंट से उक्त रुपयों की अवैध निकासी हो गयी. प्रियंका के अनुसार, उसके एसबीआइ कुंडा के एकाउंट से दो अगस्त को अवैध निकासी हुई है. चार बार में उसके एकाउंट से रुपयों की निकासी की गयी है. पहली बार में 3000 रुपये, दूसरी बार में 1500 रुपये, तीसरी बार में 14000 रुपये व अंतिम बार में बाकी रुपये उसके एकाउंट से ट्रांसफर किये गये हैं. मामले को लेकर उसके पिता ओंकार नाथ पांडेय ने कुंडा एसबीआइ शाखा में भी लिखित शिकायत दे दी है. मामले में उसने साइबर थाने की पुलिस से कार्रवाई की मांग करते हुए अवैध निकासी हुए रुपये वापस कराने का आग्रह की है.

लोगों को कानूनी सहायता के बारे में दी गयी जानकारी

मुरलीपहाड़ी, एजेंसी। डालसा जामताड़ा के तत्वावधान में चलंत लोक अदालत सह न्याय रथ शनिवार को चंदाडीह–लखनपुर पहुंचा. न्याय रथ में असिस्टेंट एलएडीसीएस अरिजीत बॉस, पैनल अधिवक्ता दिलीप कुमार सिन्हा एवं पीएलवी सवार थे. अधिवक्ता दिलीप सिन्हा ने ग्रामीणों को कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी. कहा कि चलंत लोक अदालत एक अगस्त 2024 से प्रारंभ है. गांव में घूम–घूम कर लोगों को कानून के प्रति जागरूक किया जा रहा है. साथ ही सरकार की ओर से चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी जा रही है. ताकि लोग जागरूक होकर अपना हक–अधिकार प्राप्त कर सकें. न्याय रथ रामनगर पहुंचा, सड़क दुर्घटना में 12 वर्षीय एक बच्ची की मौत मामले को लेकर उनके परिजन से जानकारी ली. मौके पर पीएलवी प्रदीप रजक, शहादत अली, मोहन रजवार, अनुज ओझा, अशोक रवानी, बिहारी रवानी आदि मौजूद थे.

विधायक भूषण बाड़ा ने मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना की शुरुआत की

सिमडेगा, एजेंसी। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत शनिवार को सिमडेगा प्रखंड के गरजा पंचायत में योजना का उदघाटन सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने किया. मौके पर बताया गया कि यह झारखंड सरकार की एक महत्त्वकांक्षी योजनाओं में से एक है. इस योजना के अंतर्गत सभी महिलाएं जिनकी उम्र 21-50 तक है उन्हें सम्मान स्वरुप एक हजार रूपये प्रतिमाह दिया जायेगा. यह राशि सीधे बैंक खाते में जायेगी. विधायक ने कहा कि योजना का लाभ जब तक गठबंधन की सरकार है तब तक दिया जायेगा. इसका लाभ उठाने के लिए प्रखंड, पंचायत और आंगनवाड़ी केंद्र में इसके फार्म उपलब्ध हैं. इसकी प्रक्रिया ऑनलाइन है जो की पंचायत के ऑपरेटर के माध्यम से भरी जायेगा. समारोह सम्मेलन में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराइबुरू ,सिमडेगा प्रखंड विकास पदाधिकारी, सिमडेगा सीडीपीओ, जिप सदस्य जोसिमा खाखा, जिप सदस्य शांतिबाला केरकेट्टा, जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन, विधायक प्रतिनिधि शकील अहमद, विधायक प्रतिनिधि अख्तर खान, विधायक प्रतिनिधि अरविंद लुगुन, प्रमुख सुशीला देवी, उप प्रमुख सिलबेस्टर, मुखिया बसंती डुंगडुंग, तनु डूंगडूंग, प्रतिमा कुजूर, उर्मिला केरकेट्टा, उप मुखिया मयंती तिर्की, डॉ

इम्तियाज हुसैन, सलीम बेक, मनोज बरवा आदि उपस्थित थे. मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ किया गया जलडेगा. प्रखंड में मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ किया गया. सभी पंचायतो के प्रज्ञा केंद्रों में कैंप का आयोजन किया गया. इस दौरान जनप्रतिनिधियों के अलावा काफी संख्या में महिला आवेदन के लिए पहुंची. आवेदन ऑनलाइन कराया. बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार ने बताया कि योजना के पहले दिन जलडेगा पंचायत में छः एवं लोंबोई पंचायत में एक महिला का पंजीकरण हो सका है. कैंप 10 अगस्त तक जारी रहेगा. कुरडेग में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ फोटो फाइल- 3 एसआइएम-2- उदघाटन करते जिप उपाध्यक्ष कुरडेग. प्रखंड कार्यालय के सभागार में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ जिप उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल, बीडीओ गौरी शंकर शर्मा, अंचल अधिकारी किरण डांग,बीस सूत्री अध्यक्ष वाल्टर टोप्पो, उप प्रमुख अजय जायसवाल ने संयुक्त रूप से किया. बीडीओ ने उपस्थित लोगों को योजना के बारे में बताया कि 21 वर्ष से ऊपर और 50 वर्ष से नीचे उम्र के लोगों को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत हर माह एक हजार रुपये दिया जायेगा. सरकारी कर्मी ,संविदा कर्मी ,स्थायी कर्मी, मानदेय कर्मी के परिवार के लोग इस योजना में शामिल नहीं हो सकते हैं. तीन अगस्त से 10 अगस्त तक यह कैंप सभी पंचायत में चलेगा. इसके बाद भी लोग प्रज्ञा केन्द्र में जा कर ऑनलाइन करा सकेंगे. सिर्फ दो लोगों का हुआ ऑनलाइन पूरे प्रखंड में आज सिर्फ दो लाभुक का ही ऑनलाइन हुआ. पोर्टल का सर्वर ठीक नहीं होने के कारण घंटो तक ग्रामीणों को इंतेजार करना पड़ा. फिर भी सर्वर ठीक नहीं हुआ. सीओ ने बताया सर्वर ऊपर से ही खराब चल रहा है. इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गयी है. रविवार को सर्वर ठीक होने की संभावना है. आवेदन जमा करने की कार्रवाई शुरू फोटो फाइल- 3 एसआइएम-7-आवेदन जमा करती महिलाएं सिमडेगा. सिमडेगा जिले के विभिन्न पंचायत में उपायुक्त अजय कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से आच्छादित करने के लिए कैंप लगाकर आवेदन भरने की कार्रवाई शनिवार को शुरू की गयी. झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर सभी पंचायतों एवं शहरी क्षेत्र में कैंप का आयोजन किया जा रहा है. शिविरों में बड़ी संख्या में लाभुक महिलाएं पहुंच रही हैं. साथ ही आवेदन भरकर जमा भी कर रही हैं. सभी प्रखंडों में प्रतिनियुक्त जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी एवं बीडीओ, सीओ शिविर के सफल एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर सक्रिय हैं. 21-50 आयु वर्ग के महिलाओं से अपील की गयी है कि अपने नजदीकी शिविर में शामिल होकर आवेदन जरूर जमा करें.

रांची व आसपास के इलाकों में आज हल्की बारिश की संभावना, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी। मौसम विभाग की ओर से शनिवार को रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में भारी वर्षा होने की चेतावनी दी गई थी। राज्य सरकार की ओर से मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी गई थी। हालांकि रांची शहरी क्षेत्र में दिनभर रिमझिम फुहारें गिरीं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के तहत रविवार को राजधानी रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए रहेंगे और हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से गढ़वा, पलामू व चतरा जिले में येलो अलर्ट जारी कर कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा राज्य में कुछ स्थानों पर गरज के साथ वज्रपात होने की संभावना भी है। वरीय मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि रविवार को राज्य में कई स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। आगामी पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में बड़ा परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि फिलहाल दक्षिण-पश्चिम बिहार व उससे जुड़े उत्तर-पश्चिम झारखंड के ऊपर बना डीप डिप्रेशन उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है। आगामी 48 घंटे में यह सिस्टम दक्षिण-पश्चिम बिहार व उससे जुड़े उत्तर-पश्चिम झारखंड के क्षेत्रों समेत दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश व पूर्वी मध्य प्रदेश की ओर बढ़ेगा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार की सुबह 8-30 से शनिवार की सुबह 8-30 बजे तक रांची में 171 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।शनिवार को रांची का अधिकतम तापमान 24.4 व न्यूनतम तापमान 22.4 मिलीमीटर दर्ज की गई।

श्रावणी मेले में प्रशासन ने करीब 15000 से अधिक श्रद्धालुओं को परिजनों से मिलवाया

बासुकिनाथ, एजेंसी। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2024 के तेरह दिन बीत चुके हैं. इस अवधि में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बासुकिनाथ पहुंचकर बाबा फौजदारीनाथ का जलाभिषेक किया एवं अपनी मनोकामना मांग कर सकुशल अपने घर लौट गये. सूचना जनसंपर्क विभाग द्वारा पिछले 13 दिनों में विभिन्न माध्यमों से लगभग 15000 से अधिक श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया गया है. श्रद्धालु बाबा फौजदारीनाथ पर जलार्पण करने देश के अलग-अलग राज्यों से आते हैं. जलार्पण करने के बाद कुछ श्रद्धालु अपनों से बिछड़ कर अपने घर को नहीं लौट पाते. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा सूचना सहायता कर्मियों की प्रतिनियुक्ति मेला क्षेत्र में बनाये गए विभिन्न शिविरों में की गयी है. जिनका मुख्य दायित्व बिछड़े श्रद्धालुओं को अपने परिजनों से मिलाना एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो इसे सुनिश्चित करना है. बाबा पर जलार्पण के बाद जब अपने परिजनों से बिछड़ जाते हैं ऐसे समय में सूचना सहायता कर्मी उनकी मदद करते हैं एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से संपूर्ण मेला क्षेत्र में लगे साउंड सिस्टम की मदद से उनके परिजनों को ढूंढने के कार्य करते हैं. इतना ही नहीं कई बार सोशल मीडिया की मदद से श्रद्धालु के परिजन को ढूंढने का कार्य किया जाता है. सूचना सहायता कर्मी सोशल मीडिया के विभिन्न ग्रुप में श्रद्धालु के परिजनों की तस्वीर को भेजते हैं, जिसके मदद से श्रद्धालुओं के परिजनों को ढूंढने में काफी आसानी भी होती है अपने परिजनों से मिलकर श्रद्धालु जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार द्वारा मेला क्षेत्र में की गयी व्यवस्था की खूब प्रशंसा करते हैं, धन्यवाद देते हैं. जाते जाते श्रद्धालु अगले वर्ष फिर से आने की भी बात कह जाते हैं.

गोधर में गैस रिसाव व धुआं से सांस लेना मुश्किल

गोधर, एजेंसी। शहर में हो रही लगातार बारिश ने गोधरा शहर के हालात को गंभीर बना दिया है. बारिश के कारण न केवल जनजीवन प्रभावित हुआ है, बल्कि शहर के कई हिस्से धुएं में ढक गये हैं. कोयला खदानों की वजह से ऐसे स्थिति हुई है. स्थानीय लोगों ने बताया कि जमीन के नीचे लगी आग की वजह से धुआं निकल रहा है. गैस रिसाव की वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है.

लगातार हो रही बारिश ने गोविंदपुर रेजली बांध के जीर्णोद्धार कार्य में बाधा उत्पन्न कर दी. तालाब के ऊपरी हिस्से में रखा मिट्टी का ढेर व सारा कचरा तालाब में घुस गया. संवेदक ने मिट्टी काटने के बाद पार्क बनाने के लिए उसे स्टॉक में रखा था. बारिश की वजह से अब तक तालाब का गहरीकरण कार्य बेकार हो गया. भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अधिवक्ता जया कुमार ने शुक्रवार को कहा कि संवेदक की लापरवाही से डीएमएफटी फंड का पांच करोड़ रुपये बर्बाद हो गया. यहां केवल पश्चिम दिशा की चहारदीवारी बची हुई है. उन्होंने उपायुक्त एवं उप विकास

आयुक्त से मामले की जांच की मांग की है.

लगातार हो रही बारिश का असर शुक्रवार को एसएनएमएमसीएच व सदर अस्पताल के ओपीडी पर भी दिखा. आमतौर पर एसएनएमएमसीएच के ओपीडी में 1200 से 1300 मरीज रोजाना इलाज कराने पहुंचते है. शुक्रवार को मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज की गयी. शुक्रवार को सुबह व शाम की ओपीडी में 350 मरीजों का ओपीडी रजिस्ट्रेशन किया गया. इसी तरह सदर अस्पताल में भी मरीजों की संख्या अन्य दिनों के मुकाबले कम रही. सामान्य दिनों में सदर अस्पताल के ओपीडी में 700 से 800 मरीज इलाज कराने पहुंचते है. शुक्रवार को महज 103 मरीज ही पहुंचे.

बरसात में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को ले रेल प्रशासन चौकस

लगातार हो रही बारिश को लेकर सुरक्षित रेल परिचालन को लेकर रेलवे प्रशासन चौकस है. इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बरसात में ट्रेन तथा रेल पटरियों की सुरक्षा के लिए पेट्रोलिंग शुरू कर दी गयी है. बरसात में पहाड़ी क्षेत्र में पहाड़ का मलवा, चट्टान या पेड़ आदि रेल पटरी पर गिरने का भय रहता है. ऐसी स्थिति से निपटने के लिए 30 जुलाई से मॉनसून पेट्रोलिंग शुरू कर दी गयी है. इसमें दो कर्मियों को डयूटी पर भेजा जाता है. गझंड़ी से गुरपा तक 20 किमी चौबीस घंटे पेट्रोलिंग जारी है. रेल पटरी पर किसी तरह की बाधा उत्पन्न होने की स्थिति में तुरंत नज़दीकी स्टेशन को सूचना देकर परिचालन रोक दिया जाता है. पेट्रोल मैन घटनास्थल से कई मीटर पहले रेडियम लगा वर्दी पहन पटरी किनारे खड़ा होकर लाल झंडी दिखा ट्रेन रोकने का संकेत देता है. अगर उसके सूचना देने से पहले ट्रेन स्टेशन से छूट चुकी है, तो रात में लाइट का संकेत देकर घटनास्थल के पूर्व ट्रेन रुकवा देते हैं. गोमो-गया रेलखंड पर गझंडी से गुरपा तक 20 किमी घाट सेक्शन है. इस पर कई बार पहाड़ से चट्टान लुढ़कने या मलबा पटरी पर गिरने की घटनाएं हो चुकी है. इससे निबटने को रेल इंजीनियरिंग विभाग चौकस है.

खरीदने जा रही है झारखंड पुलिस, सरकार को भेजा प्रस्ताव

रांची, एजेंसी। वीआइपी सुरक्षा से लेकर नक्सलियों तक के विरुद्ध झारखंड पुलिस अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करेगी। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। इन हथियारों की खरीदारी पर करीब 15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ये हथियार ऑर्डिनेंस फैक्ट्री तिरुचिरापल्ली से खरीदे जाने हैं।

झारखंड पुलिस ने राज्य सरकार को इससे संबंधित प्रस्ताव दिया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के आवंटन से ही उक्त हथियार की खरीदारी होनी है।

सरकार को जो प्रस्ताव भेजा गया है, उसके अनुसार 7.62 एमएम त्रिची असाल्ट राइफल (टीएआर) की खरीदारी होनी है, जिसका साइड फोल्डेबल बट होगा। ऐसे 1597 राइफल खरीदे जाने हैं। इन हथियारों से संबंधित अन्य सामग्री की भी खरीदारी होनी है। इन हथियारों की खरीद पर कुल 15 करोड़ 28 लाख 29 हजार 706 रुपये खर्च होने हैं। पुलिस मुख्यालय ने राज्य सरकार से इससे संबंधित आवंटन मांगा है।

त्रिची असाल्ट राइफल अन्य राइफल की तुलना में कम वजन की होती है। यह एके-47 जैसी राइफल होती है। इससे सिंगल शॉट या ऑटोमैटिक फायरिंग कर सकते हैं। इसकी सही रेंज 300 मीटर है। ऑटोमेटिक रेंज में 500 मीटर व सिंगल शॉट में 1350 मीटर तक यह दुश्मन को मारने में सफल है।

मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान में बीएसएफ में यह राइफल उपयोग में लाया जा रहा है। कम वजनी होने के चलते इस हथियार को लंबे समय तक ढोने में जवानों को थकान नहीं होगा। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जंगलों में पैदल मार्च करना होता है। ऐसी स्थिति में यह हथियार बहुत कारगर साबित होगा।

प्रधान सचिव के निर्देशानुसार अनुमंडलीय अस्पताल में जल्द शुरू होगा आंखों का ऑपरेशन : निदेशक प्रमुख

मधुपुर, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक प्रमुख डॉ चंद्र किशोर शाही ने शनिवार को अनुमंडल अस्पताल मधुपुर का निरीक्षण किया. उन्होंने बारी-बारी से डेंटल कक्ष, ओपीडी कक्ष, टीकाकरण कक्ष, आकस्मिक विभाग, एक्स-रे विभाग, लैब, नेत्र विभाग समेत सभी विभागों का निरीक्षण किया. कहा कि प्रधान सचिव के निर्देशानुसार यहां जल्द आंखों के ऑपरेशन करने की व्यवस्था करनी है, जिसके लिए निचले तल पर ही जगह का चयन कर लिया गया है.

मौके पर नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सक को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं. ताकि जल्द से जल्द नेत्र से संबंधित रोगियों को विशेष चिकित्सा सुविधा मिल सके. दंत कक्ष के बगल में नेत्र विभाग ओटी के लिए चयन किया गया है. इस दौरान उन्होंने बरसात के समय में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश चिकित्सकों को दिया, ताकि मौसमी बीमारी की चपेट में लोग नहीं आयें. अस्पताल में सिजेरियन बढ़ाने को उन्होंने एनेस्थेटिक की प्रतिनियुक्ति सोम, मंगल व बुधवार समेत तीन दिन करने की बात कही.

ताकि गर्भवती रोगी सहित सभी को समुचित लाभ मिल सके. निदेशक प्रमुख ने कहा कि जल्द ही अनुमंडल अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे लगाया जायेगा. वहीं अल्ट्रासाउंड के बारे में पूछने पर कहा कि सोनोलॉजिस्ट नहीं मिलने के कारण अस्पताल में अल्ट्रासाउंड नहीं हो पा रहा है.

नियमित टीकाकरण की प्रतिशतता को बढ़ाने के लिए टीकाकरण सत्र के दौरान स्थल पर जाकर निरीक्षण करने का निर्देश अस्पताल उपाधीक्षक को दिया गया है. वहीं एमटीसी में बच्चों की संख्या बढ़ाने को कहा गया है. इसके लिए आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका से समन्वय स्थापित कर कुपोषित बच्चों को अस्पताल में भर्ती करने की बात कही. उन्होंने संबंधित विभाग के स्वास्थ्य कर्मी के कार्य में शिथिलता को लेकर नाराजगी व्यक्त की. वहीं आरबीएसके के तहत स्कूल में जांच कार्यक्रम को गति देने का निर्देश दिया. नियमित स्कूल जाने के बारे में आयुष चिकित्सक और कर्मी को निर्देश दिया. मौके पर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. मो शाहिद, डॉ. सुनील मरांडी, डॉ इकबाल अंसारी समेत ऑन ड्यूटी चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे.

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म में मुजरिम को 10 वर्ष कैद

रांची, एजेंसी। नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म करने के एक मामले में शुक्रवार को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मुजरिम चांदमारी धनसार निवासी अरुण हाड़ी को 10 वर्ष कैद व 12 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनायी है. एक अगस्त को अदालत ने उसे भादवि की धारा 366 व पोक्सो एक्ट की धारा 4 में दोषी ठहराया था. अभियोजन का संचालन सहायक लोक अभियोजक समित प्रकाश ने किया. प्राथमिकी पीड़िता की मां के शिकायत पर धनसार थाने में दर्ज की गयी थी. इसके मुताबिक आठ जनवरी 2024 की रात्रि करीब आठ बजे आरोपी अरुण पीड़िता को शादी की नीयत से घर से बहला फुसलाकर अपने चाचा के घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया.

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के एक मामले में शुक्रवार को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने नामजद आरोपी जामुड़िया वर्दमान निवासी जावेद हुसैन को दोषी करार दिया है. सजा पर फैसला तीन अगस्त को होगा. जावेद इस मामले में 28 जून 2019 से फरार है. उसकी अनुपस्थिति में अदालत ने अपना फैसला सुनाया है. प्राथमिकी पीड़िता के पिता की शिकायत पर निरसा थाने में दर्ज की गयी थी. इसके मुताबिक 19 जनवरी 2017 को पीड़िता पानी भरने के लिए घर से शाम छह बजे निकली, परंतु वापस नहीं आयी. खोजबीन के दौरान देखा कि एक युवक पीड़िता के गले में रस्सी डालकर व मुंह बंद कर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास कर रहा था. हो हल्ला होने पर वह युवक भागने लगा, तभी ग्रामीण इकट्ठा हो गये. इसके बाद युवक को पकड़ लिया गया.

झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव के करीबी रंजय सिंह उर्फ रवि रंजन सिंह की हत्या मामले की सुनवाई शुक्रवार को जिला व सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में हुई. सुनवाई के दौरान सहायक लोक अभियोजक उमेश दीक्षित ने अदालत में आवेदन देकर पुलिस द्वारा जब्त किये गये वस्तुओं, खून लगा कपड़ा, गोली का खोखा, को मंगवाने की प्रार्थना अदालत से की है. अदालत ने माल खाना प्रभारी को जब्त वस्तुओं को पेश करने का आदेश दिया है. अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख निर्धारित कर दी है. बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता आयुष श्रीवास्तव ने पैरवी की.

धनसार के एक होटल में महिला मैनेजर के साथ यातना और छेड़खानी के मामले के नामजद आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत की अर्जी पर शुक्रवार को सुनवाई टल गयी. दरअसल प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश राम शर्मा की अदालत ने वरीय अधिवक्ता शाहनवाज की दलील सुनने के बाद मामले को सुनवाई के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश दस नीरज कुमार विश्वकर्मा की अदालत में स्थानांतरित कर दिया है. जहां मामले की सुनवाई शनिवार को हो सकती है.

बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड़ स्थित ऋषि नगर निवासी अभिषेक कुमार की 36 वर्षीय पत्नी मणिका अखौरी उर्फ मोना हत्याकांड मामले की सुनवाई शुक्रवार को जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार विश्वकर्मा की अदालत में हुई. सास मीना देवी व ससुर ब्रजेश कुमार कोचगवे द्वारा दायर डिस्चार्ज पिटीशन पर अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक अवधेश कुमार ने बहस की. अदालत ने बचाव पक्ष की बहस के लिए अगली तारीख 16 अगस्त 2024 मुकर्रर कर दी है. बताते चलें कि मृतिका के पिता अखौरी धनेंद्र बिहारी लाल की शिकायत पर बरवाअड्डा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी. इसके मुताबिक मोना को शादी के 13 साल बाद कोई संतान नहीं हुई. इससे उसके सास, ससुर ने उसकी हत्या कर अपने पुत्र की दूसरी शादी करना चाहते थे. घटना के समय घर पर मोना के पति अभिषेक कुमार, ससुर ब्रजेश कुमार कोचगवे, सास मीना देवी मौजूद थे. तीनों ने मिलकर पांच लाख रुपये दहेज को लेकर मोना की हत्या कर दी. पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त नुकीली छीलनी वह खून से सना तौलिया अभिषेक व उसके माता-पिता के मोबाइल को जब्त किया है. श्री लाल ने अपने दामाद अभिषेक कुमार, समधी ब्रजेश कुमार कोचगवे व समधन मीना देवी पर अपनी बेटी मणिका अखौरी उर्फ मोना की हत्या गला घोंटकर करने का आरोप लगाया है. पुलिस ने 19 जुलाई 2023 की रात तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर 20 जुलाई को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था. हालांकि फिलहाल तीनों आरोपी जमानत पर हैं.

दो बार की ओलंपिक चैंपियन फ्रेजर चोट के कारण 100 मीटर दौड़ से हटी

सेंट डेनिस (फ्रांस), एजेंसी। ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता शेली एन फ्रेजर प्राइस अज्ञात चोट के कारण पेरिस ओलंपिक खेलों की इस स्पर्धा से हट गई हैं। जमैका की फ्रेज़र प्राइस ने शनिवार को

सेमीफाइनल से पहले हटने का फैसला किया। ओलंपिक अधिकारियों के अनुसार उनकी चोट अज्ञात है। टीम मैनेजर लुडलो वॉट्स ने जमैका ऑब्जर्वर से कहा, 'हमें केवल इतनी जानकारी मिली है कि वह चोटिल है। टीम का एक डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। फ्रेजर प्राइस ने बीजिंग ओलंपिक 2008 और लंदन ओलंपिक 2012 में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा था कि यह उनका पांचवा और अंतिम ओलंपिक होगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी अपनी पोस्ट में अपने समर्थकों का आभार व्यक्त किया लेकिन अपनी चोट के बारे में खास जानकारी नहीं दी। फ्रेजर प्राइस ने कहा, 'मैं अपनी निराशा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती। मैं जानती हूं कि मेरी इस निराशा में मेरे समर्थक मेरे साथ हैं। मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि 2008 में मेरे ओलंपिक पदार्पण के बाद से मुझे अपने प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। आप सभी हर जीत, हर कदम पर मेरे साथ रहे। यह स्टार एथलीट पहले राउंड में 10.92 सेकंड के साथ अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रही थी।

चैंपियंस ट्रॉफी

आईसीसी ने 544 करोड़ का बजट तय किया

इसमें पाकिस्तान के बाहर वेन्यू के लिए लागतें भी शामिल ; अगले साल खेला जाएगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने चैंपियन ट्रॉफी 2025 के लिए बजट तय कर दिया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी ने हाल ही में कोलंबो में अपनी एनुअल जनरल मीटिंग में करीब 544 करोड़ रुपए (65 मिलियन डॉलर) के बजट को मंजूरी दी है। इस बजट में पाकिस्तान के बाहर कुछ खेलों के आयोजन से जुड़ी लागतें भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम पाकिस्तान खेलने के लिए नहीं जाती है तो उसके मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत पाकिस्तान से बाहर आयोजित कराए जा सकते हैं। ये मैच यूएई या श्रीलंका में आयोजित हो सकता है। इसलिए बजट राशि को इतना बढ़ाया गया है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान में नहीं खेलने का फैसला किया है। हालांकि अब तक बीसीसीआई ने इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

दो ग्रुप में आठ टीमें - चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। पीसीबी ने टूर्नामेंट के वेन्यू का ड्राफ्ट आईसीसी को सौंप दिया है। टूर्नामेंट का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में होना है। ड्राफ्ट के मुताबिक, भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। वनडे वर्ल्ड कप 1996 के बाद यह पहला मौका है जब पाकिस्तान को किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी दी गई है।

पेरिस ओलंपिक

शूटिंग में बढ़ रही भारतवासियों की रुचि

पिछले 20 सालों में एक तिहाई मेडल निशानेबाजी में

पेरिस, एजेंसी। भारत ने पेरिस ओलंपिक खेलों में अब तक तीन पदक जीते हैं और तीनों पदक भारत शूटिंग में मिले हैं। शूटिंग में भारतवासियों की दिलचस्पी बढ़ रही है और इसकी शुरूआत साल 2004 के ओलिंपिक खेलों में राज्यवर्धन सिंह राठौर ने की जब उन्होंने निशानेबाजी में पदक जीता। पिछले 4 ओलिंपिक खेलों से निशानेबाजी पदकों की सबसे बड़ी उम्मीद रहे हैं और भारत को खुशनुमा परिणाम भी मिले हैं। साल 2004 से भारत ने ओलिंपिक में कुल 22 पदक जीते हैं, जिनमें से 7 पदक, यानी एक तिहाई से सिर्फ एक कम अकेले निशानेबाजी में मिले हैं।

ओलिंपिक में भारत - भारत ने ओनिफिक में अब तक सखेलों में 38 पदक जीते हैं। इनमें सबसे ज्यादा 12 पदक हॉकी में मिले हैं। दूसरे नंबर पर भारत को 7-7 पदक शूटिंग और कुश्ती में मिले हैं। कुश्ती में भारत को पहला पदक 1952 में मिल गया था, जबकि शूटिंग की शुरुआत ही 2004 में हुई थी। पिछले 5 ओलिंपिक खेलों में देश की सबसे ज्यादा ग्रोथ निशानेबाजी में हुई है। फिलहाल हॉकी, शूटिंग और एथलेटिक्स ही ऐसे खेल है, जिनमें भारत के पास कम से कम एक गोल्ड है। ओलिंपिक, वर्ल्ड कप, वर्ल्ड चैम्पियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ जैसे मेजर शूटिंग इवेंट्स में भारत 150 गोल्ड और कुल 400 मेडल जीत चुका है।

तेजी से बढ़ रही शूटिंग खिलाड़ियों की संख्या - आंकड़ों के मुताबिक साल 2016 में हुई 60वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप के राइफल और पिस्टल इवेंट में कुल 4575 शूटर्स ने हिस्सा लिया था। वहीं मौजूदा समय में नेसनल राइफल एसोसिएशन के पास रजिस्टर्ड शूटर्स की संख्या कुल 35,150 है। भोपाल स्थित एसोसिएशन की शूटिंग रेंज के स्थानीय कोच जफवर्धन सिंह चौहान के मुताबिक के रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2023 में 66वीं नेशनल प्रतियोगिता में अकेले फिफ्टल में ही 5 हजार से अधिक निशानेबाज पहुंचे थे।

इसलिए बढ़ रही खिलाड़ियों की रुचि - जयवर्धन के मुताबिक इस खेल में पारदर्शिता के कारण खिलाड़ी अधिक रुचि दिखा रहे हैं। यह व्यक्तिगत खेल है जिसमें हर खिलाड़ी का स्कोर कंप्यूटर में रिकॉर्ड होता है। इसके अलावा नेशनल टीम में अंदर-बाहर होने के लिए खिलाड़ियों को कम से कम स्कोर का क्राइटेरिया विभिन्न नेशनल टूनमिंट में पूरा करना होता है। यह स्कोर पूरा होने पर टीम में जगह मिल जाती है, स्कोर कम होने पर टीम से ड्रॉप हो जाते हैं।

भारत में पिछले 5 सालों में हुए तीन वर्ल्ड कप - देश में अब तक 53 मान्यता प्रप्त स्टेट यूनिट और एसोसिएशन हैं और 5 हजार से ज्यादा शूटिंग रेंज का नेटवर्क है जहां जिला स्तर से नेशनल लेवल तक की ओपन प्रतियोगिताएं होती रहती हैं। साल 2019 के बाद से भारत में 3 आईएसएसएफ वर्ल्ड कप हो चुके हैं। इनमें दो दिल्ली और एक भोपाल में हुआ है।

लीजेंड्स इंटरकांटिनेंटल टी20 लीग का पहला सीजन 18 अगस्त से होगा शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। लीजेंड्स इंटरकांटिनेंटल टी20 के पहले सीजन का आयोजन 18 से 30 अगस्त तक होने जा रहा है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शनिवार को यह शेड्यूल जारी किया। इस टूर्नामेंट में सात टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। इन टीमों में इंडो किंग्स, एशियन एवेंजर्स, यूरो रेंजर्स, अमेरिकन मैवेरिक्स, ट्रांस-तस्मान टाइटंस, अफ्रीकन लायंस और कैरिबियन वाइकिंग्स शामिल हैं।

लीग के राउंड रॉबिन फॉर्मेट के बाद टॉप चार टीमें नॉकआउट स्टेज में पहुंचेंगी। कुल मिलाकर 24 मैच खेले जाएंगे, जिसमें हर दिन दो मैच होंगे। टूर्नामेंट का आगाज इंडो किंग्स और एशियन एवेंजर्स के बीच होगा, जबकि लीग स्टेज का आखिरी मैच ट्रांस-तस्मान टाइटन्स और अफ्रीकन लायंस के बीच 28 अगस्त को खेला जाएगा। सेमीफाइनल 29 अगस्त को और फाइनल 30 अगस्त को होगा। लीग के चेयरमैन और सीओओ अरुण पांडे ने कहा, लीजेंड्स इंटरकांटिनेंटल टी20 सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि क्रिकेट की वैश्विक भावना का जश्न है। हम इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। यह टूर्नामेंट लीजेंड्स के लिए न केवल अपने सुनहरे दिनों को दोहराने का, बल्कि अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को प्रेरित करने का भी एक मंच है। अब हम एक्शन शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते। लीग के सीईओ विशाल शर्मा ने कहा, एलआईटी20 को साकार रूप देना एक बड़ा प्रयास रहा है, और हम खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक असाधारण अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक्स में जीता गोल्ड तो सभी को मिलेगा मुफ्त वीजा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने अभी तक पेरिस ओलंपिक खेलों में अभी तक तीन पदक जीते हैं और तीनों ही कांस्य पदक हैं। भारत की उम्मीदें नीरज चोपड़ा से बनी हुई हैं जिन्होंने टोक्टो ओलंपिक खेलों में भारत को एथलेटिक्स में पहला गोल्ड दिलाया था। इस बार भी उनके गोल्ड की उम्मीदें हैं। ऐसे में एटलीज के संस्थापक मोहक नाहटा ने लिंक्डइन पर यह वादा किया है कि अगर चोपड़ा पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करते हैं, तो एटलीज अपने सभी उपयोगकर्ताओं को मुफ्त वीजा प्रदान करेगा। यह ऑफर एक दिन के लिए होगा। इसका मतलब है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी राष्ट्रीयता का हो, बिना किसी लागत के किसी भी देश के लिए वीजा के लिए आवेदन कर सकता है। लिंक्डइन पर नाहटा ने पोस्ट किया, अगर

नीरज चोपड़ा ओलंपिक में स्वर्ण जीतते हैं तो मैं व्यक्तिगत रूप से सभी को मुफ्त वीजा भेजूंगा। चलो चलें। नाहटा ने स्पष्ट किया कि मुफ्त वीजा सभी देशों के लिए दिए जाएंगे और आवेदक को इसके लिए बिल्कुल भी खर्च नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 30 जुलाई को, मैंने सभी से वादा किया था कि अगर नीरज चोपड़ा स्वर्ण जीतते हैं तो उन्हें मुफ्त वीजा दिया जाएगा। चूंकि आप में से बहुत से लोगों ने विवरण मांगा है, तो यहां बताया गया है कि यह कैसे काम करेगा = नीरज चोपड़ा 8 अगस्त को पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यदि वह स्वर्ण पदक जीतते हैं, तो हम सभी उपयोगकर्ताओं को एक पूरे दिन के लिए एक निःशुल्क वीज़ा प्रदान करेंगे।

क्या हम आपसे कोई शुल्क लेंगे? आपके वीजा की लागत शून्य होगी - यह पूरी तरह से हम पर निर्भर है। इस ऑफर के अंतर्गत कौन से देश शामिल हैं? सभी देश - चुनें कि आप अगली बार कहां यात्रा करना चाहते हैं, इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए आपको क्या करना होगा? अपना ईमेल नीचे कमेंट्स में छोड़ें और हम आपके लिए क्या है एटलीस

एटलीस एक यात्रा वीजा और आपके यात्रा गंतव्य के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करता है। कंपनी वीजा और अन्य आवश्यक यात्रा दस्तावेज प्राप्त करना आसान बनाती है। इसका ऐप यात्रियों को वीजा आवेदन, आवश्यक अपॉइंटमेंट शेड्यूल करने, घर पर पासपोर्ट फोटो लेने और भविष्य में उपयोग के लिए यात्रा दस्तावेज और जानकारी सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने में सक्षम बनाता है। इसके अतिरिक्त, एटलीस विभिन्न देशों में पर्यटकों के लिए प्रमुख प्रतिबंधों और आवश्यकताओं की निगरानी करता है।

ओलंपिक मुक्केबाजी की विवादित स्कोरिंग ने निशांत से छीना पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाजी में विजेता का फैसला एक दूसरे पर घूंसों की बरसात से होता है लेकिन इसकी स्कोरिंग प्रणाली आज तक किसी को समझ में नहीं आई और ताजा उदाहरण पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव का क्वार्टर फाइनल मुकाबला है। निशांत 71 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में दो दौर में बढत बनाने के बाद मैक्सिको के मार्को वेरडे अलवारेज से 1-4 से हार गए तो सभी हैरान रह गए। हर ओलंपिक में यह बहस होती है कि आखिर जज किस आधार पर फैसला सुनाते हैं। निशांत का मामला पहला नहीं है और ना ही आखिरी होगा। लॉस एंजिलिस में 2028 ओलंपिक में मुक्केबाजी का होना तय नहीं है और इस तरह की विवादित स्कोरिंग से मामला और खराब हो रहा है। तोक्यो ओलंपिक 2020 में एम सी मेरीकोम प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला हारने के बाद रिंग से मायूसी में बाहर निकली थी क्योंकि उन्हें

जीत का यकीन था। उन्होंने उस समय कहा था, 'सबसे खराब बात यह है कि कोई रिव्यू या विरोध नहीं कर सकते। मुझे यकीन है कि दुनिया ने इसे देखा होगा। इन्होंने हद कर दी है।% निशांत के हारने के बाद कल पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह ने एक्स पर लिखा, 'मुझे नहीं पता कि स्कोरिंग प्रणाली क्या है लेकिन यह काफी करीबी मुकाबला था। उसने अच्छा खेला। कोई ना भाई। अमैच्योर मुक्केबाजी की स्कोरिंग प्रणाली बीतें बरसों में इस तरह बदलती आई है और धीरे धीरे जजों ने अपनी विश्वसनीयता खो दी।

रोम ओलंपिक 1960 में कई अधिकारियों को एक बाउट में विवादित फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने बाहर कर दिया। इसके बावजूद सियोल ओलंपिक में खुलेआज 'लूट देखी गई जब अमेरिका के रॉय जोंस जूनियर ने कोरिया के पार्क सि हुन पर 71 किलोवर्ग में स्वर्ण पदक के मुकाबले में 86 घूंसे बरसाए और सिर्फ 36 घूंसे खाए। इसके बावजूद कोरियाई मुक्केबाज को विजेता घोषित किया गया। जोंस बाद में विश्व चैम्पियन भी बने लेकिन उस हार को भुला नहीं सके।

सरफराज खान को मिली बड़ी जिम्मेदारी

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले रहाणे की जगह बने इस टीम के कप्तान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को श्रीलंका दौरे के बाद बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है और इसमें एक बार फिर से सरफराज खान खेलते हुए नजर आ सकते हैं। भारत को इस टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज अक्टूबर में खेलना है, लेकिन इससे पहले सरफराज खान को मुंबई क्रिकेट टीम का कप्तान बुची बाबू टूर्नामेंट के लिए बनाया गया है। अजिंक्य रहाणे फिलहाल मुंबई के लिए उपलब्ध नहीं है इसकी वजह से सरफराज खान को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सरफराज खान ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेब्यू किया था। अब मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा सरफराज को कप्तान बनाए जाने के बाद ऐसा लग रहा है कि टीम इस स्टार बल्लेबाज को अगले कप्तान के रूप में तैयार कर रही है। एमसीए ने बुची बाबू टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीम का ऐलान किया और इस टीम में सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर खान को भी शामिल किया गया। मुशीर कान ने अंडर 10 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन से सबके खूब प्रभावित किया था और इंडिया के लिए जमकर रन बनाए थे। अजिंक्य रहाणे इस वक्त काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं और इसकी वजह से ही उन्हें मुंबई की टीम का कप्तान नहीं बनाया गया जबकि शम्स मुलानी जो मुंबई के उप-कप्तान रणजी ट्रॉफी 2023-24 के दौरान थे वो भी इस टीम का हिस्सा नहीं हैं। शम्स मुलानी इस वक्त बेंगलुरु में एनसीए में हैं और अपनी इंजरी से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने प्रदर्शन के लिए सरफराज खान को बीसीसीआई से 2024-25 के लिए ग्रेड सी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला था। सरफराज खान ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए तीसरे टेस्ट मैच में डेब्यू किया था और दोनों पारियों में शतक लगाया था जबकि चौथे टेस्ट में वो फेल रहे थे, लेकिन अंतिम टेस्ट में उन्होंने फिर से अर्धशतक लगाया था और भारत की सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। सरफराज खान को घरेलू सर्किट पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारत के लिए डेब्यू का इंतजार करना पड़ा था।

बुची बाबू टूर्नामेंट के लिए मुंबई की टीम

सरफराज खान (कप्तान), दिव्यांश सक्सेना, अमोघ भटकल, अखिल हेरवाडकर, सिद्धेश लाड, मुशीर खान, नूतन गोयल, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तमोरे, प्रसाद पवार, तनुश कोटियन, अथर्व अंकोलेकर, हिमांशु सिंह, धनित राउत, सिल्वेस्टर डिसूजा, जुनैद खान ,हर्ष तन्ना।

कुछ लोग महिला होने की परिभाषा पर अपना अधिकार जमाना चाहते हैं: आईओसी चीफ थॉमस बाख

पेरिस, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाख ने दो महिला मुक्केबाजों, इमाने खलीफ और लिन यू-टिंग, की पेरिस 2024 ओलंपिक में भागीदारी का समर्थन किया है। इन दोनों मुक्केबाजों को जैविक रूप से पुरुष होने के कारण विवादों का सामना करना पड़ रहा है। खलीफ अल्जीरिया की मुक्केबाज हैं और लिन ताइवान की दो बार की विश्व चैंपियन हैं। इन दोनों को अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पात्रता मानकों को पूरा नहीं करने के कारण, 2023 विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। आईबीए के नियमों के अनुसार, पुरुष एक्सवाई गुणसूत्र वाले एथलीट, जिन्हें मेडिकल तौर पर जैविक रूप से पुरुष माना जाता है, महिलाओं की स्पर्धाओं में भाग नहीं ले सकते हैं। इसी कारण से खलीफ और लिन को महिला प्रतिस्पर्धी होने के बावजूद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। शनिवार को मीडिया को संबोधित करते हुए, बाख ने आईओसी के रुख को दोहराया, और इस बात पर जोर दिया कि दोनों एथलीटों का जन्म, पालन-पोषण, कानूनी और पेशेवर रूप से महिला के रूप में हुआ है।

बाख ने कहा, हम महिला मुक्केबाजी के बारे में बात कर रहे हैं, और हमारे पास दो मुक्केबाज हैं जिनका जन्म महिला के रूप में हुआ है, जिनका पालन-पोषण महिला के रूप में हुआ है, जिनके पास महिला के रूप में पासपोर्ट है, और जिन्होंने कई वर्षों तक महिला के रूप में प्रतिस्पर्धा की है।

गौतम गंभीर ज्यादा समय टिक नहीं पाएंगे, टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जिताने वाले खिलाड़ी ने 3 वजहें बताकर चौंकाया

नईदिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर अब टीम इंडिया के नए हेड कोच हैं. श्रीलंका दौरे से उन्होंने टीम की कमान संभाल ली है. टी-20 सीरीज में भारत के श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप करते ही गौतम गंभीर ने अपनी कोचिंग में पहली सीरीज जीत का स्वाद भी चख लिया है. लेकिन, इन सबके बीच टीम इंडिया की वर्ल्ड कप जीत के हीरो रहे एक खिलाड़ी का चौंकाने वाला बयान वायरल हो रहा है. उनके मुताबिक गौतम गंभीर टीम इंडिया को संभाल तो सकते हैं पर यहां ज्यादा दिन टिकने नहीं वाले.

2007 वर्ल्ड कप के हीरो थे गौतम गंभीर- जोगिंदर शर्मा

गौतम गंभीर को लेकर इस तरह का बयान देने वाले हैं जोगिंदर शर्मा, जो कि 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप का पहला खिताब जीतने वाली टीम इंडिया के हीरो रहे थे. गौतम गंभीर भी उस आईसीसी टूर्नामेंट को जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे थे. जोगिंदर शर्मा का कहना है कि जितना वो गंभीर को जानते हैं, उसके मुताबिक वो ज्यादा दिन भारतीय टीम में नहीं टिकेंगे.

गंभीर के कुछ फैसले पसंद नहीं किये जाते है

जोगिंदर शर्मा का ये हैरतअंगेज बयान सोशल मीडिया पर तेजी से जोर पकड़ रहा है, जिसके पीछे उन्होंने 3 वजहें बताई हैं. उन्होंने पहली बात ये कही कि कई दफा गौतम गंभीर के कुछ फैसले ऐसे हो जाते हैं, जो ज्यादा लोगों को पसंद नहीं आते. ऐसा इसलिए क्योंकि वो सीधी बात करते हैं. जोगिंदर शर्मा के मुताबिक दूसरी बात ये है कि, गंभीर किसी के पास जाने वाले नहीं हैं. चापलूसी करना उनकी आदत नहीं रही है. तीसरी और आखिरी वजह उन्होंने बताई कि गंभीर अपना काम करने में यकीन रखते हैं और कभी ये भी नहीं चाहते कि उन्हें उसका क्रेडिट मिले.

राहुल द्रविड़ की जगह हेड कोच बने गौतम गंभीर

टीम इंडिया में गौतम गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह ली है. टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के साथ ही टीम इंडिया के साथ राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी खत्म हो गया, जिसके बाद गौतम गंभीर को जिम्मेदारी मिली. फिलहाल, गौतम गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर है, जहां वनडे सीरीज खेली जा रही है. टी-20 सीरीज जीतने के बाद गंभीर की नजर वनडे सीरीज में भी जीत का पताका फहराने पर है.

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 05 अगस्त 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

स्टार पावर को लेकर बॉलीवुड पर भड़के अनुराग कश्यप

निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड में स्टार पावर पर जोर दिए जाने को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। अनुराग अक्सर संवेदनशील मुद्दों पर अपनी राय बड़ी ही बेबाकी से रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक प्रमुख कारण है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग बॉलीवुड से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कश्यप ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्मों की तारीफ करते हुए कहा कि बॉलीवुड अक्सर प्रामाणिक कहानी कहने की तुलना में स्टार पावर को प्राथमिकता देता है।

स्टार पावर को महत्व देता है बॉलीवुड

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनुराग कश्यप ने फहाद फाजिल अभिनीत फिल्म 'आवेशम' की प्रशंसा की और कहा कि फिल्म के निर्माता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में तीन प्रभावशाली लोगों को कास्ट करने में साहसी थे। उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड में, वह इन भूमिकाओं को बड़े सितारों से भर देते हैं, वास्तविक कहानी बताने के बजाय स्टार पावर पर ज्यादा जोर देते हैं।

इन फिल्मों की प्रशंसा की

अनुराग कश्यप ने कहा कि बॉलीवुड अक्सर दोहराए जाने वाले फार्मूलों पर काम करता है, लेकिन बॉक्स से बाहर निकलने पर असाधारण फिल्में बन सकती हैं। अनुराग ने पिछले साल आई फिल्म '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' की प्रशंसा करते हुए कहा कि मौलिकता ही उनकी सफलता की कुंजी है। उन्होंने एक्शन ड्रामा फिल्म 'किल' की भी प्रशंसा की।

फिल्मों में पैसा लगाने वाले लोगों को शिक्षित होने की जरूरतः अभिनेता आदिल हुसैन

आदिल हुसैन एक बेहद संजीदा और बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता हैं। उन्होंने अपने बेहतरीन अभिनय से भारतीय फिल्म इंड्रस्टी में अलग पहचान बनाई है। अपने दो दशकों के अब तक के करियर में उन्होंने विभिन्न विषयों पर फिल्में की हैं। शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में शामिल एक कार्यक्रम में आदिल ने फिल्म फेस्टिवल की उपयोगिता और इसके महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म फेस्टिवल का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना होता है। साथ यह बेहद जरूरी है कि किसी तरह की जागरूकता फैलाई जा रही है। फिल्म फेस्टिवल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। यह विभिन्न तरह की कला को एक मंच पर लाता है।

उन्होंने कहा कि मैं भी इससे बेंगलुरु और पांडिचेरी में जुड़ा हूं। हर जनरेशन को आर्ट और कल्चर के बारे में जानना बेहद जरूरी है। कई पीढ़ियों को ग्रामीण भारत को जानने का मौका मिला। भारत एक देश नहीं बल्कि महादेश है। भारत के ग्रामीण जीवन के कई प्रकार हैं। लोगों को इसके बारे में जानना चाहिए। शहरी व्यक्ति हर समय अपने मोबाइल, स्क्रीन पर व्यस्त होता है। वो भी तब जब वो अपने माता-पिता से बात कर रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सिनेमा बहुत अच्छा कर रहे हैं। सिनेमा को पैसा चला रहा है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर देखा जाता है कि भारत के लोग जो फिल्मों में पैसा लगा रहे हैं, उनकी शिक्षा काफी नहीं है। उन्हें शिक्षित होने की बहुत जरूरत है। बता दें कि आदिल हुसैन ने लाइफ ऑफ पाई, द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट और मुक्काबाज जैसी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय किया है। उन्होंने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता है। आदिल ने इंग्लिश विंग्लिश, हाईवे और अय्यारी जैसी फिल्मों में भी यादगार अभिनय किया है।

आरसी 17 की स्क्रिप्ट लगभग पूरी, इस दिन से शुरू होगी राम चरण की फिल्म की शूटिंग!

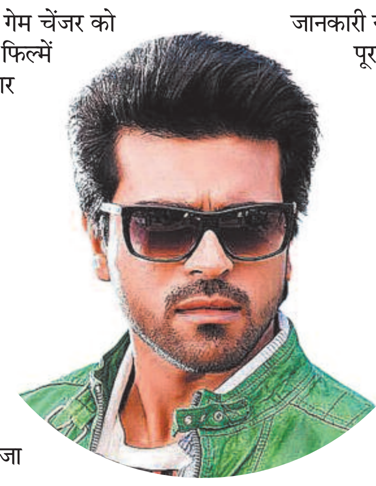

राम चरण इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म गेम चेंजर को लेकर चर्चा में बने हुआ हैं। उनके बाद अन्य कई फिल्में भी कतार में हैं, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में यह राम चरण ने अपनी नई फिल्म आरसी 17 के लिए निर्देशक सुकमार के साथ फिर से जुड़ेंगे। सुकुमार ने पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की आधिकारिक घोषणा भी की थी। वहीं अब इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर नई जानकारियां सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुकुमार के साथ राम चरण की फिल्म की शूटिंग अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगी। सुकुमार-राम चरण की इस फिल्म को भी बड़े ही शानदार तरीके से लॉन्च किया गया था। वहीं अब इस फिल्म को लेकर ताजा जानकारी यह है कि इसकी स्क्रिप्ट का काम लगभग पूरा होने वाला है। वहीं बात करें राम चरण की आने वाली फिल्मों के बारे में तो गेम चेंजर के साथ अभिनेता के पास आरसी 16 भी है। कुछ दिन पहले अभिनेता ने अपनी नई फिल्म आरसी 16 के पूजा समारोह के बाद जान्हवी कपूर के साथ तस्वीरें साझा की थीं। इस फिल्म का निर्देशन बुच्ची बाबू सना कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए जान्हवी कपूर और राम चरण पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

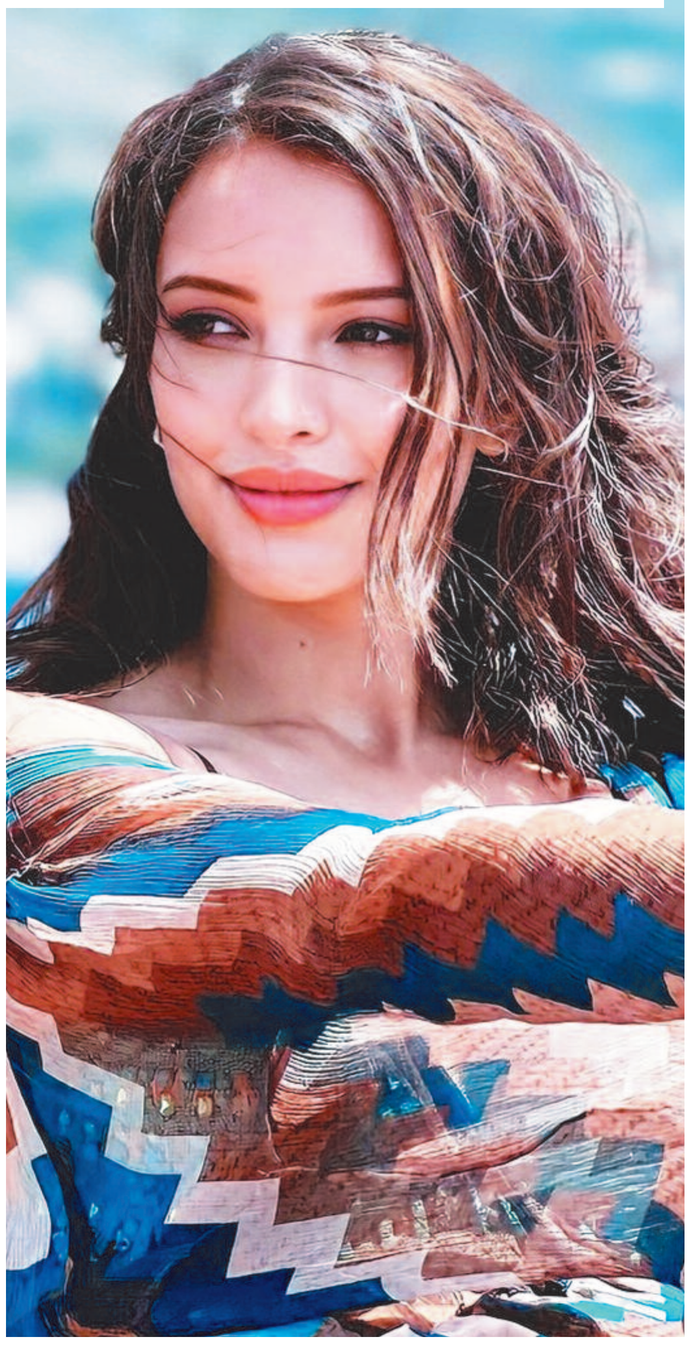

फिल्मों को लेकर बदला तृप्ति डिमरी का नजरिया

इन दिनों तृप्ति डिमरी अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म भुल भुलैया 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान एक ऐसे सह-कलाकार के बारे में बताया, जिसने फिल्मों को लेकर उनका नजरियां बिल्कुल ही बदल दिया था। संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में जोया की भूमिका से सभी को आर्शयचकित कर देने वाली अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब नेशनल क्रश बन चुकी हैं। एक्शन थ्रिलर फिल्म एनिमल में उनके किरदार के बाद उन्हें आमतौर पर भाभी 2 के नाम से पुकारा जाने लगा है। कुछ भी हो लेकिन एनिमल से तृप्ति को काफी प्रशंसा और ख्याति मिली है।

अब तृप्ति ने अपने एक सह-कलाकार की तारीफ की है साथ ही यह भी बताया कि उन्हें फिल्मों को लेकर किसने उनका नजरिया बदला है। 2017 में श्रेयस तलपड़े की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म पोस्टर बॉयज से अभिनय की शुरुआत करने वाली तृप्ति ने एक साल बाद रोमांटिक ड्रामा फिल्म लैला मजनू की थी। इस फिल्म में तृप्ति के अलावा सह-कलाकार अविनाश तिवारी ने मुख्य भूमिका में निभाई थी। यह अविनाश तिवारी ही थे, जिन्होंने तृप्ति को अपने कौशल को निखारने में मदद की और उन्हें एक एक्टिंग वर्कशॉप में शामिल होने का सुझाव भी दिया था। बता दें तृप्ति ने रोमांटिक ड्रामा फिल्म लैला मजनू में अविनाश तिवारी के साथ काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तृप्ति ने कहा कि एक नवोदित कलाकार के लिए अविनाश तिवारी सबसे अच्छे सह-कलाकार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, तृप्ति ने अपने सह-कलाकार अविनाश तिवारी की प्रशंसा की , जिन्होंने उनके जैसे नए कलाकार की मदद की। तृप्ति ने यह भी कहा कि वह काफी दयालु हैं। तृप्ति ने यह भी कहा कि वह उनके साथ और अधिक काम करना चाहती हैं। इंटरव्यू के दौरान ने कहा, उन्होंने एक अभिनय कार्यशाला की सिफारिश की और मुझे वहां भेजा। इससे अभिनय के प्रति मेरा नजरिया बदल गया।

अलग हुए पति निखिल पटेल के खिलाफ दलजीत कौर ने दर्ज कराई एफआईआर

अभिनेत्री दलजीत कौर ने निखिल पटेल से दूसरी शादी रचाई थी, जो ज्यादा दिन नहीं चल पाई। वे कुछ महीनों में ही अगल हो गए। अभिनेत्री ने पति पर धोखा देना का आरोप लगाया है। वहीं, अब दलजीत कौर ने कथित तौर पर अपने अलग हुए पति निखिल पटेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री ने 2 अगस्त को मुंबई के अग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। एफआईआर भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 316 (2) के तहत दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि दलजीत ने निखिल पर क्रूरता और आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया है। दरअसल, केन्या में रहने वाले निखिल पटेल फिलहाल भारत में हैं। वे शुक्रवार को मुंबई पहुंचे, जब उन्हें अपनी कथित गर्लफ्रेंड के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया था। यह पहली बार नहीं है जब दलजीत कौर ने अपने पति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। इस साल जून में अभिनेत्री ने निखिल के खिलाफ नैरोबी सिटी कोर्ट का रुख किया था और निखिल पटेल को केन्या में उनके घर से उन्हें या उनके बेटे को बेदखल करने से रोकने के लिए स्थगन आदेश प्राप्त किया। इससे पहले निखिल ने दलजीत को कानूनी नोटिस भी भेजा था और उन पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, निखिल पटेल ने कहा था कि भारतीय दंड संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (भारत) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 (भारत) के तहत दलजीत कौर के सोशल मीडिया पोस्ट में उन पर विवाह के बाद संबंध का आरोप लगाना गलत है। दलजीत कौर और निखिल पटेल मार्च 2023 में शादी के बंधन में बंधे। हालांकि, दोनों ने इस साल की शुरुआत में यानी शादी के 10 महीने बाद तलाक के लिए अर्जी दी। निखिल ने भी मई में अपने अलगाव की पुष्टि की, जब उन्होंने बताया था कि इस साल जनवरी में दलजीत ने अपने बेटे जेडन के साथ केन्या छोड़ने और भारत लौटने का फैसला किया, जिसके कारण आखिरकार हमारा अलगाव हो गया। हम दोनों ने महसूस किया कि हमारे परिवार की नींव उतनी मजबूत नहीं थी, जितनी हमने उम्मीद की थी, जिससे दलजीत के लिए केन्या में बसना मुश्किल हो गया।

शुक्रवार को दलजीत ने निखिल के जन्मदिन के अवसर पर अपनी शादी की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की थीं। उन्होंने निखिल पर उन्हें दुख पहुंचाने का आरोप लगाया और लिखा, मेरे सामान को आपके पीआर लेखों के माध्यम से आपके द्वारा दी गई तारीख से बहुत पहले स्टोरेज हाउस में भेजने से लेकर उस दीवार को पोंछने तक, जिस पर मैंने महीनों तक अपने चूड़े से पेंटिंग की थी, जिसे मैं बहुत पसंद करती थी। आपके पास मुझे दुख पहुंचाने के कई तरीके हैं और मुझे पता है कि आपने अभी तक ऐसा नहीं किया है। आप जल्द ही और तरीके खोज लेंगे।

ये लड़की आग लगाएगी...

शरवरी वाघ पर आलिया भट्ट ने किया ऐसा कमेंट?

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम की अपकमिंग फिल्म वेदा का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो फैंस को काफी इंप्रेस कर रहा है। फैंस के साथ-साथ कई हस्तियां भी ट्रेलर पर अपना रिएक्शन दे रही हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस आलिया भट्ट की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। वेदा में एक्ट्रेस शरवरी वाघ खास रोल में है, उन्होंने शुक्रवार को फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया।

अपनी पोस्ट में शरवरी ने लिखा, जस्टिस. इक्वलिटी. लिबर्टी. एक लड़ाई, जिसे वेदा और अभिमन्यु अंत तक लड़ेंगे। वेदा का ट्रेलर रिलीज हो चुका हुआ है! फिल्म स्वतंत्रता दिवस पर हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी! शरवरी की पोस्ट को आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीपोस्ट किया और कैप्शन में यह लड़की आग लगाने वाली है, और साथ में फायर इमोजी भी शेयर की।

निर्माताओं ने शुक्रवार को वेदा का ट्रेलर जारी किया, इसमें जॉन अब्राहम, अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और मौनी रॉय हैं। वेदा के ट्रेलर की शुरुआत श्रीमद्भागवत गीता के श्लोक यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत । अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ।। परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम् । धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ।। के साथ होती है। इसके बाद बैकग्राउंड से आवाज आती है कि जब-जब अधर्म बढ़ेगा, मैं धर्म की रक्षा करूंगा। वहीं, दूसरी तरफ शरवरी वाघ भी अपने हक की लड़ाई लड़ते हुए जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आई हैं।फिल्म में जॉन अब्राहम एक आर्मी अफसर मेजर अभिमन्यु कंवर की भूमिका में हैं, जिनका आदेश न मानने का हवाला देते हुए कोर्ट मार्शल कर दिया जाता है। वहीं तमन्ना उनकी लेडी लव के रोल में होंगी। इसके अलावा, शरवरी वेदा की रोल में हैं, जो उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई लड़ती हैं। जाति भेदभाव के आधार पर दलित समुदायों पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ सामाजिक न्याय की मांग करती हैं।

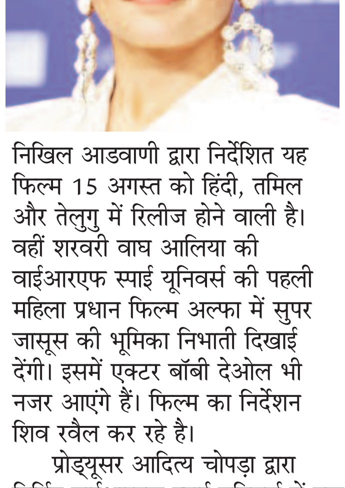

निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 15 अगस्त को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने वाली है। वहीं शरवरी वाघ आलिया की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा में सुपर जासूस की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। इसमें एक्टर बॉबी देओल भी नजर आएंगे हैं। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल कर रहे है।

प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। स्पाई यूनिवर्स में आने वाली फिल्मों में ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर के साथ वॉर 2, पठान 2 और टाइगर वर्सेज पठान शामिल हैं।

हिसाब के साथ डकैती की दुनिया रचने की तैयारी में विपुल अमृतलाल शाह

2002 की ब्लॉकबस्टर फिल्म आंखें के लिए मशहूर विपुल अमृतलाल शाह अपनी नई फिल्म हिसाब के लिए तैयार हैं। इस आगामी डकैती वाली फिल्म ने इस बात की उम्मीद और बढ़ा दी है कि फिल्म निर्माता-निर्माता हीस्ट यूनिवर्स बनाने के लिए उत्सुक हो सकते हैं, जिसमें रोमांचकारी बैंक डकैती और धमाकेदार एक्शन का एक नया दौर शामिल होगा।

इंडस्ट्री के एक सूत्र के अनुसार, आंखें के बाद, विपुल अमृतलाल शाह ने एक और डकैती वाली फिल्म, हिसाब के साथ आने से पहले काफी समय तक इंतजार किया। हमने यह भी सुना है कि वह डकैती पर कुछ और स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं, जो इस फिल्म के बाद अगली फिल्म होगी। जब डकैती की बात आती है तो विपुल के पास बड़ी योजनाएँ हैं।

जैसे-जैसे मनोरंजन उद्योग जासूसी थ्रिलर से लेकर पुलिस ड्रामा और कॉमेडी-हॉरर तक अपनी शैलियों के ब्रह्मांड का विस्तार कर रहा है, डकैती की शैली के भी इस दायरे में शामिल होने की उम्मीद है। इन सूत्रों ने खुलासा किया कि हिसाब के साथ, विपुल अमृतलाल शाह संभावित रूप से एक हीस्ट यूनिवर्स बना रहे हैं जिसका उद्देश्य दुनिया भर में इस शैली के प्रशंसकों को लुभाना है।

वेब सीरीजचंगेज में राजस्थानी किरदार निभाएंगे समर्थ जुरेल

टीवी अभिनेता समर्थ जुरेल के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। समर्थ जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज होने वाली है, जिसे इसी साल रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, समर्थ जुरेल जिस वेब सीरीज में अभिनय करते दिखेंगे, उसका नाम चंगेज है। इसका निर्देशन जजविंदर सोढ़ी द्वारा किया जा रहा है।

इसकी कहानी एक गैंगस्टर पर आधारित है। कहा जा रहा है कि समर्थ राजस्थानी रोल में दिखाई देंगे। वेब सीरीज चंगेज में समर्थ जुरेल के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता यशपाल शर्मा भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इन दोनों के अलावा चित्तरंजन त्रिपाठी और उज्ज्वल चोपड़ा भी इसमें काम करते हुए दिखेंगे। फिलहाल सीरीज के मुख्य कलाकारों के बारे में खुलासा होना बाकी है।

-साभार एजेंसी